



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. ....  
Date.....

सं. 20]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 17, 1975 (वैसाख 27, 1897)

(O.P.T. 4184)

No. 20]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 17, 1975 (VAISAKHA 27, 1897)

इस भाग में मिश्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, भियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत रेलवे के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं।

#### Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

##### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 मार्च 1975

सं. ए० 32013/1/75-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंधी के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० आर० अहीर ने, जिन्हे दस कार्यालय की अधिसूचना सं. ए० 32013/1/75-प्रशा०-I, दिनांक 24 अप्रैल, 1975 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था, 28 फरवरी, 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवैश्वर्य सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री आर० आर० अहीर ने 28 फरवरी, 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 31 मार्च 1975

सं. ए० 35017/1/73-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचना सं. ए० 35017/1/71-प्रशा०-II, दिनांक 24-3-1972 के अनुक्रम में महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व कार्यालय के अधीन ने सं. लेखाकार श्री ए० कौ. मुख्यी को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 13-3-1975 से एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिये अथवा आगामी आष्टे तक, जो भी 1-66GI/75

पहले हो, सामान्य केन्द्रीय सेवा में राजपत्रित क्लास II लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर स्थानापन्न रूप से नियक्त किया गया है।

पी० एन० मुख्यी,  
अवर सचिव

नई दिल्ली 110011, दिनांक 4 अप्रैल 1975

सं. पी०/1765-प्रशासन-II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंब्यक अधिसूचना दिनांक 22-8-1974 के अनुक्रम में महा निदेशक, डाक और तार नई दिल्ली के कार्यालय में स्थानापन्न रूप से कार्यरत अनुभाग अधिकारी श्री क० एन० बोहरा को 1-3-1975 से 31-12-75 तक अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी गई है।

सं. पी०/1763-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंब्यक अधिसूचना दिनांक 16-8-1974 के अनुक्रम में निर्माण, आवास और नगर विकास मंत्रालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंधी के स्थायी सहायक श्री जी० बी० माथुर को

1-3-75 से 31-12-75 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी अर्द्धवर्ष तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी के पद पर स्थानापन रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी गई है।

पी० एन० मुखर्जी  
अवर सचिव  
कार्यालय  
कार्यकारी

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 मार्च 1975

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी, श्री आर० आर० अहीर को राष्ट्रपति द्वारा दिनांक 3-3-75 से 27-3-75 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन रूप से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 1 अप्रैल 1975

सं० ए० 12025(ii)/2/74-प्रशा०-II—मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) के का० ज्ञा० सं० 5/17/74-सी० एस०(II), जिल्द-III, दिनांक 13-2-75 के साथ पठित उक्त विभाग के का० ज्ञा० सं० 5/17/74-सी० एस०(II), दिनांक 2-11-74 के अनुसरण में 'सेवा काल' वर्ष से वर्ष 1974 के लिये अनुभाग अधिकारी ग्रेड की वयन सूची में सम्मिलित किए जाने के लिये नामित वित्त मंत्रालय के के० स० से० संवर्ग के सहायक श्री पी० लालचन्द नाथानी को राष्ट्रपति द्वारा 1 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/2/75-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय, स्टेनोग्राफर सेवा संवर्ग के स्थायी अधिकारी, श्री एम० ए० गणपति राम को, राष्ट्रपति द्वारा के० स० से० नियमाबली, 1962 के नियम 10 के परन्तुक के अधीन, दिनांक 1 मार्च, 1975 से एक वर्ष की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन रूप से नियुक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी,  
अवर सचिव, (प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

#### मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च, 1975

सं० टी०-5/72-प्रशा०-5—राजस्थान राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री तेग बहादुर सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, दिल्ली शास्त्रा ने दिनांक

5-2-75 (अपराह्न) में पुलिस उप-अधीक्षक के पद का कार्य-भार त्याग दिया।

दिनांक 4 अप्रैल 1975

सं० ए० 2/2013/2/75-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा निम्नलिखित पुलिस निरीक्षकों/केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को उनके नाम के सामने दी गई तिथि से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पदोन्नति की तिथि
1.	श्री जी० डी० महन्ता	19-3-75 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एम० तापाराजन	17-3-75 (पूर्वाह्न)
3.	श्री डी० एम० राव	19-3-75 (पूर्वाह्न)

दिनांक 7 अप्रैल, 1975

सं० ए० 19021/ /75-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री आर० को० गुप्ता, भारतीय पुलिस सेवा (1969-तमिलनाडु) को दिनांक 15 मार्च, 1975 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 अप्रैल 1975

सं० ए० 19020/2/75-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति निम्नलिखित भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों को दिनांक 1-4-75 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिये अस्थायी रूप से स्थानापन पुलिस उप-महानिरीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना नियुक्त करते हैं:—

1. श्री धी० पाण्ड्या, भारतीय पुलिस सेवा, बिहार, 1957,
2. श्री वाई० राज पाल, भारतीय पुलिस सेवा मध्य प्रदेश, 1957।

दिनांक 11 अप्रैल 1975

सं० एम० 4/72-प्रशा०-5—श्री एम० एच० खान, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, रांची की सेवाएं दिनांक 31-3-75 (अपराह्न) से बिहार राज्य पुलिस को धापस सौंपी जाती है।

श्री एम० एच० खान ने दिनांक 31-3-75 (अपराह्न) को पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, रांची के कार्यालय में अपने पुलिस उप-अधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 14 अप्रैल 1975

सं० 4/19/74-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा श्री राज मोहन्द्वार सिंह बरार को दिनांक 28-2-75 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, नई दिल्ली में अस्थायी रूप से पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 अप्रैल 1975

सं० ए/22013/2/75-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विधेय पुलिस स्थापना, एतद्वारा श्री आर० डी० पाण्डे पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, एस० आई० य०, नई दिल्ली को दिनांक 29-3-1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विधेय पुलिस स्थापना में पुलिस उप-अधिकारी नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० 2/20/74-प्रशासन—श्री ए० के० राय, आई० ए० एस० (उडीसा : 1956 1/2) ने औद्योगिक विकास विभाग में आयुक्त (औद्योगिक सहकारिता) के पद के लिये चुने जाने पर 17 मार्च, 1975 के अपराह्न से विभागीय जांच आयुक्त केन्द्रीय सतर्कता आयोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बी० ली० दिघे,  
अवर सचिव

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल  
नई दिल्ली-110001, दिनांक 31 मार्च 1975

सं० ओ०-II-950/74-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर बुन्दू गंगाधर राव को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर बुन्दू गंगाधर राव को दूसरे बैस हास्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल आवादी/हैदराबाद में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 19 सितम्बर, 1974 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 4 अप्रैल 1975

सं० ओ०-II-1001/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर प्राताप कुमार प्राधान को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर प्राताप कुमार प्राधान की गरुप सेन्टर पूना, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 13 फरवरी, 1975 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 5 अप्रैल 1975

सं० ओ०-II-998/75-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस डाक्टर तारिक अहमद की तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष

के सिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर तारिक अहमद को गरुप सेन्टर चिकित्सा केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 28 फरवरी, 1975 अपराह्न से संभाल लिया है।

सं० ओ०-II-999/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर नारायण मिसरा को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के सिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर नारायण मिसरा को बैस हास्पिटल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल नई दिल्ली में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 14 फरवरी, 1975 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 10 अप्रैल 1975

सं० ओ०-II-990/74-स्थापना-1—डाक्टर सुरेन्द्र एम० एन० ने उनके त्याग पत्र के स्वीकृत होने पर 23 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल से कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी पद का त्याग 17-3-75 पूर्वाह्न से कर दिया।

सं० डी०-I-1/74-इस्ट—इस महा निदेशालय के अधिसूचना नं० डी०-I-1/74-इस्ट, दिनांक 18-3-75 में श्री आर० के० मेहरा के 37वीं बटालियन, सी० आर० पी० एफ० में कमांडेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ने की तिथि को 5-2-74 अपराह्न की अवधि 5-2-75 अपराह्न पढ़ा जाये।

एस० एन० माधुर,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 20 मार्च 1975

सं० ई-16014(1)/2/74-प्रशासन-1—बिहार राज्य पुलिस से स्थानान्तरित होने पर, श्री अरुण चन्द्र राय ने श्री ए० बी० चौधरी के स्थान पर दिनांक 17 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, अन्तर्राष्ट्रीय हवाई पत्तन, कलकत्ता, के कमांडेन्ट पद का कार्यभार संभाल लिया। अपने मूल राज्य (पश्चिम बंगाल) में प्रत्यावर्तित होने पर श्री ए० बी० चौधरी ने उसी दिनांक अर्थात् 17-2-75 के पूर्वाह्न से उपरोक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 3 अप्रैल 1975

सं० ई-32015(1)/10/73-प्रशासन-1—चूकि केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में 2 अप्रैल, 1975 अपराह्न को ले० कर्नल एच० एस० बदी की वर्तमान पुनर्नियुक्ति की शर्तें

समाप्त होनी है, इसलिये उन्होंने दिनांक 20 मार्च, 1975 के पूर्वाल्क से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत उर्वरक निगम लि०, नांगल, के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्हें दिनांक 20 मार्च, 1975 से 2 अप्रैल, 1975 (अपराह्न) तक 14 दिन की अविज्ञत छहद्वी मंजूर की गई है।

दिनांक 4 अप्रैल, 1975

सं० ई-38013(2)/12/74-प्रशा०-1—श्री डी० वी० बहल ने दिनांक 1 मार्च, 1975 के पूर्वाल्क से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल, दिल्ली की 8वीं बटालियन के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाल्क से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल, दिल्ली के ग्रुप कमांडेंट, पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 5 अप्रैल 1975

सं० ई-16014(1)/1/73-प्रशा०-1—केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल में प्रतिनियुक्ति की अपनी वर्तमान अवधि की समाप्ति पर मणिपुर पुलिस सेवा को प्रत्यावर्तित होने पर, श्री आर० सी० सिंह ने दिनांक 10 मार्च, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, राउरकेला स्टील प्लांट, राउरकेला के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

एल० एस० बिष्ट,  
महानीरीक्षक

#### कार्यालय, भारत के महापंजीकार

नई विल्ली-110011, दिनांक 31 मार्च, 1975

सं० 25/19/74-आर० जी० (ए०डी०-I)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 25/19/74-आर० जी० (ए०डी०-I), दिनांक 16 मई, 1974 की अनुवृत्ति में राष्ट्रपति श्री वी० वेणुगोपाल राव के, जो आनंद प्रदेश सरकार के अन्तर्गत विशेष श्रेणी उप समाहर्ता है, आनंद प्रदेश के उप जनगणना निदेशक के पद पर की अस्थाई नियुक्ति को दिनांक 14 मार्च, 1975 (अपराह्न) से एक वर्ष की श्री अवधि के लिये सहर्ष बढ़ाते हैं।

सं० 25/6/74-आर० जी० (ए०डी०-I)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 25/6/74-आर० जी० (ए०डी०-I), दिनांक 12 जुलाई, 1974 की अनुवृत्ति में राष्ट्रपति श्री आर० सी० कथूरिया के भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक जनगणना निदेशक (तकनीकी) के पद पर की तत्काल नियुक्ति को दिनांक 1 मार्च, 1975 से 31 दिसम्बर, 1975 तक या अगले आदेश प्रेषित होने तक सहर्ष बढ़ाते हैं।

सं० 25/12/74-आर० जी० (ए०डी०-I)—अपने सेवा में विस्तार की अवधि के समाप्ति के फलस्वरूप श्री ए० के० भद्राचार्या ने दिनांक 31 मार्च, 1975 के अपराह्न से तिपुरा के जनगणना निदेशक के पदभार को सौंप दिया।

बद्रीनाथ,  
भारत के उप महापंजीकार एवं पदेन उप सचिव

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 18 मार्च, 1975

सं० 3595/ए०—महाप्रबन्धक, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड, इसके द्वारा 17 मार्च, 1975 के पूर्वाल्क से पूर्णतया तदर्थे रूप से दो महीने के लिये अथवा तब तक नियन्त्रित रूप से जब तक इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाए निम्नांकित अधिकारियों को उप नियन्त्रण अधिकारियों के रूप में नियुक्त करते हैं :—

(II श्रेणी राजपत्रित पद)

- (1) श्री डी० एम० पतकी
- (2) श्री व्ही० श्रीनिवासन
- (3) श्री रा० जे० माडराकर
- (4) श्री वी० एम० मंडल

सं० 3596/ए०—श्री दत्तात्रेय पूडलिक जांबोटकर स्थाई भंडारी, केन्द्रीय मुद्रांक भंडार, नासिक रोड के केन्द्रीय मुद्रांक भंडार में (द्वितीय श्रेणी राजपत्रित पद) उप मुद्रांक पूर्ति अधिकारी के पद पर सुधारित वेतन श्रेणी रु० 650-30-740-35-880-40-1000-ई० वी०-40-1200 में 17 मार्च, 1975 के पूर्वाल्क से नियुक्त किया जाता है अथवा तब तक नियन्त्रित रूप से जब तक इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाए।

दिनांक 29 मार्च, 1975

सं० 3650/ए—निम्नांकित नियन्त्रण निरीक्षकों की (वर्ग III अराजपत्रित) चतुर्थ पत्र मुद्रणालय, नासिकरोड एतद्वारा उप-नियन्त्रक अधिकारियों के रूप में (वर्ग II राजपत्रित पद) चतुर्थ पत्र मुद्रणालय में रु० 650-30-740-35-810 रु० रो०-35-880-40-1000 रु० रो०-40-1200 के संशोधित वेतन-मान में, 17 मार्च, 1975 के पूर्वाल्क से 6 महीने के लिए तदर्थे रूप में अथवा इसके पहले नियमित पदपूर्ति तक नियुक्ति की जाती है।

1. श्री एफ० एच० कोल्हापुरखाला
2. श्री एस० वी० चान्दबडकर
3. श्री एच० के० शेजवाल
4. श्री एन० सी० सेनगुप्ता
5. श्री वी० एस० पाटील
6. श्री वी० वाय० देशपांडे
7. श्री जे० सी० लोध

श्री एन० सी० सेनगुप्ता को जो बैंक नोट प्रेस, देवास में प्रतिनियुक्ति पर है, कच्ची पदोन्नति दी गई है।

. यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री सेनगुप्ता बैंक नोट प्रेस देवास में जिस पद पर है, वह उनकी सेवा की सामान्य परिधि से

बाहर है और उनके मामले में “अगले निम्न नियम” के अन्तर्गत साधा स्वीकृति की सभी पूर्व शर्तें पूरी कर सी गई हैं।

विं ज० जोशी,  
महाप्रबन्धक

भारत सरकार टकसाल

हैदराबाद, दिनांक 29 मार्च, 1975

सं० 1-182/II/75—केन्द्रीय लोक सेवा आयोग के सिफारिश और स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मन्त्रालय (स्वास्थ्य विभाग) नई दिल्ली पत्र सं० ए० 12025/130/75 सी० एच एस० II, दिनांक 13-2-1975 के अनुसार टकसाल अध्यक्ष, भारत सरकार, हैदराबाद ने डा० टी० के० गोपालाराव को स्थायी टकसाल में जूनियर मेडीकल आफीसर के पद पर 8-3-1975 और आगामी आदेशों तक अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

पी० एम० राव,  
टकसाल अध्यक्ष

बैंक नोट मुद्रणालय

देवाम, दिनांक 29 मार्च, 1975

—नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/ई/स्पे/27—श्री रा० अ० मिश्र, अनुभागीय अधिकारी, वित्त मन्त्रालय, आर्थिक कार्य विभाग की बैंक नोट मुद्रणालय, देवाम में कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी के तौर पर की गई स्थानापन्न नियुक्ति दिनांक 1-4-75 से 30-6-75 तक या पद को भर्ती नियमों के अनुभरण में नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पूर्वतः हो तदर्थ रूप से निरन्तर की जाती है।

डी० सी० मुखर्जी,  
महा-प्रबन्धक ।

लेखाकार कार्यालय, पश्चिमी बंगाल

ट्रैजरी ब्रिलिंग

पश्चिमी बंगाल, दिनांक 1975

सं० —लेखाकार पश्चिमी बंगाल ने दो सेक्षन अधिकारी जिनका नाम नीचे अंकित किया गया है अस्थायी लेखा अधिकारी के पद पर क्रमशः दिनांक 25-11-74 और 2-12-74 से अथवा पद ग्रहण करने की तिथि से जो बाद में हो नियुक्त करने की कृपा की है :—

(1) सर्वश्री पुलिन चन्द्र दास 25-11-74 पूर्वार्द्ध (एक० एन०)

(2) सर्वश्री संतोष कुमार चौधरी 2-12-74 पूर्वार्द्ध (एक० एन०) इसकी पारस्परिक वरिष्ठता बाद में अंकित की जायेगी।

सं० —महालेखाकार पश्चिम बंगाल ने श्री पियूष कान्ति भट्टाचार्य, स्थायी सेक्षन आफिसर को अस्थायी लेखा अधिकारी के पद पर जिस तारीख से वे पद धारण करते हैं अगले आदेश जारी होने तक बहाल करने की कृपा की है।

इन अधिकारियों की पारस्परिक वरिष्ठता बाद में अंकित की जाएगी।

वरिष्ठ उप लेखाकार,  
पश्चिम बंगाल

लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग शीर्षक के अन्तर्गत

श्रीनगर, दिनांक 9 अप्रैल, 1975

सं० एडम० I/60 (72) 75-76/96-98—महालेखाकार जम्मू व काश्मीर ने आगामी आदेश तक के लिए इस कार्यालय के अधीनस्थ लेखा सेवा के सदस्य श्री मोहन कृष्ण तिकू को 3 अप्रैल 1975 के पूर्वान्तर से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

पी० के० बोस,  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार  
प्रशासन तथा अधिकरण

कार्यालय महालेखाकार, उत्तर प्रदेश, प्रथम इलाहाबाद

इलाहाबाद, दिनांक 25 मार्च, 1975

सं० प्रशासन-I/II-144/xi (ii)/390—महालेखाकार, उत्तर प्रदेश-1 (प्रथम), इलाहाबाद ने निम्नांकित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के सामने अंकित तिथि से आगामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी नियुक्त किया है :—

सर्व श्री

- |                         |           |
|-------------------------|-----------|
| 1. कृपा शंकर श्रीवास्तव | 1-3-75    |
| 2. कृष्ण चन्द्र धोप     | . 18-3-75 |

यू० राम चन्द्र राव,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, बिहार

रांधी-2, दिनांक 29 मार्च, 1975

सं० श्री ई० आर्य-आडो० 6327—महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री राधिका बिहारी सिन्हा स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 5-12-74 के अपराह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

व० प्र० सिंह,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)  
बिहार।

मुख्य लेखा परीक्षक  
मद्रास-3, दिनांक 8 अप्रैल, 1975

सं० —श्री के० कृष्णराव को, जो दक्षिण रेलवे के मुख्य लेखा परीक्षक के कार्यालय में अधीन रेलवे लेखा परीक्षा सेवा का एक स्थायी सदस्य है, 17-3-75 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश मिलने तक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया जाता है।

इस मामले में पदोन्नति केवल तदर्थ रूप से की गयी है और वह सर्वोच्च न्यायालय के अन्तिम आदेशों पर अवलंबित होगी।

के० पी० जोसफ,  
मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग  
कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्त्रक  
नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल, 1975

सं० 40011 (2)/74-प्रशा० ए०—रक्षा लेखा महा नियन्त्रक बड़े खेद के साथ आव्यापित करते हैं कि रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्टरीज), कलकत्ता के संगठन के श्री बी. डी० करानदिकर, स्थानापन्न लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० ओ०/156) का 15-1-1975 को निधन हो गया है।

तदनुसार श्री करानदिकर को रक्षा लेखा विभाग की नफरी से 16-1-1975 (पूर्वाह्न) से निकाल दिया गया है।

एस० के सुन्दरम्,  
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक (प्रशासन)

महानिदेशालय, आईनेन्स फैक्टरियां  
भारतीय आईनेन्स फैक्टरियां सेवा  
कलकत्ता, दिनांक 3 अप्रैल, 1975

सं० 12/75/जी०—दो वर्षों तक की सेवा वृद्धि की मंजूरी की समाप्ति पर, श्री आई० एन० खुल्लर, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी फोरमैन) दिनांक 13, अक्टूबर, 1974 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 13/75/जी०—वार्षिक निवृत्ति 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर, निम्नलिखित अधिकारियों ने प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से सेवा निवृत्त हुई।

1. श्री बी० आर० झा, स्थायी प्रधानाचार्या, 31 दिसम्बर 1974 (अपराह्न)।

2. श्री आई० एस० जुदाह, स्थानापन्न, सहायक प्रबन्धक (मौलिक फोरमैन), 31 जुलाई, 1974 (अपराह्न)।

एम० पी० आर० पिलाय,  
सहायक महानिदेशक आईनेन्स फैक्टरिया

वाणिज्य मन्त्रालय

वस्त्र प्रायुक्त कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 8 अप्रैल, 1975

सं० 18 (1)/73-75/ सी० एल बी० II/बी—वस्त्र (शक्तिशालित करघों द्वारा उत्पादन) नियन्त्रण आदेश, 1956 के खंड II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एतदद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (32-ए०)/59 दिनांक 16 मार्च, 1959 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तम्भ 2 में क्रमसंख्या 13 के सामने की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

“(एक) सरकार के सचिव, उद्योग विभाग,

मद्रास

(दो) निदेशक हाथकरधा और वस्त्र,  
मद्रास।

(तीन) संयुक्त निदेशक हाथकरधा और वस्त्र,  
मद्रास

(चार) उप-निदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथकरधा और वस्त्र का कार्यालय, मद्रास

(पांच) सहायक निदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथकरधा और वस्त्र का कार्यालय, मद्रास

(छः) सहायक निदेशक (हाथ करघा और वस्त्र) कोइम्ब-  
तूर, सेलम, मथुराई, लिंगी, तिलेलवेसी, कांची-  
पुरम, मथुराई, स्थित रामनाड, द्वरोड और  
तिरुचेनागाड मंडलों में

(सात) सभी वस्त्र नियन्त्रण अधिकारी

(आठ) सभी वस्त्र निरीक्षक

(नौ) राजस्व विभाग के अधिकारी जो राजस्व निरीक्षक की श्रेणी से नीचे के न हो।

(इस) वाणिज्य-कर विभाग के अधिकारी जो सहायक अधिकारी वाणिज्य-कर की श्रेणी से नीचे के न हों।

(ग्यारह) पुलिस तथा आबकारी विभाग के अधिकारी जो सबूद्धरेक्टर की श्रेणी से नीचे के न हो।”

सं० 18 (I)/73-75/सी० एल० बी०-II/ए—कुत्रिम रेशमी वस्त्र (उत्पादन और वितरण) नियन्त्रण आदेश, 1962 के खंड 12 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्थीकृति से, मैं एतदद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 16(2)/66-सी० एल० बी० II/सी० दिनांक 6 दिसम्बर, 1967 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तम्भ 2 में क्रम संख्या 15 के सामने की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

“(एक) सरकार के सचिव, उद्योग विभाग,

मद्रास

- (धो) निदेशक हाथकरघा और वस्त्र,  
मद्रास
- (तीन) संयुक्त निदेशक हाथकरघा और वस्त्र,  
मद्रास
- (चार) उप-निदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथकरघा और  
वस्त्र का कार्यालय, मद्रास
- (पांच) सहायक निदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथकरघा  
और वस्त्र का कार्यालय, मद्रास
- (छ:) सभी सहायक निदेशक हाथकरघा और वस्त्र  
कोश्मबृतूर, सेलम, मथुराई, त्रिचो, तिलेलवेली,  
कांचीपुरम, मथुराई स्थित रामनाड, इरोड और  
तिलेलगोड मंडलों में
- (सात) सभी वस्त्र नियन्त्रण अधिकारी
- (आठ) सभी वस्त्र निरीक्षक
- (नौ) राजस्व विभाग के अधिकारी जो राजस्व निरीक्षक  
की श्रेणी से नीचे के न हों।
- (वस) वाणिज्य-कर विभाग के अधिकारी जो सहायक  
अधिकारी वाणिज्य-कर की श्रेणी से नीचे के न  
हों।
- (ग्यारह) पुलिस विभाग के अधिकारी जो सब-इंस्पेक्टर  
की श्रेणी से नीचे के न हों।"

गौरी शंकर भार्गव,  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय  
आयात तथा निर्यात व्यापार नियन्त्रण  
स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक मार्च, 1975

सं० 6/1047/74-प्रशा० (जी०)—मुख्य नियन्त्रक,  
आयात-निर्यात एतद् द्वारा अग्रवर्ती विपणन आयोग, बम्बई के  
वरिष्ठ अनुसन्धान सहायक श्री डी० वी० वानी को 27 फरवरी,  
1975 के पूर्वाल्कु से अगले आदेश होने तक संयुक्त मुख्य नियन्त्रक,  
आयात-निर्यात का कार्यालय, बम्बई में स्थानापन्न रूप में नियन्त्रक,  
आयात-निर्यात, कलास-2 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर)  
नियुक्त करते हैं।

श्री डी० वी० वानी 650-30-740-35-810-द० श०-  
35-880-40-1000 द० श०-40-1200 रूपये के वेतनमान  
में नियमों के अनुसार वेतन प्राप्त करेंगे।

दिनांक 2 अप्रैल 1975

सं० 6/1052/74-प्रशा० (जी)—मुख्य नियन्त्रक,  
आयात-निर्यात, एतद् द्वारा श्री वी० एस० पाल, एस० एस० ए०,  
रक्षा मन्त्रालय, अनुसन्धान एवं विकास संगठन, देहरादून को अगले  
आदेशों तक 5 मार्च, 1975 के पूर्वाल्कु से संयुक्त मुख्य नियन्त्रक  
आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में स्थानापन्न रूप से नियन्त्रक,

आयात-निर्यात श्रेणी-2 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) के  
रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री वी० एस० पाल नियमानुसार, 650-30-740-35-  
810 द० श०-35-880-40-1000-द० श०-40-1200 के  
वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

ए० टी० मुखर्जी,  
उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात  
हते मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

उद्योग तथा नागरिक पूर्ति मन्त्रालय

श्रीद्वयिक विकास विभाग  
कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1975

सं 32014/4/74-प्रशासन (राज०)—विकास आयुक्त  
(लघु उद्योग), विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिशों पर,  
“एक पद नीचे” नियम के आधीन, निम्नलिखित अधिकारियों  
को, दिनांक 25 फरवरी, 1975 से आगामी आदेशों तक के लिए,  
650-30-740-35-880 द० रो०-40-960 रूपये के  
संशोधित वेतनमान में, सहायक निदेशक (वर्ग-2) (श्रीद्वयिक  
प्रबन्ध व प्रशिक्षण) के पद पर, “प्रोफार्म” पदोन्नति प्रदान करते  
हैं:—

(1) श्री ए० एल० खनेजा, सहायक निदेशक (वर्ग-1)  
(श्रीद्वयिक प्रबन्ध व प्रशिक्षण) लघु उद्योग सेवा संस्थान, लुधियाना।

(2) श्री आर्ह० आर० किश्वर्ह, उपनिदेशक (निर्यात  
संबद्ध), लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली।

प्रमाणित किया जाता है कि यह प्रोफार्म पदोन्नति “एक  
रिक्त स्थान पर एक अधिकारी” के सिद्धान्त के अनुसार की गई  
है और इन मामलों में “एक पद नीचे” के नियम की अन्य शर्तें  
पूरी कर ली गई हैं।

सं० ए० 19018/161/75 प्रशा० (राज०):—उत्पादन  
केन्द्र एसमनूर में, अर्द्ध स्थायी लघु उद्योग संबद्धन अधिकारी  
(श्रीद्वयिक प्रबन्ध तथा प्रशिक्षण) श्री एम० एस० नरसिंह  
मूर्ति को, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान,  
त्रिचोर में, अगले आदेशों तक के लिए, तब्दी आधार पर सहायक  
निदेशक (वर्ग-2) नियुक्त करते हैं। श्री नरसिंह मूर्ति ने  
सहायक निदेशक (वर्ग-2) के पद का कार्यभार दिनांक 12  
फरवरी, 1975 के पूर्वाल्कु से संभाला।

के० वी० नारायणन,  
निदेशक (प्रशासन)

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—————

(1) वैदहन्द्र राज कोचर 'अन्तरक'

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री हीरा नन्द (अन्तरिती)

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 फरवरी 75

निवेश नं० 12 एस/अर्जन—अतः मुझे विश्वभर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 78/1-2 है तथा जो चन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाशत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

एक किता मकान जो कि 2100 स्कवायर फुट है यह चम्बलगढ़ ग्राम भाग लखनऊ में स्थित है।

विश्वभर नाथ  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अजन रेंज, लखनऊ

तारीख : 17-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज,

शिलांग, दिनांक 20 फरवरी 1975

निर्देश सं० ए०-८३/शिग०/७४-७५/३८९१—९९—अतः

मुझे एगबर्ट सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० रोडीसट्रैसन नं० 197 है तथा जो उमलारे में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिलांग में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-८-७४ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती परा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2-66GT/75

(1) श्रीमती मारणेगठार्ड हेलेन, जेजाउ बानग खा रमनकि मलकि, शिलांग।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती असिमा चौधरी, के/अ० ए० के० चौधरी ओकलेन्ड रोड, शिलांग।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोसूत्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

त्वच्छीकरण:—इसमें प्रवृत्त जन्दों और वहों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में वया-परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के माप 34.39 एकर जो कि उमलारेन रेहद माउना, मिलिम सियामसिप, खासी हिल्स जिला, मेघालय प्रदेश में है।

एगबर्ट सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अजन रेंज, शिलांग

तारीख: 20-2-1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, KAKINADA

Kakinada, the 13th March 1975

Acq. File No. 173/J. No. I(222 & 223/KR/74-75.—  
K. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 40-15/1-6 Brundavan Colony, Vijayawada

में स्थित है (और

इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय Vijayawada में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय उक्त अधिनियम के अधीन कर बैने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Shri 1. Donepudi Ananta Ramaiah 2. Donepudi Leela Krishna Prasad and 3. Donepudi Sai Satyanarayana Prasad.

(Transferor)

(2) Shri 1. Sabbineni Raghavaiah 2. Sabbineni Venkatarao and 3. Smt. Sabbineni Vindya Rani, Nagayalanka, Divi Taluk.

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्तरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

Krishna District, Vijayawada Sub-Registrar, Vijayawada Municipality, Vijayawada Town, Mogalrahapuram, Brundavan Colony, Old Ward No. 24, New Ward 28, Revenue Ward 11, Block 4, N.T.S. No. 73, Asst. No. 26134, Door No. 40-15/1-6, Site with Daba House.

### BOUNDARIES

East—Municipal Road

South—House and site of Sri Sabbineni Raghavaiah

West—House site of Sri Sabbineni Raghavaiah

North—Joint compound wall of E. Laxmaiah

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, Kakinada

दिनांक : 13-3-1975

मोहर :

प्रस्तुप शाहौं टी० एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आधारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाड़ा

Kakinada, the 6th March 1975

Acq. File No. 168/J. No. I(583)/74-75.—

यतः मुझे, K. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आधारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 733/1, 733/2, 733/3 and 716/2 है, जो Kothapeta में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः अब, आधा 269-घ का उक्त अधिनियम के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की आधा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) Shri 1. Polipaka Narasimharao, Kothapeta 2. Pulipaka Venkataramanamurthy, Kothapeta, 3. P. Narayana Rao, Deputy Commercial Tax Officer, O/o Commissioner of Commercial Taxes, Hyderabad, 4. Pulipaka Acharya, Bombay.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Srikanthulu Satyavathi 2. S. Suryanarayana 3. S. Rambabu and 4. S. Narayana-murthy, C/o Narayana Silk House, Main Road, Kothapeta.

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### THE SCHEDULE

East Godavari District, Kothapeta Sub-Registrar-Kothapeta Village New settlements Nos. 733/1, 733/2, 733/3 and 716/2 Total land 9-02 cents. The details are as under :—

Document No.	Amount	New settlement No.	Extent of land
1656/74	Rs. 10,000	733/1 & 733/3	1-51(1-16&035)
1653/74	Rs. 10,000	733/3	1-51
1658/74	Rs. 15,750	716/2	2-00
1659/74	Rs. 5,750	733/3	1-00
1660/74	Rs. 5,750	733/1	0-85
1661/74	Rs. 15,750	733/2	2-15
Rs. 63,000		Land Aq.	9-02 cents.

K. SUBBARAO  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, Kakinada

दिनांक: 6-3-75  
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, KAKINADA

Kakinada, the 26th February 1975

Acq. File No. 158/J, No. I(180)VSP/74-75.—

गतः मझे K. Subbarao

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
 को धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
 यह विध्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
 जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है  
 और जिसकी सं. No. 6-2-19A Waltair ward है जो,  
 Waltair में स्थित है (श्रीर इससे उपाखद अनुसूची  
 में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
 कार्यालय, Visakhapatnam में भारतीय

## रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन 15-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन पा अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा  
269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित  
व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) Shri Nalla Mahesh Kumar, S/o Apparao,  
Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Shri Arumilli Achuta Ramarao S/o Satyanarayana, Nidadavolu.

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए एतद्वारा कार्यान्वयिता शुल्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के पश्चात् परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

四

Visakhapatnam District, Visakhapatnam Sub-Registrar  
Visakhapatnam Municipality Waltair ward Revised T.P.  
No. 25/71, T.S. No. 76, Block No. 1, Plot No. 11 Door  
No. 6-2-19A, Asst. No. 621, 817 Sq. Yds. with A.C.  
sheets shed etc

K. SUBBARAO  
संक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज. Kakinada

तारीख : 26-2-1975  
मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज,  
KAKINADA

Kakinada, the 26th February 1975

J. No. I(273)/KR/74-75/Acq. File No. 157.—

K. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० Land in Rs. No. 135/2 है जो Angaluru village में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-8-1974

को पूर्खीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्खीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना श्रो/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम,

की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Shrimati Lingam Ragamma, W/o Nagabushnam Represented by Sri Lingam Venkataratnam Genl Power of Attorney; Angalur Village, (Transferor)

(2) Shri Chekuri Ramachandra Prasad, Perisapally Post Krishna Dt. (Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्खीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेष्प :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें ।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

Krishna District Gudiwada Sub-Registrar, Angaluru Village, Gram Panchayat Angaluru village, R.S. No. (1) 135/2 Ac. 5-52 2. Rs. S. No. 134/3 Ac. 0-91 3. R.S. No. 137/4 0-18 cents 4. R.S. No. 137/1 0-32 cents 5. R.S. No. 260/2 0-68 cents, 6. R.S. No. 133/3 0-48 cents Total land Ac. 8-09 cents.

K. SUBBARAO  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, Kakinada

तारीख : 26—2—75  
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 27th February 1975

1. No. I(220)/74-75.—यतः मुझे

Acq. File No. 160.

K. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है और जिसकी सं-

Door No. 12-2-104 Balakrishna Market है जो Vijayawada  
में स्थित है (और इससे

उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा०  
अधिकारी के कार्यालय, Vijayawada में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) [के  
अधीन 15-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत  
अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अस्तरण  
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
said Act के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिथियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या said Act या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प  
of the said Act के अनुसरण में, मैं, said Act  
की धारा 269-प की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) 1. Sri G. Tirunarayana Krishna Arya, 2. Sri G.  
R. Krishna Arya, 3. G. S. Sundaram Krishna  
Arya, 4. Sri G. Sreedhara Krishno Arya, 2 to  
4 are being minors guardian father Sri Tiruna-  
rayana Krishna Arya, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Tatavarthy Veera Aleka Gopala Krishna  
Suryanarayana Murthy, Vijayawada.

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयित शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अष्ट्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
said Act 20-के में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

Krishna District Vijayawada Sub-Registrar Vijayawada  
Municipality Vijayawada Town Babu Rajendra Prasad  
Road Revenue Ward No. 5-Block No. 8 N.T.S. No. 505,  
Door No. 12-2-104, Asst. No. 9381-1432 Sq. Yards.

### BOUNDARIES

East—Compoundwall of Sheikh Sadulla Haeb;

South—Shops of Sri Kowta Purnanadam

West—Municipal Road and

North—Property of Hazimunnisa Begum.

K. SUBBARAO  
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, Kakinada

Date : 27-2-1975.

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चंडीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निदेश सं० LDH/सी/390/74-75—अतः मुझे जी० पी० सिह आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसी सं० प्लाट नं० 4-बी, है तथा जो ओसवाल मार्ग जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है, पर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और भी पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908- (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मै० कामन वैलथ सपिनिंग और निटिंग मिल्ज प्रा० लि०, लुधियाना पारा श्री प्यारा लाल, डायरेक्टर (अन्तरक)  
(2) श्रीमती कुमम लता पत्नी श्री कैलाश कुमार बी० -1061, शिवाला संगलावला, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजम के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 4-बी, क्षेत्रफल 367 वर्ग गज, जोकि पहिले मैसर्ज कामन वैलथ सपिनिंग और निटिंग मिल्ज प्रा० लि०, कम्पनी का था, और जोकि ओसवाल मार्ग लुधियाना जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है, पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4703, अगस्त, 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

जी० पी० सिह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख 6-2-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चाण्डीगढ़

चाण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निवेश सं० LDH/सी/478/74-75—अतः मुझे जी० पी० सिह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269ब० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 14-ए० है तथा जो कि ओसवाल मार्ग जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है, लुधियाना पर स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और सूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1974 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मै० कामन वैन्थ सपिनिंग और निटिंग मिल्ज प्रा० लि०, लुधियाना द्वारा श्री प्यार लाल डायरेक्टर। (अन्तरक)

(2) श्री कैलाण कुमार पुत्र श्री मन प्रकाश वी-IX-1066 1066, शिवाला संगलावाला, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां पूर्ण करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्थद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किये जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 14-ग०, क्षेत्रफल 517 2/3 वर्ग गज है जो कि पहले मै० कामन वैन्थ सपिनिंग और निटिंग मिल्ज प्रा० लि० कम्पनी का था और जो कि ओवमाल मार्ग लुधियाना जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है, पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के लिखेन नं० 4929 अगस्त, 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

जी० पी० सिह  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चाण्डीगढ़

तारीख: 6-2-75

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निदेश सं० LDH/सी/479/74-75—अतः मुझे जी० पी० सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० प्लाट और कमरा है जो कि ओसवाल मार्ग जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने में रुचिदा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थिरा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथोत्:—

(1) मैं कामन वैलथ सर्पिनिंग और निटिंग मिल्ज प्रा० प्रा० लि०, लुधियाना (दारा श्री पारा लाल डायरेक्टर)

(अन्तरक)

(2) मैं सालिंग राम मत प्रकाश सावन बाजार, लुधियाना (अन्तरीती)

को यह सूचना जागी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में लिए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट और कमरा क्षेत्रफल 200 वर्ग गज, जो कि पहले मै० कामन वैलथ सर्पिनिंग और निटिंग मिल्ज, प्रा० प्रा० लि०, का था और जो कि ओसवाल मार्ग, लुधियाना जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है, पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेव नं० 4493, अगस्त, 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

जी० पी० सिह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 6-2-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निदेश सं० LDH/सी/480/74-75—अतः मुझे, जी० पी० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० प्लाट नं० 7-डी, जो कि ओसवाल मार्ग जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्री-फरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की घाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या-धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं० कामन वैल्य सपिनिंग और निटिंग मिल्ज प्रा० लि०, लुधियाना द्वारा श्री प्यारा लाल, डायरेक्टर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती कुमम लता पत्नी श्री कैलाश कुमार, वी० 1-1061, शिवाला भगलावाला, लुधियाना। (अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 7डी, क्लोकफल 266 वर्ग गज, जो कि पहल मैसर्ज कामन वैल्य सपिनिंग और निटिंग मिल्ज प्रा० लि०, कम्पनी का था जो कि ओसवाल मार्ग लुधियाना जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है, पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकूत के विलेख नं० 4356, अगस्त 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

जी० पी० सिंह,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 6-2-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निर्देश सं० ए० डी० एच०/सी०/481/74-75—अतः  
मझे, जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस  
की सं० प्लाट नं० 7-बी जो कि ओसवाल मार्ग जिसे गुप्ता मार्ग  
भी कहा जाता है पर स्थित है, तथा जो लुधियाना में स्थित है (और  
इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख अगस्त 1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना  
चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै० कामन वैल्य सपिनिंग और निटिंग मिल्जे प्रा०  
लि०, लुधियाना द्वारा श्री प्यारा साल, आयरेक्टर  
(अन्तरक)

(2) (i) श्री संजे कुमार (ii) श्री अनिल कुमार (iii)  
श्री सतीश कुमार पुवान श्री वेद प्रकाश, निवासी  
468-एल, माडल टाउन, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधिहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के प्रधाया 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो इस  
प्रधाया में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 7बी, थोवफल 209-11/16 वर्ग गज, जो कि पहले  
मंसर कामन वैल्य सपिनिंग और निटिंग मिल्ज, प्रा० लि०, कम्पनी  
का था और जो कि ओसवाल मार्ग, लुधियाना जिसे गुप्ता मार्ग भी  
कहा जाता है पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4355 अगस्त, 1974  
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय में लिखा है। )

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 6-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निर्देश सं० एल० डी० एच० /सी०/482/74-75—ग्रतः, मुझे,  
जी० पी० सिंह

सहायक ग्रायकर आयुक्त, ग्रायकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)।

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम

प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० प्लाट नं० 7-ए जो कि ओसवाल मार्ग जिसे गुप्ता मार्ग कहा जाता है, पर स्थित है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन बर देने के अन्तरक के धार्यत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भागतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) मै० कामन वैल्थ सपिटिंग और निटिंग मिल्ज, प्रा० लि०, लुधियाना द्वारा श्री प्यारा लाल, डायरेक्टर  
(अन्तरक)

(2) श्री मनोज कुमार पुत्र श्री अविनाश चन्द्र, माडल टाउन, लुधियाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

प्लाट नं० 7-ए क्षेत्रफल 181 1/2 बर्ग गज, जो कि पहिले मौसर्ज कामन वैल्थ सपिटिंग और निटिंग मिल्ज प्रा० लि०, कम्पनी का था और जो कि ओसवाल मार्ग, लुधियाना जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4357, अगस्त, 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 6-2-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

ग्रंथन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 2-75

निर्देश स० एल० डी० एच० /सी/483/74-75—अतः  
मुझे जी० पी० सिंह

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की स० प्लाट न० 7-बी, जो कि ओसवाल मार्ग जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है, तथा जो लुधियाना में स्थित है (और उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं कामन वैल्य सपिनिंग और निटिंग मिल्ज प्रा० लि० लुधियाना द्वारा श्री प्यारा लाल, डायरेक्टर।  
(अन्तरक)

(2) श्री सुरिद्रकुमार पुत्र श्री अमर नाथ, रायेकोट, जिला लुधियाना  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट न० 7-बी, क्षेत्रफल 233-13/16 वर्ग गज, जो कि पहिले मैंसर्ज कामन वैल्य सपिनिंग और निटिंग मिल्ज प्रा० लि०, कम्पनी का था जो कि ओसवाल मार्ग, लुधियाना जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है, पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 4441, अगस्त, 1974, रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 6-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़  
चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/485/74-75—अतः मुझे  
जी० पी० सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट नं० 1 है तथा जो ओसवाल मार्ग  
जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है तथा जो लुधियाना में  
स्थित है (ओर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अगस्त, 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं कामन वैत्य सपिनिंग और निटिंग मिल्ज  
प्रा० लि० लुधियाना द्वारा श्री प्यारा लाल,  
डायरेक्टर।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरिन्द्र गोयल पत्नी श्री राजिन्द्र पाल  
गोयल निवासी गली नं० 7, बी-XXIII/356/77,  
जनक पुरी, लुधियाना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 1, क्षेत्रफल 736½ वर्ग गज, जो कि  
पहिले मे०कामन वैत्य सपिनिंग और निटिंग मिल्ज प्रा० लि०  
का था, और जो कि ओसवाल मार्ग लुधियाना जिसे  
गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं 4634 अगस्त,  
1974, में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय  
में लिखा है।)

जी० पी० सिह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 6-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़,  
चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 75

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/484/74-75—अतः मृमे  
जी० पी० सिंह  
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० प्लाट नं० 2 है जो कि ओसवाल मार्ग जिसे गुप्ता मार्ग भी कहते हैं तथा जो लुधियाना में स्थित है। (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फँड़ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाकीत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मै० कामन वैथ सपिनिंग और निटिंग मिल्ज, प्रा० लि०, लुधियाना द्वारा भी प्याग लाल, डायरेक्टर। (अन्तरक)

(2) (i) श्री सुरिन्द्र कुमार मितल पुत्र श्री परस राम,

(ii) श्री राज कुमार पुत्र श्री जगन नाथ, निवासी इन्डस्ट्रीयल प्रैरिया ए, नं० 184, लुधियाना।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जो दूस्ताकारी के पाव० लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रमुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यात्म 20-क में यवापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यात्म में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 2 थोकफल 843 } वर्ग गज जो कि पहले म० कामन वैथ सपिनिंग और निटिंग मिल्ज प्रा० लि० का था और जो कि ओसवाल मार्ग लुधियाना जिसे गुप्ता मार्ग भी कहते हैं, पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 4778 अगस्त, 1974 में रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

जी० पी० मिह०,  
मद्दम प्राविधिकी  
गदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख . 6-2-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज चंडीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी, 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/486/74-75-अतः मुझे जी० पी० सिह, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 3-ए, जो कि श्रोतवाल मार्ग जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है, पर स्थित है तथा जो लुधियाना में स्थित है को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं० कामन वैत्य सीपनिंग और निटिंग मिल्ज, प्रा०, लि०, लुधियाना द्वारा श्री प्यारा लाल, डायरेक्टर। (अन्तरक)

2. श्री चिरन्जी लाल पुत्र श्री रत्नाराम, मवान नं० 1134/23, मुहल्ला अजाद नगर, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3-ए, क्षेत्रफल 558 2/3 वर्ग गज जो कि पहले मैसर्ज कामन वैत्य सीपनिंग और निटिंग मिल्ज, प्रा०, लि० कम्पनी और जो कि श्रोतवाल मार्ग लुधियाना जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकूट के विलेख नं० 4880 अगस्त, 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।

जी० पी० सिह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 6-2-1975  
मोहर;

प्रारूप आई० टी० एन० एस०————

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़।

चण्डीगढ़, विनाक 6 फरवरी 1975

निदेश सं० य०ए०सी०/487/74-75—अतः मुझे  
जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन  
रेज, चण्डीगढ़।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 जो कि ओसवाल मार्ग जिसे  
गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है तथा जो लुधियाना में स्थित  
है (और इससे उपांचड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त,  
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना  
चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्षतः :—

4—66G1/75

1. मैसर्ज कामन वैत्य सर्पिनिंग और निटिंग मिल्ज,  
प्रा० लि०, लुधियाना द्वारा  
श्री प्यारा लाल, डायरेक्टर  
(अन्तरक)
2. श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री सुरजीत  
सिंह बाई-पास ब्वाटर नं० 35,  
गिल मार्ग लुधियाना  
(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइं भी आशेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, इबाके के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित वास्तविकता के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**लिखित:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं 2, क्षेत्रफल 1300 वर्गगज, जो कि पहले  
मैं कामन वैत्य सर्पिनिंग और निटिंग मिल्ज, प्रा० लि०  
था। और जो कि ओसवाल मार्ग, लुधियाना जिसे गुप्ता  
मार्ग भी कहा जाता है, पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकूट के विलेख नं० 4840 अगस्त,  
1974 में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी लुधियाना के कार्यालय  
में लिखा है।

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़।

तारीख : 6-2-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०————

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निवेश सं० के० टी० एल/6/74-75—अतः मुझे जी० पी०  
सिह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डी-  
गढ़। आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से प्रधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि 27 कनाल 5 मरले फैक्टरी बिल्डिंग साथ है। जो कि महो चौधरी कैथल में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, पट्टी चौधरी कैथल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन, तारीख अगस्त, 1974। को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्दर ही प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की भावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसार में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. मै० कैबल शोरा उद्योग, जीन्द्र मार्ग  
कैबल द्वारा सर्व/श्री (i) दिवान चन्द  
(ii) लाल चन्द (iii) जान चन्द (iv)  
प्रिथी चन्द (v) रोशन चन्द (vi)  
सीता राम (vii) प्रिथी पाल (viii)  
चमन लाल हिस्सेदार (अन्तरक)

2. मै० हिन्दुस्तान सालट पीटर इंडस्ट्रीज,  
जीन्द्र रोड, कैबल द्वारा श्री मिठन लाल  
बांसल पुत्र श्री सीता राम, कैबल।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से, किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्थावरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधार्य 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधार्य में दिया गया है।

### मनुसूची

भूमि 27 कनाल 5 मरले साथ मे फैक्टरी और बिल्डिंग जो कि पट्टी चौधरी कैथल मे है। खसरा नं० 46/1, 6, 2, 10, 47, 5—6।

जी० पी० सिह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 6-2-1975

मोहर :

प्र० अ० श्रीमती वैश्वनाथ कौर, पत्नी श्री राम सिंह,  
गारड़न कलौनी, आ० बी० दुनी चन्द्र  
रोड, अन्तरकरण।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निदेश सं० सी० एच० ली०/168/74-76/—प्रतः मुझे  
जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन  
रेंज, चण्डीगढ़। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया

है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिस सं० नं० 64-पी०, गली 'सी' सैकटर 10-ए, नया  
नं० 71 क्षेत्रफल 518 वर्ग गज चण्डीगढ़ में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त  
1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान  
प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
ते किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबों  
को जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार ये, ये,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपलब्ध (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

1. श्रीमती वैश्वनाथ कौर, पत्नी श्री राम सिंह,  
गारड़न कलौनी, आ० बी० दुनी चन्द्र  
रोड, अन्तरकरण। (अन्तरक)

2. (i) श्रीमती बिमला वती, पत्नी  
श्री हंस राज कटारिया (ii)  
श्री बिनोद कुमार पुत्र श्री हंस राज  
कटारिया कामरशियल बिल्डिंग नं० 2,  
बी माल, शिल्पा। (अन्तरिती)

3. श्रीमती कमल हजूरीया पत्नी स्वर्गवासी  
श्री प्रसीम सिंह हजूरीया मकान नं०  
71 सैकटर 10-ए, चण्डीगढ़। (नह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आव  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भे  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 71, सैकटर 10-ए, जिसका क्षेत्र 518 वर्ग गज  
और प्लाट नं० 64-पी०, गली 'सी' मे बना हुआ है।

जी० पी० सिंह  
सम्पत्ति प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख: 6 फरवरी 1975

गोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, विनांक, 6 फरवरी, 1975

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/407/74-75—अतः

मुझे, जी० पी० सिंह,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तरफ कारा बाए, तहसील  
और जिला लुधियाना में स्थित है (और उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान  
प्रतिफल रो, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

1. श्री भाग सिंह, पुत्र श्री हरी सिंह,  
निवासी तरफ कारा बारा,  
तहसील और जिला लुधियाना। (अन्तरक)
2. न्यू इन्डिया कालोनाइजर्ज,  
55 भादोड़ हाऊस लुधियाना,  
बारा श्री बाल कृष्ण। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहीर्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेष—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

**रजिस्ट्रीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं  
वही अर्थ दोगा, जो उप अधिकार में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 7 कनाल 10 मरले जो कि तरफ कारा  
बारा, तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है।

खसरा नं० 13/25, 20/16,

खेट नं० 1164/1265,

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5676 सितम्बर  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता लुधियाना के दफतर में लिखा है।)

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 6 फरवरी 1975।

मोहर :

प्राप्त आई० टी० एन० एस०——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, विनांक, 6 फरवरी, 1975

निश्चेत सं० ए० डी० एच/सी/443/74-75/—अतः मुझे  
जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,  
चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तरक कारा बारा, तहसील  
ओर जिला लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1974।

को तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन अन्य आस्तियों को, जिन्हें  
भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का  
11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का  
43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम,  
की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित  
व्यक्तियों, अर्थात्:—

- |   |                                |
|---|--------------------------------|
| <p>1. श्री भग्न सिंह, पुत्र श्री हरी सिंह,<br/>निवासी तरफ कारा बारा,<br/>तहसील लुधियाना।</p> <p>2. न्यू इन्डिया कालोनाईजर्ज,<br/>55 भाद्रौड़ हाऊस लुधियाना,<br/>द्वारा श्री बाल कुण्ड</p> | <p>(अन्तरक)<br/>(अन्तरिती)</p> |
|---|--------------------------------|

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई दूर्घटना हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्मान्य व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

भूमि, थेट्रफल 7 कनाल, जोकि तरफ कारा बारा, तहसील  
ओर जिला लुधियाना

खेत नं० : 1164/1265।  
खसरा नं० : 20/15, 20/17/1,  
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विसूख नं० 6472 अक्टूबर 1974  
में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।)

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 6-2-1975  
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-----

आष्टकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आष्टकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निदेश सं ए एम एल० /4/74-75—यतः मुझे  
जी० पी० सिंह, सहायक आष्टकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज,  
चण्डीगढ़

आष्टकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसके पश्चात 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन और फैक्टरी है तथा जो गांव मुगल  
माजरा, जी० टी० रोड, गोमिन्दगढ़, में स्थित है (और इससे उपा-  
भद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अमलोह, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अत्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष्मह प्रतिशत से अधिक है और यह कि  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित  
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,  
उक्त अधिनियम, के अधीन  
कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उत्तरे बचने के लिए सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या अधिनियम,  
या बनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्यपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपक्षारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित घटितियों, अर्थात् :—

1. भै० प्रजीत स्टील रोलिंग मिल,

गोमिन्दगढ़,

धारा (1) श्री राम सिंह,

(2) श्री हरी सिंह,

पुत्रान श्री प्रताप सिंह,

(3) प्रीतम सिंह, पुत्र श्री राम सिंह,

(अन्तरक)

निवासी नोमोन, तहसील लुधियाना

## 2. सर्वेश्वी

(1) यश पाल पुत्र श्री पूरन चन्द जैम,

(2) सुदेश पाल पुत्र नागिन चन्द,

(3) दर्शन कुमार श्रोसवाल प्रौर

(4) सिरी पाल श्रोसवाल, पुत्रान रतन चन्द,

(5) श्रीमती नीलम कुमारी पत्नी

जन्मलाल श्रोसवाल

(6) श्रीमती सुधा श्रोसवाल पत्नी नीलम कुमार

(7) बलदेव राज जैन पुत्र हीरा लाल जैन

(8) हरदवारी लाल पुत्र परभाती लाल

मार्कत श्री यश पाल श्रोसवाल बूलत मिलज (अन्तरिती)

मिलरगंज, लुधियाना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए उत्तद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीर्धी द्यक्तियों पर सूचना  
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्वल्पीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अद्याय 20-क में व्यापकरितावादित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अद्याय में विद्या  
गया है।

## अनुसूची

जमीन और फैक्टरी बिलिंग :—सेक्सफल 8 कनाल 7 मरले  
खाता नं० 86/107,

खेवट नं० 86, खतौनी नं० 107

पट्टी मलबा, गांव मुगल माजरा, जी० टी० रोड, गोमिन्दगढ़  
उत्तर :—खेती की जमीन,

दक्षिण :—मेन रोड,

पूर्व :—ऊंची नीची जमीन,

पश्चिम :—झायमण्ड स्टील रोलिंग मिलज,

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 747, अगस्त 1974 में  
सब रजिस्ट्रार अमलोह के दफ्तर में लिखा है।)

जी० पी० सिंह

सभम प्राधिकारी

मोहर : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़।

प्रह्लाद आई० टी० एम०एस०—

1. श्री रामेश्वर नाथ पुरुष्ठू

(अन्तरक)

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

2. कुमारी माधुरी

(अन्तरिती) द्वा०

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 फरवरी 1975

निदेश सं 42-एम/एक्यू०—यतः मुझे, विश्वभर नाथ आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन संभव प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं 198 है तथा जो ममफोर्ड गंज हाउसिंग स्कीम में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयाद्वारा शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्वद्वीकरण :**—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में व्यापरिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन फर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

एक किलो लाट जिसका व्यापक 297 वर्ग चम्बल है तथा जोकि ममफोर्ड गंज हाउसिंग स्कीम, इलाहाबाद में स्थित है।

विश्वभर नाथ  
संघर्ष प्राधिकारी,  
सहायक आमकर आमुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवधारित :—

तारीख : 4-2-1975

सोहूर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, तारीख 3 फरवरी, 1975

निदेश सं० 11-ठी/अर्जन—यतः मुझे, विश्वस्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 73 है तथा जो सराय ताल्लुक छतौना) में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहजहांपुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
16-8-1974  
को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विवास करने के कारण है कि यथा पूर्णकृत सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दूर्दृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बनने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
सुप्रधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

1. श्री करतार सिंह थ अन्य

(अन्तरक)

2. श्री दरेशन सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**द्वितीयकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 0.176 एकड़ है, जोकि  
मौजा सराय ताल्लुक छतौना, जिला शाहजहांपुर में स्थित है।

तारीख :

मोहर :

विश्वस्भर नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

प्रूफ आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 7 मार्च, 1975

निवेदन सं० 192/ए क्य० 23-294/19-7/74-75  
—यतः, मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० नोंधनं० 1300 ए० पैकी और नं० 1255-ए-1 पैकी टी० पी० एस० नं० 2, म्य० नं० 1 है, तथा जो तिमिलियाबाद नानपुरा सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाष्पत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवार्ति :—

5—66GI/75

(1) श्री केकोवाद जमशेदजी आंरीया  
कोग्नेद जोसाभाई बामजी  
बाई मेहरा,—, जमशेदजी मानेकजी  
की कुलमुखतार  
फारोख जमशेदजी आंरीया की  
ओर से उसके कुल मुखतार;  
मानेकजा कुंवरजी दोर्दी। (अन्तरक)

(2) मै० महेश्वरी कंस्ट्रक्शन क० की  
ओर से उसके सहितारी :—  
अजीतभाई नरसिंहभाई पटेल  
चिमनलाल नरसिंहभाई पटेल  
नरसिंहभाई गोविन्दजी पटेल (अन्तरिती)

(3) मै० विष्णु लैन्ड कारपोरेशन की ओर  
से उसके सहितारी :—  
अमृतलाल रामसिंह कांट्रैक्टर  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में, अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नौंध नं० 1300ए पैकी म्य० वार्ड० नं० 2, टी० पी० एस० नं० 2, एफ० पी० नं० 4-ए पैकी तथा नौंध नं० 1255-ए-1 पैकी (म्य० वार्ड० नं० 1 में) जिसका कुल माप 582 वर्ग गज है और जो तिमिलिया वार्ड, नानपुरा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकृत विलोख नं० 2744 और 2745 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 7-3-1975

मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 7 मार्च, 1975

निवेश सं० 193/ए० सी० क्य० 23-350/19-7/74-75  
—यतः मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० म्य० नौंध नं० 1882 पैकी म्य० वार्ड नं० 1 है, तथा जो गोधनवाड़ा, नानपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृद्धयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती(अन्तरितियों) के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(1) श्री रंजीतासह उमरावसिह ठाकोर  
नानपुरा, गोधनवाड़ा, सूरत (अन्तरक)

(2) मै० विल्डको सर्विंज, सूरत अपने  
सहियारी श्री नवीनचन्द्र, चिमनलाल  
द्वारा सलाबतपुरा, बालाभाई स्ट्रीट,  
सूरत।

(3) कंकरमिंग पार्टी  
सुरेशचन्द्र शंकरसिंह ठाकोर  
चन्द्रसिंह शंकरसिंह ठाकोर  
गोधनवाड़ा नानपुरा, सूरत  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन, म्य० नौंध नं० 1882 पैकी, म्य० वार्ड नं० 1, जिसका कुल माप 666 वर्ग गज है और जो गोधनवाड़ा, नानपुरा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी, सूरत के अगस्त 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2879 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, अहमदाबाद

तारीख : 7-3-1975

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 10 मार्च, 1975

निदेश सं० 194/ए० सी० क्य० 23-311/7-4/74-75—  
यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विश्वास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० म्य० नं० 713-बी-1 सर्वे नं० 11 (1-2-3 पैकी है, तथा जो नील कंठ नगर, जबेरी सदक, नवसारी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अस्सरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याद गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथात्:—

- (1) श्री धनसुखभाई भीखाभाई पटेल,  
नीलकंठ नगर, जबेरी सदक, नवसारी (अन्तरक)  
(2) श्री कान्तीलाल गगलभाई शाह  
शार्वा बजे कान्तीलाल शाह  
हसमुख कान्तीलाल शाह  
रमेश कान्तीलाल शाह  
धीरेन्द्र कान्तीलाल शाह }  
जितेन्द्र कान्तीलाल शाह }  
सगीर अपने बाली कान्तीलाल जी० शाह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आम्रेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन व मकान सहित अचल सम्पत्ति जो 'अवश्य' नाम से प्रसिद्ध है और जो म्य० नं० 713-बी-1 और सर्वे नं० 11/1-2-3 पैकी 2598 वर्ग फुट जो नीलकंठ नगर, जबेरी सदक नवसारी में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के अगस्त 1974 में किए रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1653 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 10-3-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, तारीख 7 मार्च 1975

निदेश सं० 195/ए क्य० 23-353/19-11/74-75

—यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व  
के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० नोंद नं० 1300 ए० पैकी और 1255-ए-  
1 पैकी म्य० 24 वार्ड न० 1 है, तथा जो तिमिलिया वार्ड, नानपुरा  
सूरत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 14-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा  
के लिये सुकर बनाना।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) बाई मेहरा, जमशेदजी मानेकजी की  
कुल भुखतार,  
खोरशेद डोसाभाई बामजी,  
केकोवाद जमशेदजी आंरिया  
फारोख जमशेदजी आंरिया  
हाल—बम्बई। (अन्तरक)

(2) श्री अजीतभाई नरसिंहभाई पटेल  
चिमनलाल नरसिंहभाई पटेल  
नरसिंहभाई गोविन्दजी पटेल  
सूरत

(3) मै० विष्णु लेन्ड कारपोरेशन की ओर से  
उसके सहियारी अमृतलाल राम  
सिंगभाई कंट्रैक्टर  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वींधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन जिसका नोंद नं० 1300-ए पैकी म्य० 24  
न० 1, टी० पी० एस० न० 2, एफ० पी० न० 4 ए और म्य०  
वार्ड न० 1, नोंद न० 1255-ए-1 पैकी है जिसका कुल माप  
278 वर्ग गज है तथा जो तिमिलिया वार्ड, नानपुरा, सूरत में स्थित  
है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा अगस्त 1974 के  
रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2743 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
संक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-3-1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 7 मार्च 1975

निवेश सं० 196/ए० सी० क्य० 23-354/6-2/74-75—

प्रतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट न० 27, निर्माण कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी है, तथा जो अलकापुरी, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के घन्टह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बच्ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की उक्त धारा 269-घ के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) डा० उगराभाई जोईता राम पटेल (अन्तरक) मेडीकल आफिसर, सुदास्ना, ता० खेरालू

(2) श्री अंबालाल महीजीभाई पटेल (अन्तरिती) सुपरवाइजर, माही केनल प्रोजेक्ट, मोगरी, ता० आनन्द।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन व मकान जो 27, निर्माण कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, अलकापुरी, बड़ौदा में स्थित हैं। जमीन का माप 3828 वर्ग फुट और बांध काम 2400 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बड़ौदा के 29-8-1974 को किए गए रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3742 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-II, कार्यालय अहमदाबाद  
 अहमदाबाद, तारीख 7 मार्च, 1975

निदेश नं० 197/ए० सी० क्य० 23-355/6-2/74-75—  
 यतः मुझे पी० एन० मिस्त्र

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 49/2 असमोदय कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी है तथा जो अलकापुरी बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, उक्त अधिनियम की उक्त धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् :—

- (1) डा० चिमनलाल भाईलाल शाह (अन्तरक)  
 13-ए डाक्टर्स क्वार्टर्स,  
 न्यू सिविल हास्पीटल, भजुरा गेट,  
 सूरत
- (2) श्री नटवरलाल जे० जानी  
 19-ए, बैंक आफ बड़ौदा आफीसर्स  
 कालोनी,  
 अजमा रोड़, बड़ौदा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन नोंध नं० 49/2 जो असमोदय कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, अलकापुरी बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल माप 4816-6 वर्ग फुट है जिसमें से पायेनक बांधकाम 267 वर्ग फुट का है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी बड़ौदा के 26-8-74 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3721 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मिस्त्र,  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-3-1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 मार्च 1975

निर्देश सं० 18-जी०/अर्जन—यतः, मुझे, बिशम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है, तथा जो माधोपुर, बलिया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलिया में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-8-1974

#### को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- |                         |            |
|-------------------------|------------|
| 1. श्री शिव पुजन व अन्य | (अन्तरक)   |
| 2. श्री गोपी सिंह       | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुषि भूमि जिसका रकबा 74.29 करोड़ एकड़ है जो कि मोधोपुर जिला बलिया में स्थित है।

बिशम्भर नाथ  
सक्षम प्राक्तिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 13 मार्च 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 मार्च 1975

निर्देश सं० 38 आर०/अर्जन—आतः मुझे, विश्वास नाथ  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० वी० 20/80 डी० है जो भेलू पुरा वाराणसी  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
3-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्त-  
रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- |                                 |              |
|---------------------------------|--------------|
| 1. श्रीमती आभा रानी देवी व अन्य | (अन्तरक)     |
| 2. श्री राम सूरत व अन्य         | (अन्तरिक्षी) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता मकान जोकि मोहल्ला भेलूपुरा वाराणसी में स्थित  
है।

विश्वास नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख : 13 मार्च 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 मार्च 1975

निर्देश सं० 37 आर०/अर्जन—यतः, मुझे, विश्वम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 279/38 है तथा जो कानपुर रोड़ पान दरीबा लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-8-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से फ़र्मित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती छारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6 | 66 GI/75

1. श्री दुर्गा प्रसाद धर्श

(अन्तरक)

2. श्री रत्नील कौर व अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका रकबा 10097 वर्ग फुट है। जो कि कानपुर रोड़ पान दरीबा—लखनऊ में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13 मार्च 1975

मोहर :

प्रेरूप आई०टी० एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 मार्च 1975

निर्देश सं० 16-जे०/ए० सी० क्य० (16-जे०) अर्जन/—  
यतः, मुझे, बिश्मभर नाथ आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात  
'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० डी०-53/90-F-2 है, तथा जो नारायण नगर  
कालोणी लकड़ा वाराणसी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
16) के अधीन 29-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तथ यां गथा ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- |  |            |
|--|------------|
| 1. श्री नुसर ग्रभग नारायण गिह ग ग्रन्त | (पत्रिका)  |
| 2. श्री सरदार जगत गिह                  | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूलना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक किता मकान जिसका ग्रन्तदा 1800 वर्ग फुट है। जोकि  
नारायण नगर कालोनी नं० डी०-53/90-एफ०-2 मोहल्ला  
लकड़ा जिला वाराणसी में स्थित है।

बिश्मभर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक: 13 मार्च 1975  
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 मार्च 1975

निर्देश मं० 5-टी०/ग० सी० क्य०/(5-टी०/अर्जन)—  
यतः, मुझे विश्वास नाथ

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
आंग जिसकी सं० 35/1 बी० है तथा जो गमपुर गाँड़न वरेनी में  
स्थित है (ग्राम उपावद्ध अनुसूची में आंग पूर्ण रूप में  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वरेनी में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 24-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपने में  
सुविधा के लिए

अतः ग्राम, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुग्रहण में, मैं  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रविन्द्रा प्रताप सिंह। (अन्तरक)  
2. आइडियल को० हाउसिंग सोसायटी लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभावित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 35/1-बी० जिसमें चार फ्लैट है।  
जो कि राम पुर गाँड़न में स्थित है।

विश्वास नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 12 मार्च 1975  
मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 मार्च 1975

निवाश सं० 54-एस०/१० सी० न्य० (54 एस०)/अर्जन—  
अतः, मुझे विश्वास भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग् के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० 9 है तथा जो राना प्रताप मार्ग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नवट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोजेक्टर्स अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- |                                    |            |
|------------------------------------|------------|
| 1. सर्वोदय को० हाउसिंग सोसाइटी लि० | (अन्तरक)   |
| 2. श्रीमती सरस्वती जिया राम        | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फिला प्लाट जिसका रकबा 7200 वर्ग फिट है जो कि 9—राना प्रताप मार्ग लखनऊ में स्थित है।

विश्वास भर नाथ  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 12 मार्च 1975  
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

1. श्रीमती हेमलता गुप्ता व अन्य

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. डा० अयोध्या प्रसाद वर्मा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 मार्च 1975

निदेश सं० 37-ए०/एक्य०—अस: मुझे विशम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं०३ ब्लाक A-1-35 है तथा जो सिविल  
लाइन रामपुर बाग बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-८-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या क्षत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;  
  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका रकबा 604 वर्ग गज है। जोकि  
मो० सिविल लाइन रामपुर बाग, बरेली में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्रम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 13-३-७५

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ  
लखनऊ, तारीख 13 मार्च 75

निवेदा स० 10-एल०/ए०स००क्य०० (10 एल०अर्जन) —अतः

मुझे विश्वास्मी नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी म० — है तथा जो अकबर पुरा बहराइच में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बहराइच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-8-1974

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान के प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा, 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

पावती (अन्तरिती)

3. श्रीमती लक्ष्मी श्रीवास्तवा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में हिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका रकमा 762.81 वर्ग मीटर है। जोकि अकबरपुरा बहराइच में स्थित है।

विश्वास्मी नाथ  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 13-3-75

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 7 मार्च 1975

सं० प्राय० ए० सी० 129/74-75—यत्, मुझे, को० एस० वेकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इगमे॒ इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 7-1-746 से 748 और 7-1-753/1 है, जो मार्केट स्ट्रीट, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमे॒ उपावहू अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना॒ अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) मिर्जा असादुल्ला बेग सुपुत्र स्वर्गीय मिर्जा इश्माइल बेग 1-6-797, मुणीराबाद, हैदराबाद।  
(2) श्रीमनी बालकीम बानू पन्नी मुहम्मद गालिब,  
(3) अनीस बानू पन्नी सैयद इसा,  
16-4-42 चंचल गूडा, हैदराबाद।  
(अन्तरक)
2. (1) जबसानी लक्ष्मण राव सुपुत्र श्री रामचन्द्रद्या  
(2) „ पुरुषोत्तम सुपुत्र श्री रामचन्द्रद्या  
(3) „ श्री निवासुल सुपुत्र श्री रामचन्द्रद्या  
(4) „ कृष्णमूर्ति सुपुत्र रामचन्द्रद्या  
(5) जबसानी बकटेश्वर राव सुपुत्र रामचन्द्रद्या  
(अन्तरिती)

3 से 5 तक मैनर होने के कारण उनके पिता राम चन्द्रद्या गार्डियन सबके सब मार्टेंटपल्लि सिकन्दराबाद के रहने वाले हैं।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्व जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्तुताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

छठ का म्यूनिसिपल नं० 7-1-746 से 748 तक और 7-1-753/1, (ग्रोन्ड नं० 3930 और 3931) मार्केट स्ट्रीट, सिकन्दराबाद।

को० एस० वेकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 7-3-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 मार्च 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5 /हवेली-1/अगस्त 74/182/74-75

यतः मुझे एच० एम० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन

सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० डी० एस० नं० 352 है, तथा जो नारायण पेठ पूना 30 में स्थित है, (और इससे उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का का 16), के अधीन तारीख 14-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्राप्ति:—

1. श्री सदाशिव विष्णु भौमे 615 नारायण पेठ पूना, 30  
(अन्तरक)

2. (1) श्री ग्रनंत सखाराम रानाडे 50, नारायण पेठ, पूना-30
- (2) श्री प्रभाकर दत्तात्रेय भिंडे, 941/1 शिवाजीनगर, सुदूरशीन महकारी गृह रचना संस्था, मर्यादित पूना-16
- (3) श्री प्रभाकर गणेश कानितकर, 1544, सदाशिव पेठ, पूना-30  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आशेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमत्ता किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

की होल्ड प्राप्ती पूना म्यूनिसिपल कार्पोरेशन कक्षा में क्षेत्रफल 136/2/9 स्केल० मीटर्स, सी० टी० एस० नं० 352 का पूर्व का हिस्सा नारायण पेठ पूना-30 जो निम्न प्रकार से स्थिति है :—

पूर्व की तरफ :—शेडगे बिल्डिंग मंदिर

पश्चिम की तरफ :—सी० टी० एस० नं० 352 का बाकी भाग जो श्री प्रभाकर विश्वनाथ भोमे और इतरों को मिला है।

दक्षिण की तरफ :—लक्ष्मी रोड

उत्तर की तरफ :—विजय चित्र मंदिर की प्राप्ती।

एच० एस० श्रीलख,  
मक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना,

दिनांक : 11-3-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेज चार, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 फरवरी 1975

निर्देश सं० ए० पी० 205/आई० ग० सी०/5-आर०-4/74-75—यतः मुझे श्री ग० सी० राव०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 143/3/ए सर्वे नं 143 है, जो अम्बीबली में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16), के अधीन तारीख 6-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ह्रृदि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-66-GI/75

1. श्री हरचुमल एच० 114, लोडगानी लॉल कानचंदानी बम्बई-52

(अन्तरक)

2. मरमं एवर साईन बिंडर्स 223, अमृण चैम्बर्स, तारदेव, बम्बई-34

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो गांव अम्बीबली (अम्बोली के नाम से भी जात) रजिस्ट्रेशन जिला और उपजिला बम्बई नगर और बम्बई उप नगर में स्थित है अधिकार के अभिलेखों में दिनांक 28 नवम्बर 1969 में एम० आर० नं० 2692 (II) के अन्तर्गत लिखित है माप में 3409 वर्गमीटर यानी कि 2850.35 वर्गमीटर या आसपास जिसका 'लाट नं० 143/3 ए जो कि सर्वेक्षण नं० 143 का एक भाग है ।

ग० सी० राव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजेन रेज, बम्बई-1

तारीख : 21-2-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमूल्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी, 1975

निवेदन सं० 190/ए० सी० क्य०-23-289/19-7/74-75

यतः मुझे पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० नोंद नं 1936-ए पैकी क्य० वाई० न० 2 में स्थित है तथा जो क्षेत्रफल विस्तार संग्रामपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपावट अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन है तारीख 16-8-74 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधारित :—

1. श्रीमती बाई नन्दी, जीनाभाइ भागभाइ की विधवा जेलीबेन भाईसाल भाई संग्रामपुरा, सूरत  
(प्रस्तरक)

2. मै० विस्को लेन्ड कार्पोरेशन, सूरत की ओर से उसके महियारी विमलाबेन नानुभाइ देसाई चम्पकलाल चुन्नीलाल जीनबाला नागबेन रत्नीलाल यशवंतलाल रत्नीलाल  
(अन्तरिती)

3. (1) मै० सरदार कंस्ट्रक्शन कं० सूरत की ओर से उसके सहियारी मनोजकुमार जे० मेहता, रमेशकुमार जे० रंग भरत कुमार एन० ठकर

(2) श्रीसी लेन्ड कार्पोरेशन सूरत की ओर से उसके सहियारी रत्नीलाल छगनेलाल अनोरवाला

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानकर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अन्तरण सम्पत्ति जिसका नोंद नं० 1936- पैकी क्य० वाड० न० 2 है जिसका कुल माप 250 वर्ग गज और 241-4 वर्ग गज अर्थात् कुल 491-4 वर्ग गज है और जो संग्रामपुरा, क्षेत्रफल विस्तार सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के अगस्त 1974 में किये गये रजिस्ट्रीकृत विलोक्त न० 3016 और 3017 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आमूल्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 21-2-1975

मीहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०————

1. श्री विजय शंकर बाधवा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती रिजवाना खान

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक 15 मार्च 1975

निर्देश सं० 39 आर०/ए०सी० क्य०—प्रतः मुझे, बिश्मभर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी-77 है तथा जो निराला नगर लखनऊ में स्थित है (और इसे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन है

तारीख 5-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास सिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट जिसका रकमा 9600 वर्ग फुट है। जो कि निराला नगर जिला लखनऊ में स्थित है।

बिश्मभर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लखनऊ।

तारीख : 15-3-75।

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक 14 मार्च 1975

निवेश सं० 29-के/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 35 है तथा जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और  
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-8-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त आय-कर अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर  
बनाना ;

अतः शब्द उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थत—

1. श्री नन्द किशोर

(अन्तरक)

2. श्री किशोरी लाल

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के के संबंध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहसाक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका नं० 35 है, जोकि सिकन्दराबाद  
जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

विशम्भरनाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख - 14-3-75  
मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०————

1. श्री हसन इमाम

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

2. फर्म आटो सेल्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक 14 मार्च 1975

निदेश सं० 38-ए/अर्जन—अतः मुझे बिश्वासभर नाथ सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 100/1 है, तथा जो अलई पुर मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय वाराणसी मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के वन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लाट जिसका रकबा 6 बिसवा है, जोकि मौजा अलईपुर जिला वाराणसी मे स्थित है।

बिश्वासभर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 14-3-75  
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

१. शम्भूनाथ उर्फ शम्भू लाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

२. श्रीमती लक्ष्मिन देवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक 14 मार्च, 1975

मिंदेश सं० 11-एल/अर्जन—ग्रतः मुझे, विश्वम्भर नाथ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं०—है तथा जो बाराणसी में स्थित है (और इसे  
उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय बाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन ९-८-७४  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवां प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देसे के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी दून या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयाद्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में होई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक किला मकान जिसका रकबा 800 वर्ग फुट है, जो कि  
बाराणसी में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ।

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुकरण  
में, में, सक्षम अधिनियम की भारा 269-ए  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 14-3-75।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद  
दिनांक 17 मार्च, 1975

सं० आर० ए० सी०/३२/७४-७५—अतः मुझे के० एस०  
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० 13/365-366, 367 वाय० वी० स्ट्रीट, है, जो कड़पा में स्थित है (और इससे उपार्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कड़पा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुब्बा लक्ष्मी पत्नी सी० आर० रामकृष्णा अध्ययर  
जयनगर, कालोनी, चिन्ना चेन, मोजा कड़पा, ।  
(अन्तरक)

2. श्री पी० मोहम्मद अली पुत्र जीवन खान  
प्रोप्राइटर भानू स्टुडियो, वाय० वी० स्ट्रीट, कड़पा ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेद—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास पिछित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अप्रूप्य

सम्पत्ति :—नं० 13/365, 366, 367, वाय० वी०  
स्ट्रीट, कड़पा ।

के० एस० वेंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 17-3-75 ।

मोहर :

प्रलेप० आई० टी० एन० एस०----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरभार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 मार्च 1975

सं० आर० ए० सी० 131 74-75 यतः मुझे के० ए० सं० बैकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० घर का बाग नं० 5-1-482 से 484 है तथा जो जामबाग में स्थित है (और इससे उपार्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने के कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

मतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उवधारा (1) अवैत निम्नलिखित अविवादी, घर्थातः—

1. श्री अन्तराबू गंगेड़कर सुपुत्र नारायणराबू गंगेड़कर नं० बी-7 ला कालेज के पीछे उसमानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद (अन्तरक)
2. (1) बलराय मिठा सुपुत्र बालाधिराज अपरलप्रैट हैदराबाद ।
- (2) बनसप्रासाद श्री बासतवा सुपुत्र किशन परशाद लोहर घूलपेट हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गम्पति के अर्जन के लिए कार्यालयांहिया करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**लालोकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति घर का बाग और कुला जमीन नं० 5-1-482, 483, 484 शामबाग के पास हैदराबाद वर्ग 302. 29 वर्ग यारड ।

के० ए० स० बैकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 18-3-75 ।

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक 15 मार्च 1975

सं० 47 एम० /एसीक्य०/47-एम०

यतः मुझे विश्वास नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 21/39 है तथा जो जिला वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री मुहम्मद उमार खां

(अन्तरक)

2. श्री मुन्ना और अशा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मंजिला मकान जो कि जिला वाराणसी में स्थित है।

विश्वास नाथ,  
सक्रम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

अल: अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—66GI/75

तारीख : 15-3-75।

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 मार्च 1975

निर्देश सं० 40-आर०/ए० सी० क्य० (40-आर०)

यतः मुझे विशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 192 है तथा जो अलीम गज में स्थिति है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, शिराने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधा गोविन्द चटर्जी

(अन्तरक)

2. श्री राम चन्द्रा गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किला मकान जिसका रकबा 300 वर्ग गज है जो कि मोहल्ला अलीम गज जिला झानाहावाद में स्थिति है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 15-3-75 ।

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली,-1

दिनांक 15 मार्च 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० 11/814/74-75/9037  
यतः मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी मं० 2020,202-ए है, जो किनारी बाजार दिल्ली में स्थिति है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत चिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

अतः यब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) सेठ किरोड़ीमल चैरिटी, द्रस्ट बाके रायगढ़ द्वारा (1) श्रीमती श्रीमती देवी, धर्मपत्नी रव० श्री किरोड़ीमल लुहारीबाला (2) श्रीमती इमरती देवी सोडी धर्मपत्नी स्त्र० श्री सेठ परशोत्तम दास सोडी (3) श्री रमेश कुमार सोडा पुत्र रव० श्री परशोत्तम दास सोडी (4) श्री कालीचरन केशान पुत्र सेठ मदनलाल केशान (5) श्री राजाराम भिवानी बाला पुत्र सेठ बैजनाथ भिवानी निवासी 31 काटन स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरक)
2. मै० भारतीया ब्राह्मन चैरिटेबल द्रस्ट, 2187 जमुना बाजार दिल्ली इसके द्रस्टी के द्वारा (1) श्री श्याम बिहारी सुपुत्र श्री मांगेलाल 1267 कूच महाजामी चाबनी चौक दिल्ली (3) श्री हजारी लाल सुपुत्र श्री किशोरी लाल 2187 जमुना बाजार दिल्ली। (अन्तरिती)

3: सूची किरणेदार  
मकान म 2020 से 2024 तक हवेली खाँन किनारी बाजार दिल्ली

क्रम	नाम	पिता का नाम
1.	प्यारे लाल	प्रसादी लाल
2.	टीका राम	चेत राम
3.	राम लाल	टीका राम
4.	बिश्वम्भर नाथ	छेदो लाल
5.	गोपी राम	माधोराम
6.	बाला प्रसाद	राम रतन
7.	प्रभा नंद	भोरे लाल

8.	राम चन्द्र	जीवन राम
9.	धासी राम	नानक राम
10.	राम चरन	गगा राम
11.	मधुरा प्रसाद	हजारी लाल
12.	हनुमान प्रसाद	रमेश चन्द्र
13.	सा॒र्म	चूनी लाल
14.	रामचन्द्र	छदालाल
15.	छज्जू राम	कल्लू राम
16.	चन्द्रशेखर	नारायण सहाय
17.	चन्द्र योखर	नारायण सहाय
18.	बुद्ध राम	चूनी राम
19.	गुलाब राय	गगा राम
20.	मदन लाल	गंगा राम
21.	मदन लाल	गंगा राम
22.	राम प्रसाद	केवल राम
23.	तेजा सिंह	केवल राम
24.	भद्रा	पत्नी बलदेवा
25.	डाल चन्द्र	लाला राम
26.	मुकद्दी लाल	खुमानी राम

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष्ट,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूली

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1250 वर्ग गज है तथा जो कि 2020 से 2024 हावेली खान, किनारी बाजार, दिल्ली में दुर्मिजिला बिलिंग के साथ स्थित है तथा इस बिलिंग में बिजली तथा पानी का कनेक्शन जुड़ा हुआ है। इसको सिमसए इस प्रकार है :

पूर्व : गली तथा दूसरी जायदाद का हिस्सा

पश्चिम : लाला भगवान सहाय का मकान

उत्तर : गली तथा कुआं

दक्षिण : रामीरचनाल का मकान

सी० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली-1

तारीख: 15 मार्च, 1975

मोहर :

प्रूप प्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 अगस्त 1974

निदेश सं० 55-एस०/ए सी क्य०/7 :—यतः, मुझे  
बिषम्बर, नाथ,) 1961 (1961 का 43)

आयकर अधिनियम (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० सी० के० 8/28 है तथा जो गऊ मठ मे स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची मे और पूर्ण रूप संचरित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14 अगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्युट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कर्पित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए।

अर्त : अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रतन चन्द वाही

(अन्तरक)

2. श्री सत्यनारायण धूत महेश्वरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या क्षत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अमुस्की

एक कित्ता मकान जिसका रकवा 596 वर्ग फिट है। जो कि मो० गऊमठ जिला वाराणसी मे स्थित है।

विषम्बर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 17 अगस्त, 1974

मोहर .

प्रस्तुत आई ० टी० एन० एस०————

1. श्रीमती सीता कौल,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. सरदार सतनाम सिंह अरोरा

(अन्तरिती)

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 मार्च 1975

निवेश सं० 54 एस०/अर्जन/ :—अतः, मुझे विश्वास, नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 508 /५ग है जो बोस गज में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29 अगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य मान प्रतिफल के लिए अन्तरित री गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भानि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ता अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णता:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त प्रबंदों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ० अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका रकवा 1800 वर्ग फुट है। जो कि बोस गज, जिला लखनऊ में स्थित है।

विश्वास, नाथ,  
राजम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 18 मार्च, 1975  
मोहर :

प्रस्तुति आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 मार्च, 1975

निवेश स० 41—आर०/अर्जन/ :—यतः, मुझे ब्रिशम्भर, नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी नं० 13 और 14 है तथा जो ग्राम करनाडा जि० वाराणसी में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर्पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13 अगस्त, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- |                           |            |
|---------------------------|------------|
| 1. श्रीमती रामुरत         | (अन्तरक)   |
| 2. श्रीमती राजेश्वरी देवी | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट्स नं० 13 और 14 जो कि 6035 वर्ग फिट हैं जो कि ग्राम करनाडा जिला वाराणसी में स्थिति हैं।

ब्रिशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ।

तारीख : 17 मार्च, 1975।  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—————

1. श्री गम लाल सुरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री जसपाल मलिक

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 मार्च, 1975

निदेश सं० 17-जे०/अर्जन/ :—अतः, मुझे, बिश्वास नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ——— है तथा जो जवाहर नगर में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्डह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

एक किता मकान दो मजिला जिसका रकबा 263 1/2 वर्ग गज पर बना है। जो कि सौ० जवाहर नगर जिला मुरादाबाद में स्थित है।

बिश्वास नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ।

अतः ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 17 मार्च, 1975।

मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस० —————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक 13 मार्च 1975

निदेश सं० एस० 91/आर-II/कल०/75-75 :—अतः,  
मुझे, आर० वी० लालमोया

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और  
जिसकी स० 21 है तथा जो बेलबेडियर रोड, कलकत्ता में स्थित  
है (और इसमें उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गर्वनमेन्ट प्रेस नार्थ कल-  
कत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 15 अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी शाय की बाबत  
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी शाय या फिसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की  
उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों  
अपर्याप्त :—

1. श्री महेन्द्र कुमार चौधरी व कपिल चौधरी 21, बेलबेडियर रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

2. मैसर्स नांगदाला टी० कम्पनी लिमिटेड 4, फैयर्ली प्लेस, कलकत्ता (अन्तरिती)

3. बैचने वाला स्वयं (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है )

4. श्री ईश्वरी प्रसाद पोद्दार नाबालिंग पुत्र श्री महाबीर प्रसाद पोद्दार माता श्रीमती स्नेहलता देवी पोद्दार द्वारा (वह व्यक्ति,  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हित-वद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 कट्टा 2 छटाक क्षेत्रफल की एक भूमि का एक टुकड़ा जो कि 21, बेलबेडियर रोड, कलकत्ता का एक हिस्सा है।

आर० वी० लालमोया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रायकर शायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज II, कलकत्ता

तारीख 13 मार्च, 1975  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-घ(1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 मार्च, 1975

निर्देश सं० ए० सी० ९०/आर०-II/कल०/७४-७५—  
 अतः, मुझे, आर० बी० लालमोया  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 21 है तथा जो बेलवेडियर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नरमन्ट प्लेस, नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14 अगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कार देने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने की सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—  
 9—66GI/75

1. श्री महेन्द्र कुमार चौधुरी तथा कपिल चौधुरी 21, बेलवेडियर रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

2. मैसर्स मोरांघाट टी कम्पनी लिमिटेड, 4, फैयर्ली प्लेस, कलकत्ता-1। (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी बेचने वाला स्वयं (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

4. श्री मनोज कुमार पोद्दार } नावालिङ देवकी नन्दन पोद्दार

पुन भावीर प्रसाद पोद्दार माता श्रीमती स्नेहलता देवी पोद्दार (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहत्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

28 कट्टा 15 छठांक 6 वर्ग फीट जमीन एक दो तल्ला मकान के साथ 21 नं० बेलवेडियर रोड, कलकत्ता में।

आर० बी० लालमोया,  
 सक्षम प्राधिकारी  
 (भायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज-II, कलकत्ता  
 54, रफीग्रहमद किषदार्ड रोड,  
 कलकत्ता-16

तारीख 13 मार्च, 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० डी० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 मार्च, 1975

निर्देश सं० 56 एस०/अर्जन/ :—अतः, मुझे विश्वास्वार नाथ,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० डी० 29/39 हाल डी०-33/37 है तथा जो  
खलिस पुरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णा  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (19098 का 16) के अधीन,  
तारीख 9 अगस्त, 1974 को,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
आना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- |                           |            |
|---------------------------|------------|
| 1. श्रीमती कथलेश्वरी देवी | (अन्तरक)   |
| 2. श्रीमती सवित्री देवी   | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**— इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला तीन मणिला मकान नं० डी० 33/37 जिसका  
क्षेत्रफल 35"30" फीट है जो कि मोहल्ला खलिस पुरा जिला  
वाराणसी में स्थित है।

विश्वास्वार नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 17 मार्च, 1975  
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 मार्च, 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-1 327 (154)/1-1/  
74-75 :—यतः, मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी  
सं० एफ० पी० नं० 391, 392 सब प्लाट नं० 7, हिस्सा  
नं० 7 बी०, टी०पी०एस० नं० 3 है, तथा जो चंगीसिपुर, अहमदाबाद  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 14 अगस्त, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः जब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) महेन्द्र हरी लाल त्रिवेदी सी-6, ज्योति कालोनी,  
मीशन हस्तपताल के निकट, बड़ौदा। (अन्तरक)
- (2) (1) सुमन बेन अनिरुद्ध शेलत  
(2) योगेश अनिरुद्ध शेलत,  
(3) ज्योतिन्द्र अनिरुद्ध शेलत,  
महाराष्ट्र सोसाइटी एलिस ब्रीज, अहमदाबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
सिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान जो 300 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और जिसका फाय-  
नल प्लाट नं० 391, 392 सब प्लाट नं० 7, हिस्सा नं० 7 ब  
टी० पी० स्कीम नं० 3 ए० और जो चंगीसिपुर, अहमदाबाद  
स्थित है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 20 मार्च, 1975

मोहर :

प्रश्नप्राई० टी० एम० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1975

निर्देश नं० 302/ए० सी० क्य० 23-351/6-2/74-75—  
यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डी० टीका नं० 1/10 सर्वे नं० 42/1, पैकी खुली जमीन 3660 वर्ग फुट है तथा जो, फतेह गंज केम्प मेन रोड, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8 अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(घ) ऐसी किसी आय या बिसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्तुमः—

1. श्री व्यंकटराव कृष्णराव उपलप  
विठ्ठल राव कृष्णराव उपलप  
सयाजीराव कृराव उपलप  
मधुकर राव कृष्णराव उपलप  
'कमल कुंज', फतेह गंज, बड़ौदा-2 (अन्तरक)

2. मैं० नवरंग एपार्टमेन्ट्स को-शापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, फतेह गंज, बड़ौदा की ओर से उसके :—  
प्रमुख : श्री मोहमद हनीफ अब्दुल मजीद पटेल बड़ौदा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्द किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभासित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन डी० टीका नं० 1/10, सर्वे सं० नं० 42/1, जिसका कुल माप 3660 वर्ग फुट है और जो मेन रोड, फतेह गंज केम्प, बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा के रजिस्ट्रीक्यूट विलेख नं० 3455/8874 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 19 मार्च 1975

मोहर :

## प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 मार्च 1975

निर्देश सं० 204/ए० क्य०-23-338/6-2/74-75—  
 यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,  
 आयकर अधिनियम 1961 (1961  
 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
 गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
 यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
 सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
 और जिसकी मूल्य सेलर और भू-मंजला 59-ए कुंज सोसाइटी  
 है, जो अलकापुरी हलाका, बड़ौदा में स्थित है (और  
 इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-  
 कर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
 नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 अगस्त  
 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
 मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
 अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
 प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
 के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
 में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
 नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
 में सुविधा के लिए ।

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
 उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्षण :—

1. श्रीमती वृजगना देवी विठ्ठलनाथजी गोस्वामी 59-  
 ए, कुंज सोसाइटी, अलकापुरी, बड़ौदा (अन्तरक)
2. श्री राजन कुमार मनीषाई पटेल  
 श्री अर्विन्द भाई नाथाभाई पटेल, बड़ौदा  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
 किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
 किये जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
 नियम, के अध्याय 20-क में व्यापरिभावित हैं, वही  
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है ।

**अनुसूची**

अचल सम्पत्ति, जमीन, मकान का कुछ हिस्सा यानी  
 सेलर और भू-मंजला जो 58-ए कुंज सोसाइटी, अलकापुरी  
 विस्तार, बड़ौदा में स्थित है हित तथा हक्क सहित, जैसा कि  
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०  
 3363/2-8-1974 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल,  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेज-II, अहमदाबाद ।

दिनांक : 11 मार्च 1975 ।  
 मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 मार्च 1975

निर्देश नं. 205/ए० सी० क्य० 23-338/6-2/74-75—

यतः मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पहला मात्र गैरेज और जमीन सहित दो कमरे हैं तथा जो 59-ए०, कुंज सोसाइटी, अलकापुरी इलाका, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 अगस्त 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थात् :—

1. श्रीमती वृंदावना देवी विठ्ठलनाथजी गोस्वामी 59-ए०, कुंज सोसाइटी, अलकापुरी, बड़ौदा (अन्तरक)
2. श्री सनत कुमार मनीषाई पटेल श्री जशभाई लालभाई पटेल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति, जमीन व मकान का कुछ भाग: पहला भांडा, गैरेज व साथ के दो कमरे परिवर्त्तन की ओर, ज 59-ए०, कुंज सोसाइटी, अलकापुरी इलाका बड़ौदा में स्थित है, हित तथा हक सहित, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी बड़ौदा के 2-8-1974 को किए गए रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 3365 में प्रवर्णित है।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक: 11 मार्च 1975  
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 मार्च 1975

निर्देश सं० 206/ए० मी० क्य० 23-338/6-2/74-75—

यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० दूसरा और तीसरा भाग, 59-ए० कुंज  
सोसायटी है तथा जो अलका पुरी इसका बड़ौदा में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
2 अगस्त 1974

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
निर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या अन्य या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ के अनुसरण में, मैं  
उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बृजंगना देवी विठ्ठलनाथजी गोस्वामी 95-  
ए०, कुंज सोसायटी, अलकापुरी, बड़ौदा (अन्तरक)  
2. श्री कनुभाई महीजीभाई पटेल  
श्री रावजीभाई भाईलाल भाई पटेल, बड़ौदा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**इष्टाकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जो मकान का हिस्सा है यानी दूसरा और  
तीसरा मंजला जो 59-ए० कुंज सोसायटी, अलकापुरी,  
इसका बड़ौदा में स्थित है वह हित और हक्क सहित, जैसा कि  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बड़ौदा के रजिस्ट्रीक्रूट विलेख नं०  
3364/2-8-1974 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 11 मार्च 1975  
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

1. श्री बिन्ध्याचल प्रसाद गुप्ता

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

2 श्रीमती सुभाग देवी मेहरा व अन्य (अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज लखनऊ  
लखनऊ, दिनांक 20 मार्च 1975

निर्देश सं० 58-एस०/अर्जन—यतः मुझे, विशम्भर नाथ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 625 है तथा जो हवीब पुरा में स्थित है  
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय वाराणसी में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
16 अगस्त 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्युल विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या,  
छिपाने में सुविधा के लिए

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद भ  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सके ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ऐक किता प्लाट जिसका रकबा 60'×70' वर्ग किट  
है। जो कि मोहल्ला हवीबपुरा जिला वाराणसी में स्थित  
है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ ।

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की, धारा 269-ग के अनु-  
सरण म, म, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 20 मार्च 1975

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०

1. श्री एम० चक्रवर्ती

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती विवेणी देवी

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 6-टी०/एक्य०/6-टी०/अर्जन)---यतः, मुझे,  
बिशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ए के अधीन संसाम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 25 है तथा जो जि० वाराणसी में स्थित (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8 अगस्त 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ पूरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्दृ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक किता प्लाट जिसका नं० 25 है और उस का क्षेत्रफल 5,000 वर्ग फुट है। यह जिला वाराणसी में स्थित है।

बिशम्भर नाथ,  
संक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लखनऊ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुकरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
10—66GT/75

दिनांक 17 मार्च 1975।

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०——

1. श्री एच० वी० इदनानी

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री अब्दुल रणीद

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
सिए कार्यवाहियां करता है।

अर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 39-ए०/एक्यू—यतः, मुझे, बिशम्भर नाथ

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

आयकरअधिनियम, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्यू/डी०-7/15/1144/17 है तथा जो गुईन टेक (रोड) में स्थित है (और इससे उपावश अनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31 अगस्त 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप में से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मुसूची

एक तीन मंजिला मकान जो कि 1594 वर्ग फुट में बना है। और यह गुईन टेक (रोड) लखनऊ में स्थित है।

बिशम्भर नाथ,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लखनऊ।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 17 मार्च 1975।

मोहर :

प्र० रूप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 35-बी०/एक्स०—अतः, मुझे, विश्वम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 48/84 और 48/85 है तथा जो कुतुब  
शहीद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक 19 अगस्त 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान के प्रतिफल पञ्चह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
फरित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
प्रधानिति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया या या कियो जाना चाहिए था, छिपाने  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पन्ना लाल गुप्ता ग्रन्थ

(अन्तरक)

2. श्री विसमिल्ला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के लिये  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान जिसका नं० 48/84 और  
48/85 है। जो कि मोहल्ला कुतुब शहीद जिला वाराणसी  
में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ।

दिनांक 17 मार्च 1975।  
मोहर।

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री राम लाल सूरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री अणोक कुमार

(अन्तरिती)

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 40-ए०/एस्य०—यतः, मुझे, विश्वम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)  
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० . . . है तथा जो जवाहर नगर में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 3 अगस्त 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस  
बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य  
आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या घनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतेवद्वारा कार्यवाहियाँ, शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप हो, तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाय में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योक्तसाकरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान जिसका क्षेत्रफल 263-1/2  
वर्ग गज है जो कि मोहल्ला जवाहर नगर जिला मुरादाबाद में  
स्थित है।

विश्वम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ।

दिनांक : 17 मार्च 1975।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर दिनांक 19 मार्च 1975।

निवेश सं० अर्जन/133/देहरादून/74-75/3107—अतः  
मुझे, आई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया  
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी म० 225 है तथा जो राजपुर रोड देहरादून में  
स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 20 अगस्त 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचते में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
या, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपशारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों  
प्रथात्:-

1. श्रीमती जमीला रौस विधवा श्री जैम्स चर्स्टोफर  
रौस, 173, राजपुर रोड, देहरादून। (अन्तरक)

2. मैं० दि तिव्वतन बोमिनस सेन्टर रजिस्टर्ड सोसाइटी  
अण्डर दि इण्डियन सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 290,,  
राजपुर रोड देहरादून।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

बनी हुई सभी सम्पत्ति में मुख्य कोठी, बाहर, घर,  
पेढ़ खुली भूमि जिसकी माप 9 बीघा है जिसकी भूनिषिपल  
225 राजपुर रोड, देहरादून में स्थित है और कि “किल्लारनेय  
नाम से प्रसिद्ध है जिसका हस्तान्तरण रु० 1,00,000  
में हुआ ।

आई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक: 19 मार्च 1975।

मोहर:

प्रारूप श्राई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 169-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 123/अर्जन/आगरा/74-75/3108—अतः,  
मुझे; वाई० खोखर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।  
की धारा 269-घ के अधीन  
सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी स० 5/41 है तथा जो टीला गज सिह हीग  
की मण्डी आगरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 7 अगस्त 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कृष्ण कुमार सचदेवा सुपुत्र श्री मिलख राम  
सचदेवा, निं० 74, सूर्य नगर आगरा (अन्तरक)
2. श्री देवनदास सुपुत्र श्री धरम दास, निं० 32/97,  
छोटी हकीमी गली, कालामहल, आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टीला गज सिह हीग की मण्डी आगरा में स्थित  
मकान जिसका न० 5/41 है इसका हस्तान्तरण रु० 42,000  
में किया गया है।

वाई० खोखर  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, कानपुर।

दिनांक 17 मार्च 1975।  
मोहर।

प्रॅलॅप श्राई०टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 मार्च 1975

निर्देश सं० अर्जन/227/कानपुर/74-75/3109—यतः मुझे,  
वाई० खोखर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 23 है तथा जो आनन्दपुरी 133/60 जुटी कानपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 अगस्त 1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के व्याप्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री स्वदेशी काठन मिल्स कम्पनी लिमिटेड, कानपुर (अन्तरक)

2. श्री महावीर प्रसाद डालमिया, पुत्र श्री वृजलाल डालमिया, निं० 26/52, विरहाना रोड, कानपुर। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आनन्दपुरी 133/60 जुही कानपुर में स्थित एक प्लाट जिसका नं० 23 है तथा क्षेत्रफल 866' 66 वर्ग गज है इसका हस्तान्तरण रु० 51,999/60 में किया गया है।

वाई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 19 मार्च 1975।

मोहर :

प्रसूप प्राई० टी० एन० इस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 मार्च 1975

निर्देश सं० अर्जन/228/कानपुर/74-75/3110—यतः,  
मुझे, वाई० खोखर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 29 है तथा जो आनन्दपुर  
133/60 जुही कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 16 अगस्त 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या उनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः:—

1. स्वदेशी काटन मिल्स कम्पनी, लिमिटेड, जुही  
कानपुर। (अन्तरक)

2. श्री कृष्ण लाल केडिया पुल श्री स्वर्गीय श्री आर०  
एल० केडिया, निं० बी० 1, स्वदेशी काटन मिल्स बंगला  
जुही कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

आनन्दपुरी 133/66, जुही कानपुर मे स्थित प्लाट नं०  
29 जिसका क्षेत्रफल 866' 66 वर्ग गज है इसका हस्तान्तरण  
रु० 51,999/60 पैसा में किया गया है।

वाई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, कानपुर।

दिनांक 19 मार्च 1975।

मोहर :

## प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर  
कानपुर, दिनांक 18 मार्च 1975

निर्देश सं० अर्जन/164/कानपुर/3111/74-75—अतः  
मुझे, वाई० खोखर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 120/572 है तथा जो नारायणपुरवा कानपुर में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सेवर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1/8/1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपचारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कमल किशोर सेठ पुनर श्री दुर्गा प्रसाद सेठ 124/131,  
बोधिन्द नगर कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मेहर चन्द कौर पत्नी श्री पूरनचन्द, श्रीमती जनक  
दुलारी पत्नी श्री श्रवणलाल, श्रीमती शकुन्तला रानी पत्नी श्री  
सत्य प्रकाश सभी निवासी 118/198, कौशलपुरी कानपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जिसका नं० 120/572 जो नारायण पुरवा  
कानपुर में स्थित है। इसका हस्तान्तरण रु० 1,00,000/- में  
किया गया है।

वाई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,  
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 18-3-1975

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 मार्च 1975

निर्देश नं० 134/अर्जन/गाजियाबाद/3115/74-75—अतः  
मुझे, वाई० खोखर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 115 है तथा जो मौह० वालूपुरा रमतेराम रोड, गाजियाबाद जिं० मेरठ मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-8-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित भूंहों किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामचन्द्र पुत्र श्री रेमलदास और श्री धनश्याम दास पुत्र श्री वासनराम निवासीगण मौ० प्रेमपुरी गाजियाबाद

श्री पुजारी लाल पुत्र श्री पुम्पुराम नि० मौ० मसरात पुरा गाजियाबाद जिं० मेरठ

(अन्तरक)

2. श्री वरुण कुमार श्री राकेश कुमार पुत्रगण लाला रघुवन्श कुमार व श्रीमती प्रतिभारानी पत्नी श्री अरुण कुमार नि० 138 ता 140 राइट गंज, गाजियाबाद, जिं० मेरठ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

एक मंजिला अहाता जिसका नगरपालिका नं० 115 जो मौहल्ला वालूपुरा रमतेराम रोड गाजियाबाद जिं० मेरठ, मैससे गैलाराम ताराचन्द रमतेराम रोड गाजियाबाद जिसका क्षेत्रफल 510 वर्ग गज लगभग, जिसका हस्तान्तरण 95,000 रु० मे किया गया है।

वाई० खोखर

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 21-3-1975

मोहर :

प्रृष्ठ आई० टी० एन० एस० ---

2. श्रीमती शफिउन्नीसा पती यम-ये-गफार नं० 14-1-365  
आगापूरा हैदराबाद

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

हैदराबाद, दिनांक 24 मार्च 1975

सं० आर० ए० सी० 136/74-75—यतः मुझे, के० एस०  
वेक्टरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० 14-1-365 आगापूरा है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्रुत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती है, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सैयद अमानुल हुसेनी पिता सैयद नयामनुला हुसेनी नं० 14-1-365 आगापूरा हैदराबाद

(अन्तरक)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ती : घर सी० उय० नं० 452/स्पेशल-ये यम सियम नं० 14-1-365 आगापूरा के पास हैदराबाद विस्ती नं० 423.54 वर्ग गज।

के० एस० वेक्टरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, हैदराबाद।

दिनांक : 24-3-1975

मोहर :

प्रलेप प्राईंटी० एन० एस०———

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 24 मार्च 1975

सं० आर० ए० सी० 135/74-75—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-—रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1-11-254/1 बेगम्पेट है, जो सिकन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री अडगटला जनार्धन राव

(2) श्री ए० रवीन्द्रन

(3) श्री ए० देवानन्द

(4) श्री ए० आनन्द नं० 37, कृष्णा नगर कालोनी प्रेन्डर घास्ट रोड सिकन्द्राबाद

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती एस० के० शान्तामनी, 122, जीरा सिकन्द्राबाद

(2) मेसर्स वी० वी० रामन म्यानेजिंग पार्टनर श्री वी० वी० रामन द्वारा, 117, हैदराबास्ती, सिकन्द्राबाद

(3) श्री वी० वी० रामन

(4) श्रीमती वी० सावित्री पत्नी वी० सुन्दरम्

(5) श्रीमती वी० सरस्वती पत्नी जे० लक्ष्मी नरसिंहन, मेसर्स वी० वी० रामन एण्ड कम्पनी नं० 117, हैदर बस्ती, सिकन्द्राबाद

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(अन्तरिती)

3. (1) मेसर्स एसोसिएटेड सिमेंट कम्पनीज लिमिटेड सिकन्द्राबाद

(2) मेसर्स मेचिलाएंड बारी लिमिटेड, सिकन्द्राबाद को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दुः मंजिला का पूरा मकान तीन गारेजों के साथ जो प्लाट नं० 35 पर बांधा हुआ है जिसका क्षेत्रफल 837 वर्ग गज नं० 1-11-254/1 जो शानिनिवास, किलोसकर कालनी (मोतीलाल नगर) बेगम्पेट, सिकन्द्राबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

विनांक : 24-3-1975

मोहर :

प्रारूप आई०टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च, 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-1-456(157)/1-1/74-75  
—यतः मुझे जै० कथूरिया

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सबै नं० 2-2 हिस्सा नं० 1 है, तथा जो वाड़, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-8-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये सुकर बनाना भीरया
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अग्न आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कमाभाई कानाभाई भरवाड़ गाँव : ग्यासपुर, तालुका अहमदाबाद  
(अन्तरक)

2. श्री केसरकुंज को-आपरेटिव हाउसीग सोसायटी के ओर्गेनाइज़ेर :—

(1) श्री ज्यांतिलाल मोतीलाल ठाकर, शीव शंकर सोसायटी, नारणपुरा, अहमदाबाद

(2) श्री भंवरलाल जमनालाल शाह, कालीका माता की बाई, दिल्ली दरवाजा के बाहर, अहमदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख म 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्तिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1115 वर्ग गज है और जो दो दस्तावेज नं० 9041 तथा 9186 द्वारा अन्तरित की गयी है जिसका पूर्ण विवरण निम्नलिखित है :—

दस्तावेज नं० 9041—सबै नं० 2-2, हिस्सा नं० 1, (एरीया-557. 50 वर्ग गज) और जो वाड़, अहमदाबाद में स्थित है।

दस्तावेज नं० 9086—सबै नं० 2-2, हिस्सा नं० 1 (एरीया-557. 50 वर्ग गज) और जो वाड़, अहमदाबाद में स्थित है।

जै० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद।

दिनांक : 24-3-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च, 1975

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-1-457 (158) / 1-1/74-  
75—यतः मुझे जै० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सबैनं० 2-2, हिस्सा नं० 1 और 2, है, तथा जो बाड़ी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-8-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये सुकर बनना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपल्लासा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भगाभाई करसनभाई भर वाड, गाँव ग्यासपुर, तालुका अहमदाबाद  
(अन्तरक)

2. श्री केसरकुंज को-आपरेटिव हाउसींग सोसायटी के ओर्गेनाइज़ेर :—

(1) श्री जयंतिलाल मोतीलाल ठाकर, शीवं शंकर सोसायटी नारणपुरा, अहमदाबाद

(2) श्री भवरलाल जमनालाल शाह, कालीका माता की बाड़ी, दिल्ली दरवाजा के बाहर, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1115-5 वर्ग गज है, और जो दो दस्तावेज नं० 9042, 9182 द्वारा अन्तरित की गयी है और जिसका पूर्ण विवरण निम्नलिखित है :—

दस्तावेज नं० 9042 :—सर्वे नं० 2-2, हिस्सा नं० 2, (एरिया 558 वर्ग गज) और जो बाड़ी, अहमदाबाद में स्थित है।

दस्तावेज नं० 9182 :—सर्वे नं० 2-2, हिस्सा नं० 1, (एरिया 557.5 वर्ग गज) और जो बाड़ी, अहमदाबाद में स्थित है।

जै० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रोज-1, अहमदाबाद।

विनांक : 24-3-1975

मोहर :

## प्रारूप आईटी०एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

बारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 25 मार्च, 1975

सं० आर० ए० सी० 13०/७४-७५—यतः मुझे, के० एस०  
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की बारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और और जिसकी सं० 1-2-410/1/4 गणनमहल है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

30-८-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की बारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की बारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः :—

1. श्रीमती जनक लाल पुन्नी कस्तूरीलाल रामनारायन  
5, गिर्डनी पार्क, पूना

(अन्तरक)

2. श्री मैसस खन्दारी कार्पोरेशन, 5-3-831 गोषामहल  
रोड, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताशीरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**प्लाटनं० 3, घरनं० 1-2-410/1/4 गणन महल को शापरेटीव  
फ्लॉपमेट सोसायटी हैदराबाद

उत्तर :—30 फीट का रोड

दक्षिण :—घर नं० 1-2-410/ए०, और लाट

पूरब :—श्रीमती मेथिली कृष्णस्वामी की घर

पश्चिम :—डाकटर लीला की घर

के० एस० वेकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैदराबाद।

दिनांक : 25-3-1975

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 मार्च 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 134/74-75—  
यतः; मुझे, को० एस० वैकटरामन आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 17/272 है जो ट्रक रोड में  
स्थित है (और इससे उपारबूथ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नेलूर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 5 अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा  
के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना  
था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के  
अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बुडम गुन्टा सुब्रमन्यम पिता अनजनेयल ट्रन्क रोड,  
नेलूर

(अन्तरक)

2. श्री दुर्गसेठी वैकटामलयाद्री अवयसक पालक माता  
श्रीमती लशमीकानतम्मा पती मालकी कीन्डप्पा कावली नेलूर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

**सम्पत्ति :**—वार्ड नं० 17 डोर नं० 272 ट्रक रोड के पास  
वी० आर० कालेट के पास नेलूर।

को० एस० वैकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 24-3-1975।

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

**269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 मार्च 1975

सं० आर० ए० सी० 137/74-75—यतः मुझे, को० ए० स०  
वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० 17-1-197 संदर्भाबाद है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

12—66GI/75

1. श्री मोहमद हमदुला पिता स्वर्गीय हबिबुला नूरका बजार के पास दिनांक जग बताली हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. गजेला गैलापा पति श्पीगग रेडी वेट्टरावल गुडा तालुक ईम्ट हैदराबाद जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

**सम्पत्ति:**—स्थानिकिल नं० 17-1-197 सौदाबाद (इंदिरा सेवा सदन) हैदराबाद विस्ती नं० 1920 वर्ग गज।

को० ए० स० वेकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक: 24-3-75

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज-II, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 25 मार्च 1975

सं० आर० ए० सी० 141/74-75—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह कि बास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5-4-17 मुरलीधरबाग है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1975 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में लिए सुविधा के लिए;

अतः यब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

1. (1) सव्यद शाह रहीम खादरी
- (2) वजीर बेगम
- (3) हुसेनी बेगम
- (4) शहीद बेगम
- (5) परवरीशुम्मिसा बेगम

फरमन वाडी मुरलीधरबाग हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमती शुक्रंतमाबाई पत्नी गम अवतार 21-7-868, गांधी बाजार, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहृस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1914 (नया नं० 5-4-17) का पुराना घर का भाग जो फरमन वाडी, मुरलीधर बाग, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
श्रजन रेज, हैदराबाद।

दिनांक : 25-3-1975।

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 25 मार्च, 1975

सं० आर० प० सी० 142/74-75—यतः मुझे, के० एस०  
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी सं० 5-4-18 मुरलीधरबाग है, जो हैदराबाद में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
23-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण बिलेट के अनुसार अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तथ याप्त गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति:—

1. (1) श्री सत्यद शाह रमेश खादरी,  
(2) श्रीमती बजीरा बेगम  
(3) „, हुसेनी बेगम  
(4) „, शहीदा बेगम  
(5) „, फखरीशुश्रीसा बेगम फरमन बाबू

मुरलीधरबाग हैदराबाद  
(अन्तरक)

2. (1) गनेश पश्चति  
(2) जगदीश परशाद  
(3) महाबीर परशाद, देवड़ी माम जमीला हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अन्तरक में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

घरनं० 5-4-18 फरमन बवाडी मुरलीधरबाग हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक 25-3-1975 |  
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर (प्रायुक्त) निरीक्षण

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 25 मार्च 1975

स० आर० ए० मी० 140/74-75—यतः मुझे, के० एस० वेकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे न० 187 कुतुबुल्लापुर है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में घैर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

22-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये क्या पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रत : यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. मैसर्स ऐन्जोसीन इंजीनीयर्स प्राइवेट लिमिटेड, मैनेजिंग डायरेक्टर, जे० जे० भागीया द्वारा, रोड नं० 14, बजार हिल्स, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. मैसर्स हिन्दुस्तान मोनारक प्राइवेट लिमिटेड डायरेक्टर ए०स० सी० जैन द्वारा ए०-२, हन्डम्सीयल स्टेट, सनत नगर, हैदराबाद-18

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

लब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

सर्वे न० 187, कुतुबुल्लापुर मोजे, मेड्चल तालूका हैदराबाद, थेलफल 7 एकर्स 18 गुंटास।

के० एस० वेकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
राहगव आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, हैदराबाद।

दिनांक : 25-3-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अप्रैल, 1975

निर्देशनं ० ग० एस० आर०/ग० पी०-१/ग० बी० आर०/७५-७६  
—यतः मुझे बी० आर० गागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० धरनी है तथा जो तिव्वी साहब रोड मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तररक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजेन्द्र कुमार सपुत्र श्री बुद्ध राम सपुत्र श्री जय दयाल मुक्तसर

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुनीता अहजा पत्नी श्री पाणीकान्त अहजा हिस्मेदार मैसर्ज मुलख राज मदन मोहन मुक्तसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना किसी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1843 अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी मुक्तसर में लिखा है।

बी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर।

दिनांक : 10-4-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अप्रैल, 1975

निर्देश नं० ए० एस० आर०/ए० पी०-२/७५-७६—यतः  
मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 कोठी है तथा जो मजीठा रोड, अमृतसर में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त,  
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपषारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः:—

1. श्री गुरमीत कौर पत्नी गुरदियाल सिंह 30, सरकुलर रोड,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री प्रीमिला प्राभाकर पत्नी श्री सुदेश कुमार ई० आर०  
211 पक्का बाग, जालन्धर शहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

1/2 कोठी गोबिन्द सिंह नगर कलोनी में तुंगनाला सवारबन,  
मजीठा रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकॉर्ट विलेख नं० 5576  
अगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में  
लिखा है।

वी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज अमृतसर।

दिनांक : 10-4-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अप्रैल 1975

निर्देश नं० ए० एस० आर०/ए० वी०-३/७५-७६—यतः  
मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 कोठी जो तुनाबाला है तथा जो अमृतसर (मजीठा रोड) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर (तहसील) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गुरमीत कीर पत्नी गुरदयाल सिंह 30 सरकुलर रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रोमिला प्रभाकर पत्नी थी सुदेश कुमार ई० आर० 211, पक्का बाग जालन्धर शहर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उतद्दारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग कोठी गोविन्द सिंह नगर कालोनी तुनाबाला मजीठा रोड में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5705 महीना अगस्त को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर  
दिनांक : 10-4-1975  
मोहर :

प्राप्त शाई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अप्रैल 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/ए० पी०-४/७५-७६—यतः  
मुझे वी० आर सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
धीरा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट नं० 43 है तथा जो आर० वी० प्रकाशनन्द  
रोड, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना  
वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नरीन्द्र चन्द मेहरा पुत्र श्री लाभ चन्द मेहरा माल रोड,  
अमृतसर द्वारा श्री ललित चन्द मेहरा ग्रामाननी

(अन्तरक)

2. श्री वनवारी नाल पुत्र श्रीरी नाल कटडा अहलवालीया,  
ग्रामूतसर

3. जैसा कि नं० 2 पर है  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेन के लिए  
कार्यालयीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
में 45 दिन की अवधि या न्यायालयी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 43 आर० वी० प्रकाश नन्द रोड, अमृतसर जैसा  
कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1864 अगस्त 1974 रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण),

अर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक : 10-4-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अप्रैल, 1975

निर्देश नं० ए०एस० आर०/२ आर० ए०/ ए० पी०-५/७५-७६  
—यह: मुझे, भी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मूल्य 30 जमीन है तथा जो गांव धर्म सिंह बाला में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जोरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—66GI/75

1. श्री मेवा सिंह पुत्र श्री प्रछर सिंह पुत्र श्री गुलाब सिंह निवासी धर्म मिह बाला

(अन्तरक)

2. श्री मनकील मिह, दलजीत सिंह पुत्र अबतार मिह पुत्र नथा सिंहा निवासी लन्डे का तहसील मोगा

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में लूची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोस्तुक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिंग शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्तुक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकूल विलेख नं 2895 अगस्त, 1974 का रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जीरा में लिखा है।

वी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 10-4-75

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अप्रैल, 1975

निर्देश नं० ए० एस० आर०/एम० एल० टी०/ए० पी०-६/  
७५-७६—यतः मुझे वी० आर० सगर  
आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो पश्ची वाला फटा में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री बलबन सिंह पुत्र गुलजार सिंह पुत्र हीरा सिंह निवासी गांव दौलत पुरा तहसील और जिला श्री गंगा नगर  
(अन्तरक)

2. श्री जसवीन्द्र सिंह सुखजीत सिंह, गुरजीत सिंह पुत्रगण करम सिंह पपीन्द्र सिंह पुत्रगण गुरमिन्द्र सिंह पुत्र करम सिंह निवासी गाव पश्चीवाला फटा तहसील मुक्तसर  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1575 अगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट में लिखा है।

श्री० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 10-4-1975 ।

मोहर :

प्रख्य आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० ए एस आर०/एम एल टी०/ए०पी०-७/७५-७६--  
यतः मुझे, चौ० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी  
सं० धरती है तथा जो पश्चिमाला फटा में स्थित है (और इससे  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, मलोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित  
में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-थ को  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दारा सिंह पुत्र हीरा सिंह पुत्र भोला सिंह गांव दौलत-  
पुरा तहसील और जिला श्री गंगा नगर

(अन्तरक)

2. श्री जसवीन्दर सिंह सुखजीत गुरमीत सिंह पुत्रान करम  
सिंह पुत्र नथा सिंह रवीन्द्र सिंह पुरिन्द्र सिंह पुत्रान गुरमीन्द्र  
सिंह पुत्र करम सिंह निवासी गांव पश्चीमाला फत्य तहसील मुक्तसर  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्बन्ध में कोई भी आशेष —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्यापरिभावित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1573 अगस्त, 1974  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट में लिखा है।

(चौ० आर० सगर,)

सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर।

दिनांक : 10-4-1975 ।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एग०-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अप्रैल 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर० एम० एल० टी० /ए०  
पी०-४/७५-७६—यतः मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी स० धरती है तथा जो पन्नीवाला फटा में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
प्राधिकारी के कार्यालय, मलोठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम,  
'उक्त अधिनियम' या धनन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अंतः : श्रेष्ठ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री जरनैल मिह पुत्र दूला सिह पुत्र बेहला सिह गांव  
दौलत पुरा तहसील और जिला श्री गगानगर

(अन्तरक)

2 श्री जसवीन्दर सिह सुखजीत सिह गुरमीत सिह पुवान  
श्री करम सिह पुत्र नथा सिह, रनपीन्दर सिह, पणीन्दर सिह पुवान  
गुपीन्दर सिह पुत्र करम सिह निवासी पन्नी वाला फटा तहसील  
मुक्तसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके आधिमोग में सम्पत्ति है)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीक्षित व्यक्ति जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंशंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
'अधिनियम', के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ द्वारा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख न० 157 अगस्त, 1974  
को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी मलोठ में निखा है।

वी० आर० सगर,

(सक्षम प्राधिकारी),

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, अमृतसर।

दिनांक 10-4-1975।

मोहर।

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10-4-75

निर्देशनं० अमृतसर ए० एस० आर०/पी एच जी ए पी-७५-७६—यतः मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो खलवाड़ा रोड़ फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मनोहर लाल सपुत्र सन्त लाल मार्फत कलकत्ता मैट्रिङ हाऊस लोहा मण्डी रोड़ फगवाड़ा (अन्तरक)
- (2) श्री देव मिह, हरवन्स मिह सपुत्रान साधु सिह सपुत्र दमौन्धा सिह वामी गांव मानिक तह० फगवाड़ा (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप.—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की जो 'उक्त अधिनियम', वे अध्याय 20-क में यथापरिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत यिलेख नं० 1095 अगस्त, 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

वी० आर० सगर  
सक्षम अधिकारी,  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 10-4-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई० ए० सि० अर्जन रेज-IV,

कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19-4-75

निर्देश सं० ए० सि० 213 / आर०-IV/कल० / 75-76—  
अतः मुझे, एस० बट्टाचार्य  
आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5 है तथा जो कीं स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायदधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा—

- (1) श्री सरजित मित्र और रनजित मित्र (अन्तरक)  
(2) श्रीमती बिमला देवी पोदवार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अविभाजित हिस्सा प्रमिसेस सं० 8 कीं स्ट्रीट, कलकत्ता 10 कट्टा 6 छटांक 3 स्कीयर किट जमीन और मकान।

(एस० बट्टाचार्य)  
सक्षम अधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता,  
54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता - 16

तारीख : 19-4-75।  
मोहर :

प्रूप आई० टी० एम० एस० —  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
आई० ए० सि० अर्जन रेंज-IV

कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 अप्रैल 1975

निदेश सं० ए० सि० 214/आर-IV/कल० / 75-76—  
यतः मुझे, एस० भट्टाचार्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 8 है तथा जो कनी स्ट्रीट, कल० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपषाया (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शान्तिलता मिश्र	(अन्तरक)
(2) श्रीमती विमला देवी पोद्दार	(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अविभाजित हिस्सा, 1/8 करों स्ट्रीट कलकत्ता, 10 क० 6 छ० 3 स्क० ३ फिट जमीन और मकान।

(एस० भट्टाचार्या),  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-IV,  
54, रफी अहमद किल्डर रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 19-4-75।

मोहर :

प्रलम्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 21 अप्रैल 1975

निर्देश सं० सी० ए० ५ / अगस्त/74 / हवेली-II  
पूना / 192/75-76—यतः मुझे, एस० पी० कृष्णमूर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सि० क्र० 613-ब है तथा जो नाना पेठ, पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II (पूना) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) (i) श्री सरदार सोरबजी रत्नजी पटेल ट्रस्ट फंड मैंने जिग ट्रस्टी संदार दस्तूर होरम झडायर नोशेखान दस्तूर 613 नाना पेठ, पूना 2

(ii) श्री जयंतीलाल वापुलाल शहा आय पलेट नं० 180, आदीनाथ सोसायटी, सरदार रोड, पूना-9 (अन्तरक)

(2) श्री कमलेश को-प्रॉपरेटिव हाउसिंग सोसायटी चेअरमैन श्री सुभाष चन्द्र दिनानाथ सलहोद्दा 613-ब नाना पेठ, पूना-2 (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में व्यापरिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड-खुली जगह सि० स० क्र० 613-ब, नाना पेठ, पूना-क्र० 2 क्षेत्रफल-6908.2 वर्गफीट।

(एस० पी० कृष्णमूर्ती),  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना ।

तारीख : 21-4-1975

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एस० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई० एस० सि० रेंज II कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक 16-4-75

निर्देश सं० ए० सि० 1/ आर०-II / कल०/ / 75-76  
अतः मुझे, एस० एस० इमामबार आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० 23 ए/753 है तथा जो उद्यमष्ठ ड्राइवर रोड, कलकत्ता-53 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार अलिपुर सदर 24-परगनास में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव्युत्ति से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों, को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-व की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

14—66GI 75

(1) गंगादीन साउ पिता मन-सिउ प्रसाद साउ 31, संस आर० दास रोड, कल०-26 (अन्तरक)

(1) श्री महाराज कृष्णन चावरा, सन अब श्री बिहारी लाल चावरा (2) श्रीमती शान्ति देवी, स्वामी महाराज कृष्णन चावरा, दानो -154, कुल वर्गाव रोड, पि० एस० भवानीपुर, कल०-26 मे रहते हैं ।

(3) वस्तुष्क (वह व्यक्ति, अधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन दद किसी व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

फैल्ट नं० 753, वर्ल्क "पि०" निउ अलिपुर . मिउनिसिपाल प्रेमिसेस नं० 23 ए० / 753 उद्यमथु हारवार रोड पि० एस० निउ अलिपुर कलकत्ता - 53 कि पश्चिम तरफ चिन्हित 4.03 कट्टा जमिन है ।

(एस० एस० इमामबार)  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, II  
54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 16-4-75 ।

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 23 अप्रैल, 75

निवेश सं० सि० आर० 62 / 2884 / 74-75—

यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 2 ए—2बी है, जो क्रेसेन्ट रोड, हाई ग्राउन्ड्स, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाढ़ी नगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 2323/74-75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाइत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या घन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

1. श्री हेच० वेन्कटस्वामप्पा 160, कब्बनपेट मेन रोड, बैंगलूर-2 (अन्तरक)
2. होटल, बैंगलूर इन्टरनैशनल प्राइवेट लिमिटेड, 2 ए, 2 बी, क्रेसेन्ट रोड हाई ग्राउन्ड्स बैंगलूर-मनेजिना डायरेक्टर अमर कुल्ला द्वारा (अन्तरिती)
3. (1) होटल ब्रिन्दावन, 2 ए/2 बी, क्रेसेन्ट रोड, हाई ग्राउन्ड्स, बैंगलूर
  - (2) होटल, बैंगलूर इन्टरनैशनल प्राइवेट लिमिटेड 2 ए, 2 बी, क्रेसेन्ट रोड, बैंगलूर-1 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कर्नाटक स्टेट फार्मेशियल कारपोरेशन, बैंगलूर, (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थावरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 2 ए, 2 बी, क्रेसेन्ट रोड, हाई ग्राउन्ड्स बैंगलूर सिटी।

सीधा :—

उत्तर: क्रेसेन्ट रोड

दक्षिण : बूसरों की सम्पत्ति

पूर्व: खुली जगह बूसरों की

पश्चिम : बूसरों का कारनर प्लाट

उत्तर-दक्षिण- 108' 6" पूर्व की ओर

149' 6" पश्चिम की ओर

पूर्व पश्चिम 107' उत्तर की ओर 186' 6" दक्षिण की ओर

दस्तावेज नं० 2323/74-75 ता० 26-8-74।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, बैंगलूर।

तारीख : 23-4-1975।

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 फरवरी 1975

निदेश सं० 1343/74-75—यतः, मुझे ए० रामबेन्द्र राव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० प्लाट सं० 1 सी, आर० एस० सं० 1553/1, मुरेस घेट रोड, तेनाम्पेट, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाख्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 सितम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुट्टी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपशारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) एम० तिरुनात्तकरसु मद्रास (अन्तरक)

(2) कुमारी लता सेतुपति मद्रास-28 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-18, तेनाम्पेट, मुरेस घेट रोड, प्लाट सं० एफै-सी में  
दो ग्राउण्ड और 2371 स्क्युयर फीट का खाली भूमि (जिसका  
आर० एस० सं० 1553/1) है

ए० रामबेन्द्र राव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास,

तारीख 26-2-75

मोहर :

## SUPREME COURT OF INDIA

(ADMN. BRANCH I)

New Delhi, the 31st March 1975

No. F. 6/75-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri R. Subba Rao, Assistant Registrar as officiating Deputy Registrar with effect from 1st April, 1975, until further orders.

The Hon'ble the Chief Justice of India has also been pleased to appoint Shri A.S.V. Raghavan, Court Master, as officiating Assistant Registrar with effect from 1st April, 1975, until further orders vice Shri R. Subba Rao, Assistant Registrar.

The 8th April 1975

Subject :—Summer Vacation—1975

No. F. 44/75-SCA(G).—In pursuance of Rule 4 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amended) the Hon'ble Chief Justice of India has been pleased to direct that the Supreme Court will be closed for the Annual Summer Vacation from Monday, the 5th May, 1975 to Sunday, the 13th July, 1975 (both days inclusive) and will re-open on Monday, the 14th July 1975.

Under Rule 6, of Order II of the aforesaid Rules, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint the Hon'ble Mr. Justice P. N. Bhagwati and the Hon'ble Mr. Justice V. R. Krishna Iyer to be Vacation Judges to hear matters of an urgent nature, which under the above rules may be heard by a Judge sitting singly, during the periods shown against their names below :—

The Hon'ble Mr. Justice P. N. Bhagwati from 5th May to 8th June 1975 (both days inclusive).

The Hon'ble Mr. Justice V. R. Krishna Iyer from 9th June to 13th July, 1975 (both days inclusive).

The Hon'ble Mr. Justice P. N. Bhagwati will sit in the Court on Tuesdays, the 20th May and 3rd June 1975 and the Hon'ble Mr. Justice V. R. Krishna Iyer on Tuesdays the 17th June and 1st July 1975. Sittings will, however, continue on the next succeeding day(s) if matters fixed for any day are not finished on that day.

During Summer Vacation the Offices of the Court will remain open daily from 10.00 A.M. to 4.30 P.M. except on Saturdays, holidays and Sundays. The Offices of the Court will, however, remain open on Saturday, the 12th July, 1975 from 10.30 A.M. to 1.30 P.M.

No. plaints, appeals, petitions or other documents except those which are of an urgent nature will be filed or received in the Registry of the Court during the above period of vacation. For the convenience of the parties, however, the Registry will receive all plaints, appeals, petitions and other documents from 7th July 1975 onwards during office hours.

S. K. GUPTA,  
Registrar (Admn.)  
Supreme Court of India

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 17th March 1975

No. A. 32013/1/75-Admn.I.—Shri R. R. Ahir, a permanent officer of the Section Officers' Cadre of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the service, vide this office Notification No. A.3203/I/75-Admn. I dated 24th January, 1975 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 28th February, 1975.

2. On his reversion, Shri R. R. Ahir, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 28th February, 1975.

The 29th March 1975

No. A. 32013/1/75-Admn.I.—Shri A. N. Sinha, an officer of the Indian Revenue Service working as Under Secretary in the Union Public Service Commission is appointed to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission from 1-3-1975 until further orders.

The 31st March 1975

No. A.35017/1/73-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission Notification No. A. 35017/1/71-Admn II dated 24-3-1972, Shri A. K. Munshi S.A.S. Accountant of the Office of the A.G.C.R., is appointed to officiate, on deputation basis, as Accounts Officer—a gazetted Class II post in General Central Service in the Office of the Union Public Service Commission for a further period of one year with effect from 13-3-1975 or until further orders, whichever is earlier.

The 15th April 1975

No. P/282-Admn.I.—On his appointment as Internal Financial Advisor (Deputy Secretary) in the Department of Cabinet Affairs, Shri R. K. G. Rau, a permanent officer of Grade I of the CSS and officiating as Deputy Secretary in the Union Public Service Commission has been relieved of his duties with effect from the afternoon of 15th April, 1975.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secretary,  
Union Public Service Commission

New Delhi, the 4th April 1975

No. A. 12019/5/74-Admn.II.—In continuation of the Union Public Service Commission's Notification of even number dated 15-2-1975, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to continue to officiate on an *ad-hoc* basis, as Junior Analyst in the Commission's office for a further period of 3 months with effect from 1-3-1975 to 31-5-1975, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

Shri Chhabra will continue to be on deputation to an *ex-cadre* post of Junior Analyst and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F. 10(24)-E.III dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

No. P/1837-Admn.I.—Dr. V. S. Misra, formerly Reader, Education Department, Allahabad University has been appointed as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from 15-3-75 to 31-5-75 (both days inclusive).

No P/1765-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even number dated 22-8-74, Shri K. N. Vohra, an officiating Section Officer of the office of the Director General of Posts and Telegraphs, New Delhi has been allowed to continue to officiate as Research Officer, on deputation basis, in the office of the Union Public Service Commission for a further period from 1-3-75 to 31-12-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. P/1763-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission's Notification of even number dated 16-8-74, Shri C. B. Mathur, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Ministry of Works, Housing and Urban Development has been allowed to continue to officiate as

Research Officer on deputation basis, in the office of the Union Public Service Commission for a period from 1-3-75 to 31-12-75 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secretary,  
for Chairman,  
Union Public Service Commission

New Delhi-11011, the 19th March 1975

No. A. 32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. R. Ahir, a Permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for the period from 3-3-75 to 27-3-75 or until further orders, whichever is earlier.

The 1st April 1975

No. A. 12025(ii)/2/74-Admn.III.—In pursuance of the Cabinet Secretariat (Department of Personnel & A.R.) O.M. No. 65/17/74-CS(II) dated 2-11-1974, read with the Department's O.M. No. 5/11/74-CS(II) Vol. III dated 13-2-1975, the President is pleased to appoint Shri P. Lalchand Navani, an Assistant of the C.S.S. cadre of Ministry of Finance nominated for inclusion in the Select List of the Section Officers' Grade for the year 1974 from the 'Length of Service' Category, to officiate in the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 1st March, 1975 until further orders.

No. A.32014/2/75-Adm.III.—The President is pleased to appoint, under proviso to rule 10 of the C.S.S. Rules, 1962, Shri M. A. Ganapathy Ram, a permanent Officer of the selection grade of the Central Secretariat Stenographers' Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission for a period of one year from 1st March, 1975 or until further, orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secretary,  
(Incharge of Administration),  
Union Public Service Commission

#### CABINET SECRETARIAT

#### DEPTT. OF PERSONNEL & ADM. REFORMS

New Delhi-1, the 4th April 1975

No. A/22013/2/75-AD.V.—The Director, C.B.I. and I.C.P., S.P.E. hereby appoints the following Inspectors of Police/CBI as Deputy Superintendents of Police in the CBI/SPE with effect from the date given below against each officer until further order :—

#### Sl No., Name, Date of Promotion

1. Shri G. D. Mahanta—19-3-75 (F.N.)
2. Shri M. Thiagarajan—17-3-75 (F.N.)
3. Shri D. M. Rao—19-3-75 (F.N.)

The 7th April 1975

No. A-19021/4/75-AD.V.—The President is pleased to appoint, on deputation Shri R. K. Gupta, I.P.S. (1969 Tamil Nadu) as Superintendent of Police in the C.B.I./S.P.E. with effect from the afternoon of 15th March, 1975, until further orders.

The 8th April

No. A-19020/2/75-AD.V.—The President is pleased to appoint the following I.P.S. officers on deputation to CBI/SPE to officiate as Deputy Inspector General of Police, C.B.I.,

S.P.E. in a temporary capacity with effect from the afternoon of 1-4-75 until further orders :—

1. Shri V. Pandeya, IPS (Bihar 1957).
2. Shri V. Rajpal, IPS (Madhya Pradesh 1957)

The 11th April 1975

No. M-4/72-AD.V.—The services of Shri M. H. Khan Dy. S.P. C.B.I./Ranchi are placed back at the disposal of Bihar State Police w.e.f. 31-3-75 (A/N).

Shri M. H. Khan relinquished charge of his office of Dy. Superintendent of Police in the office of the SP/CBI/Ranchi on 31-3-75 (A/N).

#### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

The 14th April 1975

F. No. 4/19/74-AD.V.—The Director, C.B.I. and Inspector General of Police, SPE hereby appoints Shri Rai Mohinder Singh Brar as Dy. S.P. in the CBI/SPE New Delhi with effect from 28-2-75 F.N. in a temporary capacity until further orders.

The 15th April 1975

No. A/22013/2/75-AD.V.—The Director, C.B.I. and I.G.P./S.P.E. hereby appoints Shri R. D. Pandey, Inspector of Police, C.B.I. S.I.U., New Delhi as Deputy Supdt. of Police in the CBI/SPE with effect from 29-3-1975 (FN) until further orders.

C. L. AGARWAL,  
Administrative Officer(E),  
C.B.I.

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 21st March 1975

No. 2/20/74-Admn.—Consequent on his selection for appointment as Commissioner (Industrial Cooperatives) in the Department of Industrial Development, Shri A. K. Ray, I.A.S. (Orissa 1956) Commissioner for Departmental Enquiries, Central Vigilance Commission, relinquished charge of the post with effect from the afternoon of 17th March, 1975.

B. V. DIGHE,  
Under Secretary (Admn.)

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 31st March 1975

No. O.II-959/74-Estt (CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Vundru Gangadhara Rao as Junior Medical Officer in the CRP Force, on an ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 19th September 1974.

2. Dr. V. Gangadhara Rao, was posted to 2nd Base Hospital, C.R.P.F., Avadi (now shifted to Hyderabad).

The 4th April 1975

No. O.II-1001/75-Estt (CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Pratap Kumar Pradhan as J.M.O. in the CRP Force, on an ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 13th February 1975.

2. Dr. P. K. Pradhan is posted to Group Centre, C.R.P.F., Poona.

The 5th April 1975

No. O.II-988/75-Estt. (CRPF).—The Director General CRP Force is pleased to appoint Dr. Tareque Ahmed

as J.M.O. in the CRP Force, on an ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the afternoon of 28th February 1975.

2. Dr. Tareque Ahamed is posted to Group Centre, C.R.P.F., Trivandrum.

No. O.II-999/75-Estt(CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Narayan Mishra as J.M.O. in the CRP Force, on an ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 14th February 1975.

2. Dr. Narayan Mishra is posted to Base Hospital, C.R.P.F., New Delhi.

The 10th April 1975

No. O.II-990/74-Estt.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. Surendra M. N. relinquished charge of the post of JMO 23rd Bn CRPF on the forenoon of 17th March, 1975.

S. N. MATHUR,  
Assistant Director (Adm.)

**OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-110003, the 20th March 1975

No. E-16014(1)/2/74-Ad.I.—On transfer from Bihar State Police, Shri Arun Chandra Roy, assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force, International Air Port, Calcutta with effect from the forenoon of 17th February, 1975 vice Shri A. B. Chaudhuri, who on repatriation to his parent State (West Bengal) handed over the charge of the above mentioned post with effect from the forenoon of the same date viz. 17-2-75.

No. E-32015(1)/10/73-Ad.I.—Lt. Col. H. S. Bedi Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Fertilizer Corporation of India Limited, Nangal, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 20th March, 1975, since he is due to complete his present terms of re-employment in the Central Industrial Security Force on the afternoon of 2nd April, 1975 and granted 14 days Earned leave with effect from 20th March, 1975 to 2nd April, 1975 (Afternoon).

The 4th April 1975

No. E-38013(2)/12/74-Ad.I.—Shri D. V. Behl, Commandant 8th Battalion, Central Industrial Security Force, Delhi, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 1st March, 1975 and assumed the charge of the post of Group Commandant, Central Industrial Security Force, Delhi with effect from the forenoon of the same date.

The 5th April 1975

No. E-16014(1)/1/73-Ad.I.—On repatriation to Manipur Police Service on the expiry of his present term of deputation in Central Industrial Security Force, Shri I. C. Singh relinquished the charge of the post of Commandant Central Industrial Security Force Unit, Rourkela Steel Plant, Rourkela, with effect from the afternoon of 10th March, 1975.

L. S. BISHT, Inspector General

**OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA,**

New Delhi-110011, the 31st March 1975

No. 25/19/74-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 25/19/74-RG(Ad.I) dated 16th May 1974, the President is pleased to continue the appointment of Shri V. Venugopal Rao, special grade Deputy Collector in the Government of Andhra Pradesh as Deputy Director of Census Operations, Andhra Pradesh in a temporary capacity for a further period of one year with effect from the afternoon of the 14th March 1975.

The 1st April 1975

No. 25/6/74-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 25/6/74-RG(Ad.I), dated 12 July, 1974, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri R. C. Kathuria as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India with effect from 1 March, 1975 upto 31 December, 1975 or until further orders, whichever is earlier.

The 5th April 1975

No. 25/12/74-RG(Ad.I).—Consequent on the completion of his term of extension, Shri A. K. Bhattacharyya relinquished charge of the post of Director of Census Operations, Tripura on the afternoon of 31 March 1975.

BADRINATH, Dy. Registrar General,  
India and ex-officio Dy. Secy.  
t.

**MINISTRY OF FINANCE  
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)  
INDIA SECURITY PRESS, NASIK ROAD**

Nasik, the 18th March 1975

No. 3595/(A).—The undersigned hereby appoints the following permanent Inspectors Control, India Security Press, Nasik Road (Class III Non-Gazetted) as Deputy Control Officers (Class II Gazetted posts) in India Security Press in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 purely on an ad-hoc basis for a period of 6 months with effect from the forenoon of 17th March, 1975 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

1. Shri D. M. Patki.
2. Shri V. Srinivasan.
3. Shri A. J. Mauskar.
4. Shri B. M. Mandal.

No. 3596/(A).—The undersigned hereby appoints Shri D. P. Jambolkar a permanent Store Keeper (Class III non-gazetted) Central Stamp Store, Nasik Road, to officiate as Stamp Supply Officer, (Class II Gazetted post) in the Central Stamp Store in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis for a period of 6 months with effect from the forenoon of 17th March, 1975 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

The 29th March 1975

No. 3650/(A).—The undersigned hereby appoints the following Inspectors Control (Class III non-Gazetted), Currency Note Press, Nasik Road, as Deputy Control Officers (Class II Gazetted Post) in Currency Note Press, in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad hoc basis for a period of 6 months with effect from the forenoon of 17th March, 1975 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

1. Shri F. H. Kolhapurwala
2. Shri S. V. Chandwadkar
3. Shri H. K. Shejwal
4. Shri N. C. Sengupta
5. Shri B. S. Patil
6. Shri V. Y. Deshpande.
7. Shri J. C. Lodh.

Shri N. C. Sengupta who is on deputation to Bank Note Press, Dewas has been given proforma promotion.

It is certified that the post held by Shri Sengupta in Bank Note Press, Dewas is outside the ordinary line of his Service and that all the conditions precedent to the grant of benefit under "Next below rule" are fulfilled in his case.

V. J. JOSHI, Gnl. Manager

## INDIA GOVERNMENT MINT

Hyderabad-500004, the 1st April 1975

No. I-182/75/II/I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission and as per the Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) letter No. A. 12025/130/75-CHS.II, dated the 13th February, 1975, the Master of the Mint, Hyderabad is pleased to appoint Dr. T. K. Gopala Rao, in a temporary capacity in the post of Junior Medical Officer with effect from 8-3-1975 and until further orders.

P. M. RAU,  
Master of the Mint

## BANK NOTE PRESS

Dewas, the 29th March 1975

No. BNP/E/Spl/27.—The officiating appointment of Shri R. A. Misra, Section Officer in the Ministry of Finance, Deptt. of Economic Affairs as Junior Administrative Officer, Bank Note Press, Dewas is continued on ad-hoc basis with effect from 1-4-75 to 30-6-75 or till the post is filled on regular basis in accordance with recruitment rules, whichever is earlier.

D. C. MUKHERJEA,  
General Manager

## CENTRAL REVENUE CONTROL LABORATORY

Delhi-22, the 22nd March 1975

## CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 3/1975.—On transfer Smt. Sarojini Pant, Assistant Chemical Examiner, New Custom House Laboratory, Bombay assumed charge in the same capacity in the Central Revenues Control Laboratory, New Delhi with effect from the forenoon of the 4th March, 1975, against the vacancy caused by the appointment of Shri Harjit Singh, Assistant Chemical Examiner, New Delhi as Assistant Manager, (Chemist) in Ministry of Finance.

No. 4/1975.—On transfer Smt. Shanthy Gopinath Assistant Chemical Examiner, Custom House Laboratory, New Delhi with effect from the forenoon of the 20th March, 1975, against the vacancy caused by the appointment of Shri V. R. Ramanathan, Assistant Chemical Examiner as Chemical Examiner Gr. II in the same laboratory.

V. S. RAMANATHAN,  
Chief Chemist, Central Revenues

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

## WEST BENGAL

Calcutta-700001, the 25th November 1974

No. Admn.I/1038-XII/3523.—The Accountant General, West Bengal has been pleased to appoint the following two Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary capacity with effect from the dates noted against each or from the dates on which they actually take over charge as Accounts Officers whichever is later and until further orders :

S/Shri

1. Pulin Chandra Das—with effect from November 25, 1974 (F.N.)
2. Santosh Kumar Chowdhury-II—with effect from December 2, 1974 (F.N.)

Their inter-se-seniority in the A.O.'s cadre will be indicated in due course.

Both the Section Officers should take over charge as Accounts Officers in this office.

Shri Das, is pleased at the disposal of Sr. D.A.G.(T) against the vacancy due to expiry of Shri A. K. Acharya.

A.O. Shri Chowdhury will be placed at the disposal of Sr. D.A.G.(I.C.) in place of Shri S. Viswanathan, A.O. who will be on leave on and from December 2, 1974.

The 17th March 1975

No. Admn.I/1038-XII/4968.—The Accountant General, West Bengal has been pleased to appoint the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary capacity with effect from the date/dates on which they actually take over charge as Accounts Officers hereafter in this office/Office of the Accountant General, Central, Calcutta until further orders :—

S/Shri

1. Bhupath Das
2. Subodh Kumar Chakravorty
3. Himangshu Kumar Roychoudhury
4. Nikhil Ranjan Sengupta.

The inter-se-seniority of the Officers will be intimated in due course.

The 7th April 1975

No. Admn.I/1038-XIII/5039.—The Accountant General, West Bengal has been pleased to appoint Sri Pijush Kanti Bhattacharjee, permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in temporary capacity with effect from the date he actually takes over charge as Accounts Officer in this office until further orders.

The inter-se seniority of the officer in the A.O.'s cadre will be intimated in due course.

GHANSHAM DAS,  
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, J & K  
Srinagar, the 9th April 1975

No. Admn.I/60(72) 75-76/96-98.—The Accountant General J & K has appointed Shri Mohan Krishen Tickoo, a permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer with effect from the forenoon of 3rd April, 1975 until further orders.

P. K. BOSE,  
Senior Deputy Accountant General (A&E)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, U.P.-I  
Allahabad, the 25th March 1975

No. Admn.I/11-144(xi)(ii)/390.—The Accountant General, Uttar Pradesh I, Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in this office w.e.f. the dates noted against each till further orders :—

S/Shri

1. Kirpa Shankar Srivastava—1-3-1975
2. Krishna Chandra Ghosh—18-3-1975.

U. RAMACHANDRA RAO,  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR  
Ranchi, the 29th March 1975

No. OE-I-Audo-6327.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Radhika Bihari Sinha, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 5-12-1974 (A.N.).

Sd/-

Sr. Deputy Accountant General(A).

## OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR.

SOUTHERN RAILWAY

Madras-3, the 8th April 1975

No. A/PC/KKR/616.—Sri K. Krishna Rao, a permanent member of the Subordinate Railway Audit service in the Office of the Chief Auditor/Southern Railway is promoted to officiate as Audit Officer with effect from 17-3-1975 (Forenoon) until further orders.

Promotion made in this case is purely on *ad-hoc* basis and shall be subject to the final orders of the Supreme Court.

K. P. JOSEPH,  
Chief Auditor.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 7th April 1975

No. 40011(2)/74-AN-A.—The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of Shri B. D. Karandikar, Officiating Accounts Officer (Roster No. 0/156) in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta on 15-1-1975.

Shri Karandikar is accordingly struck off the strength of the department from the forenoon of 16-1-1975.

S. K. SUNDARAM,  
Addl. Controller General of  
Defence Accounts (Admin.)

MINISTRY OF DEFENCE  
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES.  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE.

Calcutta, the 3rd April 1975

No. 12/75/G.—On expiry of extension of service granted for two years, Shri J. N. Khullar, Offg. Assistant Manager (Permanent Foreman), retired from service with effect from 13th October, 1974 (A.N.)

No. 13/75/G.—On attaining the age of superannuation, viz. 58 years, the under-mentioned officers retired from service with effect from the date specified against each:

1. Shri V. R. Jha, Permanent Principal—31st December, 1974 (A.N.)
2. Shri I. S. Judah, Offg. Asst. Manager, (Subst. Foreman)—31st July, 1974. (A.N.)

M. P. R. PILLAI,  
Assistant Director General,  
Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE  
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER  
Bombay-20, the 8th April 1975

No. 18(1)/73-75/CLB.II/B.—In exercise of the powers conferred on me by clause 11 of the Textiles (Production by Powerloom) Control Order, 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. T.C. (32-A)/59, dated the 16th March, 1959, namely:—

In the table appended to the said Notification, in column 2, for the existing entries against serial No. 13, the following shall the substituted, namely:—

- (i) Secretary to Government, Department of Industries, Madras.
- (ii) The Director of Handlooms and Textiles, Madras.

- (iii) Joint Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (iv) Deputy Director (Textiles), Office of the Director of Handloom and Textiles, Madras.
- (v) Assistant Director (Textiles), Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (vi) All Assistant Directors of Handlooms and Textiles in the circles of Coimbatore, Salem, Madurai, Tiruchirapalli, Kanchipuram, Ramnad at Madras, Erode and Tiruchengode.
- (vii) All Textile Control Officers.
- (viii) All Inspectors of Textiles.
- (ix) Officers of the Revenue Department not below the rank of Revenue Inspector.
- (x) Officers of the Commercial Tax Department not below the rank of Assistant Commercial Tax Officers.
- (xi) Officers of the Police and Excise Department not below the rank of sub-Inspectors."

No. 18(1)/73-75/CLB.II/A.—In exercise of the powers conferred on me by clause 12 of the Art Silk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962, and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 16(2)/66-CLB.II/C dated the 6th December, 1967, namely:—

In the table appended to the said Notification, in column 2, for the existing entries against serial No. 13 the following shall the substituted, namely:—

- (i) Secretary to Government, Department of Industries, Madras.
- (ii) The Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (iii) Joint Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (iv) Deputy Director (Textiles), Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (v) Assistant Director (Textiles), Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (vi) All Assistant Directors of Handlooms and Textiles in the circles of Coimbatore, Salem, Madurai, Tiruchirapalli, Kanchipuram, Ramnad at Madras, Erode and Tiruchengode.
- (vii) All Textile Control Officers.
- (viii) All Textiles Inspectors.
- (ix) Officers of the Revenue Department not below the rank of Revenue Inspector.
- (x) Officers of the Commercial Taxes Department not below the rank of Assistant Commercial Tax Officers.
- (xi) Officers of the Police Department not below the rank of sub-Inspector."

G. S. BHARGAVA.  
Joint Textile Commissioner

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF  
IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 29th March 1975

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL  
(Establishment)

No. 6/1047/74-Admn(G)/2217.—The Chief Controller of Imports & Exports hereby appoints Shri D. V. Wani, Senior Research Assistant, Forward Markets Commission, Bombay as Controller of Imports & Exports Class-II (Non-CSS), in the Office of the Lt. Chief Controller of Imports & Exports, Bombay in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27th February, 1975, until further orders.

2. Shri D. V. Wani will draw pay according to rules in the scale of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

The 2nd April 1975

No. 6/1052/74-Admn.(G)/2282.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri B. S. Pal, SSA, Ministry of Defence, Research and Development Organisation, Dehra Dun, as Controller of Imports and Exports Class II (Non-CSS) in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 5th March, 1975 until further orders.

2. Shri B. S. Pal will draw pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

A. T. MUKHERJEE,  
Dy. Chief Controller of Imports & Exports.  
for Chief Controller of Imports & Exports.

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF  
IMPORTS & EXPORTS

Madras-1, the 31st March 1975

ORDER FOR CANCELLATION

Sub : Cancellation of Exchange Control copy of Import licence No. P/E/0210346/c/xx/48/M/37.38 dated 7-8-1973 issued to M/s. Sagarmull Mohanlall, Madras-1.

No. ITC/Dup. Copy/8/AM75/EI/796.—M/s. Sha Sagar Mull Mohan Lall, 2/202, Govindappa Naick Street, Madras-1, were issued a licence No. P/E/0210346/c/xx/48/M/37.38 dated 7-8-1973 for Rs. 1250/- (Rupees one thousand two hundred and fifty only) by this office for import of Drugs and Medicines (S. No. 87.109/IV) for the period April 73—March 74.

The firm have now applied for grant of duplicate copy of the Exchange Control copy of the above licence on the ground that the original has been lost by them after having utilised fully for April 73—March 74 period. In support of their contention they have filed an affidavit.

A duplicate copy of the Exchange control copy of the above licence has since been issued and the original copy of the licence has been cancelled.

This is reported for your information.

M. F. R. BIJJLI,  
Deputy Chief Controller of  
Imports and Exports.  
for Jt. Chief Controller of  
Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES  
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 31st March 1975

No. A.32014/4/74-Admn(G).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, the Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to grant proforma promotion under the 'next below' rule to the following officers as Assistant Directors (Grade II) (Industrial Management & Training) in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960, with effect from the 25th February, 1975, and until further orders :—

- (1) Shri A. L. Khancja, Assistant Director (Grade I) (Industrial Management & Training), Small Industries Service Institute, Ludhiana.
- (2) Shri I. R. Kidwai, Deputy Director (Export Promotion) Small Industries Service Institute, New Delhi.

2. It is certified that proforma promotion has been given in accordance with the principle 'one officer against one vacancy' and the other conditions of the 'next below' rule are satisfied in these cases.

No. A.19018/161/75-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri M. S. Narasimhamurthy, quasi-permanent Small Industry Promotion Officer (Industrial Management and Training), Production Centre, Ettumanur, to officiate as Assistant Director (Grade II) in Small Industries Service Institute, Trichur, on an *ad-hoc* basis until further orders. He assumed charge as Assistant Director (Grade II) in the forenoon of 12th February, 1975.

K. V. NARAYANAN  
Director (Admn.)

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 27th February 1975

Ref. No. J. No. I(220)/74-75. Acq. File No. 160.—  
Whereas, I K. Subba Rao,  
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 12-2-104 situated at Balakrishna Market Vijayawada, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Vijayawada on 15-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act., or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the 'Said Act' to the following persons, namely :

1. (1) Sri. G. Tirunarayana Krishna Arya,  
(2) Sri. G. R. Krishna Arya,  
(3) G. S. Sundarama Krishna Arya,  
(4) Sri. G. Sreedhara Krishna Arya, 2 to 4 are being minors guardian father Sri Trunarayana Krishna Arya Vijayawada,  
(Transferor)
2. Shri Tatavarthy Vecra Aleka Gopala Krishna Suryanarayana Murthy, Vijayawada.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDEULE**

Krishna District-Vijayawada Sub-Registrar Vijayawada Municipality Vijayawada Town-Babu Rajendra Prasad Road-Revenue Ward No. 5-Block No. 8 N.T.S. No. 505-Door No. 12-2-104 Asst. No. 9381-1432 Sq. Yards.

**BOUNDARIES**

East—Compoundwall of Sheikh Sadulla Saheb;  
South—Shops of Sri Kowta Purnanadam.  
West—Municipal Road and  
North—Property of Hzimunnisa Begum.

**K. SUBBA RAO,**  
**Competent Authority,**  
**Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax**  
**Acquisition Range,**  
**Kakinada**

Date : 27-2-75.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/390/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 4-B, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in August 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana. Through Shri Piara Lal, Director.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Lata, w/o Shri Kailash Kumar, B-IX-1061, Shiwala Sanglanwala, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 4-B, measuring 367 sq. yds., originally belonging to M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd, situated on Oswal Road also known as Gupta road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4703 of August, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM JTNS—

(1) M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana. Through Shri Piara Lal. Director.

(Transferor)

(2) Shri Kailash Kumar, s/o Shri Sat Parkash, B-IX-1061, Shiwal songlanwala, Ludhiana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/478/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 14-A, situated on Oswal Road also known as Gupta Road,

situated at Ludhiana,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 14-A, measuring 517 2/3 sq. yds., originally belonging to M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4929 of August, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana. (Through Shri Piara Lal, Director.)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Salig Ram Sat Parkash, Saban Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/479/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot and Room, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot and Room, measuring 200 sq. yds., originally belonging to M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd. situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4491 of August, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH**

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/480/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7-D, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely.

(1) M/s. Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana. Through Shri Piara Lal, Director.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Lata, w/o Shri Kailash Kumar, B-IX-1061, Shiwala Sanglanwala, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 7-D, measuring 266 sq. yds., originally belonging to M/s Common Wealth Spinning & Knitting Mills Private Ltd, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4356 of August, 1974, of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/481/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7-B, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana. Through Shri Piara Lal, Director.

(Transferor)

(2) (i) Shri Sanjay Kumar,  
(ii) Shri Anil Kumar,  
(iii) Shri Satish Kumar,  
sons of Shri Ved Parkash, Residents of 468-L, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 7-B, measuring 209-11/16 sq. yds. Originally belonging to M/s. Common Wealth Spinning & Knitting Mills Private Ltd. situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4355 of August, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE.

CHANDIGARH

SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/482/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7-A, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana. Through Shri Piara Lal, Director.

(Transferor)

(2) Shri Manoj Kumar, s/o Shri Avinash Chander, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 7-A, measuring 181 $\frac{1}{4}$  sq. yds., originally belonging to M/s Common Wealth Spinning & Knitting Mills Private Ltd, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4357 of August, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana )

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana. Through Shri Piara Lal, Director,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Surinder Kumar, s/o Shri Amar Nath, Raikot, District Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

CHANDIGARH

SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/483/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7-B, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

16—66GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 7-B, measuring 233-13/16 sq. yds., originally belonging to M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4441 of August, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana. Through Shri Piara Lal, Director.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Surinder Goel, w/o Shri Rajinder Paul Goel, Resident of Gali No. 7, B-XXIII/356/77, Janak Puri, Ludhiana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/484/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Plot No. 1, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1, measuring 736-1/3 sq. yds., originally belonging to M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered deed No. 4634 of August, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-V,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana. Through Shri Piara Lal, Director.

(Transferor)

(2) (i) Shri Surinder Kumar Mittal, s/o Shri Paras Ram.

(ii) Shri Raj Kumar, s/o Shri Jagan Nath, Residents of Industrial Area 'A', No. 184, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE, CHANDIGARH 156,  
SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/485/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2, measuring 843  $\frac{1}{4}$  sq. yds. originally belonging to M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4778 of August, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd., Ludhiana. Through Shri Piara Lal, Director.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chiranjit Lal, s/o Shri Ralla Ram, House No. 1134/23, Mohalla Azad Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

belonging to M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd., situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4880 of August, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana, Through Shri Piara Lal, Director.

(Transferor)

(2) Shrimati Surjit Kaur, w/o Shri Surjit Singh, Bye-pass Quarter No. 35, Gill Road, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. LDH/C/487/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in August, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 2, measuring 1300 sq. yds., originally belonging to M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4840 of August 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref No. KTL/6/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural Land 27 kanal 5 marla alongwith factory building at Patti Chowdhri, Kaithal situated at Patti Chowdhri, Kaithal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kaithal in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said act to the following persons namely :—

- (1) M/s Kaithal Shora Udyog Jind Road, Kaithal through Sarvshri (i) Dewan Chand,
- (ii) Lal Chand,
- (iii) Gian Chand,
- (iv) Prithi Chand
- (v) Roshan Chand,
- (vi) Sita Ram,
- (vii) Prithi Pal,
- (viii) Chaman Lal,  
C/o Partners.

(Transferor)

- (2) M/s Hindustan Salt Petre Industries, Jind Road, Kaithal through Shri Mithan Lal Bansal, S/o Shri Sita Ram, Kaithal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land 27 kanal 5 marla alongwith Factory Building situated at Patti Chowdhry, Kaithal.

Khasra No.	.46	47
1,6,2,10		5-6

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Ernestine Helena, Jezzard Wallang, Kharmalki, Shillong.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Asima Choudhury, C/o. A. K. Choudhury, Oakland Road, Shillong.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
SHILLONG

Shillong, the 20th February 1975

Ref. No. A-83/Shg/74-75. 3891-94.—Whereas, I, Egbert Singh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Registration No. 197, situated at Umlaren (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Shillong on 3-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 34.39 Acres situated at Umlaren Raid Mawbah, Myliem Syiemship in Khasi Hills Dist. of Meghalaya State.

EGBERT SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Shillong

Date : 20-2-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Donepudi Ananta Ramaiah (2) Donepudi Leela Krishna Prasad and (3) Donepudi Sai Satyanarayana Prasad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 13th March 1975

Ref. No. Acq. File No. 173 J. No. I(222 & 223) /KR/74-75.—Whereas, I K. Subbarao, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40-15/1-6 situated at Barundavan Colony Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 15-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

2) Sabbineni Raghavaiah and (2) Sri Sabbineni Venkateswara rao and (3) Smt. Sabbineni Vindya Rani, Nagayalanka, Divi Taluk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Krishna District—Vijayawada Sub-Registrar—Vijayawada, Municipality Vijayawad town—Mogalrajapuram—Brundavan Colony—Old ward No. 24—New ward 28—Revenue ward. 11—Block No. 4—N.T.S. No. 73—Asst. No. 26134—Door No. 40-15/1-6—Site with Daba House.

## BOUNDARIES

East : Municipal Road.  
South : House and site of Sri Sabbineni Raghavaiah.  
West : House and site of Sri Sabbineni Raghavaiah.  
North : Joint compound wall of E. Laxmaiah.

K. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 13-3-1975.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA**

Kakinada, the 6th March 1975

Ref. No. Acq. File. No. 168 J. No. I(583)/74-75.—Whereas, I, K. Subbarao, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 733/1, 733/2, 733/3 and 716/2 situated at Kothapeta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kothapeta on 15-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Pulipaka Narasimharao, Kothapeta
2. Pulipaka Venakatramanamurthy, Kothapeta,

3. P. Narayana Rao, Deputy Commercial Tax Officer Office of the Commissioner of Commercial Taxes, Hyderabad.

4. Pulipaka Acharya, Bombay. (Transferor)

- (2) 1. Smt. Srikanthi Satyavathi,
2. Sri S. Suryanarayana,

3. Sri S. Rambabu and 4. S. Narayananamurthy, C/o Narayana Silk House, Main Road, Kothapeta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

East Godavari Dist Kothapeta Sub-Registrar—Kothapeta Village—New settlements Nos. 733/1, 733/2, 733/3 and 716/2 Total land—9-02 cents. The details are as under :—

Document No.	Amount <sup>1</sup>	New settlement Nos.	Extent of land
1656/74	Rs. 10,000	733/1	733/3 1-51 (1-16 035
1653/74	Rs. 10,000	733/3	1-51
1658/74	Rs. 15,750	716/2	2-00
1659/74	Rs. 5,750	733/3	1-00
1660/74	Rs. 5,750	733/1	0-85
1661/74	Rs. 15,750	733/2	2-15
Rs. 63,000		Land Aq.	9-02 cents

K. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date . 6-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Nalla Mahesh Kumar S/o Apparao,  
Visakhapatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Arumilli Achuta Ramarao, S/o Satya-  
narayana, Nidadavolu.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

KAKINADA

Kakinada, the 26th February 1975

Ref No. Acq. File No. 158, J. No. I(180)VSP/74-75.—  
 Whereas, I, K. Subbarao,  
 being the competent authority under Section 269B of the  
 Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
 bearing Door No. 6-2-19A situated at Waltair ward Waltair,  
 (and more fully  
 described in the Schedule annexed hereto), has been  
 transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in  
 the office of the Registering Office  
 at Visakhapatnam on 15-8-74,  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as  
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such apparent consideration  
 and that the consideration for such transfer as agreed to  
 between the parties has not been truly stated in the said instru-  
 ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under Sub-sec-  
 tion (1) of Section 269D of the said Act to the following  
 persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Visakhapatnam District—Visakhapatnam Sub-Registrar—  
 Visakhapatnam Municipality—Waltair ward—Revised T. P.  
 No. 25/71—T.S. No. 76—Block No. 1—Plot No. 11—Door  
 No. 6-2-19A Asst. No. 621—817 Sq. Yds. with A.C. Sheets  
 shed etc.

K. SUBBARAO,  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
 Acquisition Range,  
 Kakinada.

Date 26-2-1975.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA**

Kakinada, the 26th February 1975

Ref. No. J. No. I(273)KR/74-75/Acq. File No. 157.—  
 Whereas, I, K. Subbarao,  
 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Lands in R. S. No. 135/2 situated at Angaluru village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gudiwada on 31-8-1974.  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shrimati Lingam Rangamma, W/o Nagabushnam, represented by Sri Lingam Venkata Ratnam—General power of attorney, Angaluru Village.
- (2) Shri Cherukuri Ramachandra Prasad Perisapally Post, Krishna Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Krishna District Gudiwada Sub-Registrar Angaluru village—Gram Panchayat Angaluru village R.S. No. (1) 135/2 Ac. 5-52 (2) R.S. No. 134/3 Ac. 0-91 cents (3) R.S. No. 137/4 0-18 cents (4) R.S. No. 137/1 0-32 cents (5) R.S. No. 260/2 0-68 cents; (6) R.S. No. 133/3 0-48 cents—Total land Ac. 8-09 cents.

**K. SUBBARAO,**  
**Competent Authority,**  
**Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,**  
**Acquisition Range,**  
**Kakinada.**

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-2-1975.

Seal :

FROM ITNS—

(2)Shri Hari Nand.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION, RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th February 1975

Ref. No. 12.H/Acq.—Whereas, I, Beshambar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 78/1-2 situated at Chander Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 8-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDEULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

A house measuring 2110 sq. ft is situated at Chander Nagar Alumbagh Lucknow.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BESHAMBAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Dev Inder Ray Kochar.

(Transferor)

Date : 17-2-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Beant Kaur, w/o Shri Ram Singh, Garden Colony, R. B. Duni Chand Road, Amritsar.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Smt. Bimla Vati, w/o Shri Hans Raj Kataria  
(ii) Shri Vinod Kumar, s/o Shri Hans Raj Kataria, Commercial Buildings No. 2, The Mall, Simla.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

(3) Smt. Kamal Hazuria, w/o Late Shri Pritam Singh Hazuria, House No. 71, Sector 10-A, Chandigarh.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. CHD/168/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 64-P, Street 'C', Sector 10-A, New No. 71, measuring 518 sq. yds. with binding, situated at Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 71, Sector 10-A, Chandigarh built on plot No. 64-P, Street 'C', measuring 518 sq. yds.

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM JTNS

(1) Shri Bhag Singh, s/o Shri Hari Singh, Resident of Taraf Kara Bara, Tehsil and District Ludhiana.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) New India Colonisers, 55-Bhadaur House,  
Ludhiana, through Shri Bal Krishan.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/407/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Taraf Kara Bara, Tehsil & District Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in September, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 7 kanals 10 marlas, situated at Taraf Kara Bara, Tehsil and District Ludhiana.  
Khasra No. 13/25, 20/6.  
Khewat No. 1164/1265.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5676 of September, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Bhag Singh, s/o Shi Hari Singh, Resident of Taraf Kara Bara, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/443/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under

Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at Taraf Kara Bara, Tehsil and District Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ludhiana in October, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) New India Colonisers, 55, Bhadaur House, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land, measuring 7 kanals, situated at Taraf Kara Bara, Tehsil and District Ludhiana.

Khwat No. 1164/1265.

Khasra No. 20/15, 20/17/1.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6472 of October, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No AML/4/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land and factory, situated at village Mogal Majra, G.T. Road, Gobindgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in August, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the said Act to the following persons namely:

(1) M/s Ajit Steel Rolling Mills, Govindgarh, through  
 (i) Shri Ram Singh,  
 (ii) Shri Hari Singh,  
 sons of Shri Pratap Singh,  
 (iii) Shri Pritam Singh, s/o Shri Ram Singh, Resident of Chomon, Tehsil Ludhiana.  
 (Transferor)

## (2) Sarvshri

(i) Yash Paul, s/o Puran Chand Jain,  
 (ii) Sudesh Paul, s/o Nagin Chand,  
 (iii) Darshan Kumar Oswal,  
 (iv) Sri Paul Oswal, S/o Rattan Chand,  
 (v) Smt Neelam Kumari w/o Jangi Lal Oswal,  
 (vi) Smt. Sudha Oswal, w/o Neelam Kumar,  
 (vii) Baldev Raj Jain, s/o Hira Lal Jain,  
 (viii) Hardwari Lal, s/o Prabhati Lal, c/o Shri Yash Paul, Oswal Woollen Mills, Miller Ganj, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and factory building—Area 8 kanal 7 marlas.  
 Khata No. 86/107,  
 Khewat No. 86, Khatoni No. 107,  
 Patti Malcha, Village Mogal Majra, G.T. Road, Gobindgarh  
 North :—cultivative land,  
 South :—Main road.  
 East :—an open uneven land.  
 West :—Diamond Steel Rolling Mills.  
 (Property as mentioned in the Registered Deed No. 747 of August, 1974 of the Registering Officer, Amloh.)

G. P. SINGH,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
 Acquisition Range,  
 Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rameshwari Nath Gurtoo,

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Km. Madhuri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 4th February 1975

Ref. No. 42-M/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 198 situated at Mum Ford Ganj Housing Scheme, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Allahabad on 19-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
18—66GI|75

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One plot measuring 1297 sqr. yds which is situated at Mum Ford Ganj Housing Scheme in, Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 4-2-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Karta Singh &amp; others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Darshan Singh

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 3rd February 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No 11-D/Acq.—Whereas I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. 73, situated at Sarai Taluka chhatauna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shahjahanpur on 19-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from and transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 0.176 Acre which is situated at Mauja—Sarai Talluka Chhatauna in Distt Shahjahanpur.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-2-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 7th March 1975

Ref. No. PR. 192/Acq.23-294/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 1300 A Paiki and No. 1225-A-Paiki TPS No. 2 Mun. Ward No. 1 situated at Timaliawad, Nanpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 14-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Kekobad Jamshedji Antia, Khorshed Dosabhai Bamji, Bai Mehra—holder of letter of administration for Jamshedji Manekji, Farokh Jamshedji Antia through Maneksha Kunvarji Dordi General Power of Attorney.  
(Transferor)
- (2) M/s. Maheshwari Construction Co. through partner Ajitlal Narsinhbhai Patel, Chimanlal Narsinhbhai Patel, Narsinhbhai Govindji Patel  
(Transferee)
- (3) M/s Vishnu Land Corporation through partner Amratlal Ramsingh Contractor.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land bearing Nondh No. 1300A Paiki Mun. Ward No. 1, T.P.S. No. 2 F.P. No. 4-A Paiki and also Nondh No. 1255-A-1 Paiki (in Muni. Ward No. 1) admeasuring total area of 582 Sq. yds. situated at Timaliawad, Nanpura, Surat, as mentioned in the registered deeds No. 2744 and 2745 of August, 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 7-3-1975.

Seal.

## FORM ITNS—

- (2) M/s. Bildoo Services, Surat—through partner Sri Navinchandra Chimanlal, Salabatpura, Balabhai Street, Surat.
- (3) *Confirming parties* :—Sureshbhai Shankarsinh Thakor  
Chandrasinh Shankarsinh Thakor  
Gordhanwad, Nanpura, Surat.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Open land bearing Muni. Nondh No. 1882 Paiki in Mun. Ward No. 1 admeasuring 666 Sq. yds, situated at Gordhanwada, Nanpura, Surat as mentioned in the registered deed No. 2879 of August 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Ranjitsinh Umraosinh Thakor, Nanpura, Gordhanwada, Surat,  
(Transferor)

Date : 7-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-38009

Ahmedabad, the 10th March 1975

Ref. No. PR. 194/Acq. 23-311/7-4/74-75.—Whereas, I, P. N. Mital, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Muni, No. 713-B-1 Sur. No. 11/1-2-3 Paiki situated at Neelkanth Nagar, Zaveri Sadak, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 27-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dhansukhbhai Bhikhabhai Patel, Neelkanth Nagar, Zaveri Sadak, Navsari.

(Transferor)

Ramesh Kantilal Shah  
Veerendra Kantilal Shah  
Jitendra Kantilal Shah  
Guardian Kantilal G. Shah

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An immovable property comprising land and building known as "Akshaya" bearing Muni. No. 713-B-1 and Sur. No. 11/1-2-3 Paiki admeasuring 2598 Sq. ft. situated at Neelkanth Nagar, Zaveri Sudak, Navsari, Dist. Bulsar as mentioned in the registered deed No. 1653 of Augus 1974 of the Registering Officer, Navsari

P. N. MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

- (1) Dhansukhbhai Bhikhabhai Patel, Neelkanth Nagar, Zaveri Sadak, Navsari.

(Transferor)

- (2) Kantilal Gagulbai Shah  
Shardaben Kantilal Shah  
Minors—Hasmukh Kantilal Shah

Date : 10-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-38009

Ahmedabad, the 7th March 1975

Ref No. PR.195/Acq.23-353/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No 1300 A Paiki and Nondh No. 1255-A-1 Paiki-Muni. Ward No. 1 situated at Timaliawad, Nanpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Surat on 14-8-1974, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor or to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Bai Mehra—holder of letter of administration for Jamshedji Manekji, Khorshed Dosabhai Bamji,

Kekobad Jamshedji Antia, Farokh Jamshedji Antia, all of Bombay (at present) (Transferor)

- (2) Ajithbai Narsinhbhai Patel  
Chimanlal Narsinhbhai Patel  
Narsinhbhai Govindji Patel of Surat. (Transferee)
- (3) M/s. Vishnu Land Corporation through partner—Amratlal Ramsinghbhai Contractor, (person whom the undersigned known to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter-XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing Nondh No. 1300 A Paiki Muni. Ward No. 1 T.P.S. No. 2 F.P. No. 4 A and also Muni. No. 1 Nondh No. 1255-A-1 Paiki admeasuring total area of 278 Sq. yds. situated at Timaliawad, Nanpura, Surat, as mentioned in the registered deed No. 2743 of August, 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 7-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-38009

Ahmedabad, the 7th March 1975

Ref. No. PR 196/Acq.23-354/6-2/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 27-Nirman Co-operative Housing Society situated at Alkapuri, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 29-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act) to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Ugrabhai Joitaram Patel, Medical Officer, SUDASNA-Tal. Kheralu. (Transferor)
- (2) Shri Ambalal Mahijibhai Patel, Supervisor, Mahi Canal Project, MOGRI Tal. Anand. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building situated at 27, Nirman Co-operative Housing Society, Alkapuri, Baroda. Land admeasuring 3828 Sq. ft. with built up area of 2400 Sq. ft. as fully described in Sale Deed registered under No. 3742 on 29-8-1974 by Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 7-3-1975.

Seal:

## FORM ITNS

(2) Shri Natverlal J. Jani, 19-A, Bank of Baroda Officers' Colony, Ajwa Road, Baroda.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-38009

Ahmedabad, the 7th March 1975

Ref. No. PR.197/Acq.23-355/6-2/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 49/2 in Arunoday Co-operative Housing Society situated at Alkapuri, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 26-8-1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Dr. Chimanlal Bhailal Shah, 13-A, Doctor's Quarters, New Civil Hospital, Majura Gate, Surat.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot bearing No. 49/2 and admeasuring 4816-6 Sq. ft. with construction upto plinth on area admeasuring 267 Sq. ft. situated in Arunoday Co-operative Society, Alkapuri, Baroda, as fully described in Sale Deed registered under No. 3721 on 26-8-1974 by Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 7-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shiv Pujan &amp; Others

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Gopi Singh

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 13th March 1975

Ref. No. 18-G/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- situated at Madhopur Distt. Ballia, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballia on 6-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural Land measuring 74.29 Acres, situated at Madhopur Distt. Ballia.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

19—66GI/75

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,

Date : 13-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Abha Rani Devi & Others,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Surat & others  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 13th March 1975

Ref. No. 38-R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-20/40 D situated at Bhelupura Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 3-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

A house situated at Moh. Bhelupura Distt. Varanasi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Durga Prasad Ghai,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ranjit Kaur &amp; Others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 13th March 1975

Ref. No. 37-R/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 279/38 situated at Kanpur Road Pandariba Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 26th August, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house measuring 10097 Sq. ft. situated at Kanpur Road Pandariba Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 13-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(2) Shri Sardar Jagat Singh,

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE  
LUCKNOW

Lucknow, the 13th March 1975

Ref. No. 16J/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D. 153/90 F-2 situated at Narain Nagar Colony Laksha Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Varanasi on 29-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kr. Abhai Narain Singh and others,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A House measuring 1800 S. ft. situated at Narain Nagar Colony No. 53/90 F-2-Laksha Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 13-3-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

(2) M/s. Evershine Builders,  
223, Arun Chambers, Bombay-34.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,  
BOMBAY-20.

Bombay-20, the 21st February 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AP.205/IAC.AR-IV/74-75.—Whereas, I, G. S. Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 143/3/A & S. No. 143 situated at Ambivali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Harchumal H. Khanchandani  
114, Loungani Lodge, Bombay-52.

(Transferor)

Date : 21-2-1975.

Seal :

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece OR parcel of land OR ground situate lying and being at Village Ambivali (also known as Amboli) in the Registration District and Sub-district Bombay City and Bombay Suburban stated in the record of rights dated 28th November 1969 under M.R. No. 2692 (II) to admeasure 3409 Sq. yards i.e. 2850.35 Sq. metres or therabout bearing plot No. 143/3/A being a part of Survey No. 143.

G. S. RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
Bombay.

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 21st February 1975

Ref. No. PR.190/Acq.23-289/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1936-A Paiki in Muni. Ward No. 2 situated at Kshetrapal area, Sangrampura, Surat annexed hereto) has been (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 16-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Bai Nandi Wd/of Zinabhai Bhagabhai  
Jeliben Bhalalbhai  
Sangrampura Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Visco Land Corporation, Surat  
through partners—  
Vimalaben Nanubhai Desai  
Champaklal Chunilal Jinwala  
Taraben Ratilal  
Yashwanthal Chimanlal.

(Transferee)

(3) 1. M/s. Sardar Construction Co.,  
through partners—  
Manojkumar J. Mehta, Rameshkumar J. Tank,  
Bharat Kumar N. Thakkar.

2. M/s. Shreejee Land Corporation, Surat  
through partner—  
Ratilal Chhaganlal Anorwala.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An immovable property bearing Nondh No. 1936-A paiki in Municipal Ward No. 2 admeasuring 250 Sq. Yds. and 241.4 Sq. Yds. i.e., total 491.4 Sq. Yds. situated at Sangrampura, Kshetrapal area, Surat as mentioned in the registered deeds Nos. 3016 and 3017 respectively, of August 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 21-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Vijai Shanker Wadhwa.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rizwana Khan.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 15th March 1975

Ref. No. 39-R/Acq.—Whereas, I, Bishamber Nath, being the Competent Authority under section 269B of income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. B-77 situated at Nirala Nagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 5-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A plot of Land measuring 9600 Sqr. Fts. situated at Nirala Nagar, Distt. Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 15-3-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Nand Kishore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishori Lal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW.

Lucknow, the 14th March 1975

Ref. No. 29-K/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 35 situated at Sikandrabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sikandrabad on 19-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as give in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A house bearing No. 35 situated at Sikandrabad, Distt. Bulandshahar.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Now, therefore, In pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-3-1975  
Seal :

## FORM ITNS

Shri Hasan Imam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Auto Sales.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW.

Lucknow, the 14th March 1975

Ref. No. 38-A/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 100/1, situated at Alayipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 23-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

20—66GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A plot of land measuring 6 Biswa situated at Alayipur, Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 14-3-1975

Seal :

## FORM ITNS

(2) Smt. Lachhmina Devi.

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW.

Lucknow, the 14th March 1975

Ref. No. 11-L/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. — situated at Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 9-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Shambhu Nath Alias  
Shambhu Lal.

(Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house measuring 800 Sqr. Ft. situated at Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 14-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Subba Laxmi W/o Sri C. R. Rama Krishna Iyer  
Jayanagar Colony, Chinnacheru, village,  
Cuddapha.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 17th March 1975

Ref. No. RAC. No. 132/74-75.—Whereas I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13/365, 366, 367 situated at Y. V. Street, Cuddapha (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddapha on 12-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Sri P. Mohd. Ali, S/o Jeevan Khan, Prop. Bhanu Studio Y. V. Street, Cuddapha, A.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Door No. 13/365, 366, 367, at Y.V. Street, Cuddapha.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Anantharao Gangakhedkar, S/o Narayanrao, Gangakhedkar, R/o New B-7, beyond Law College, Osmania University, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th March 1975

Ref. No. RAC. No. 131/74-75.—Whereas, I K. S. Venkataraman,  
**being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')**, have reason to believe  
 that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. Portion 5-1-482 to 484 situated at Jambagh,  
 Hyderabad  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
 has been transferred under the  
 Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
 Registering Officer at  
 Hyderabad on 15-8-74  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

(1) 1. Sri Balram Singh, S/o Balaji Singh, R/o Uppar Dhoopet, Hyderabad. 2. Sri Banshpershad, Srivastava S/o Kishanpershad Sri vastava R/o Lower Dhoopet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Portion of the houses and open yard bearing M. No. 5-1-482, 483, & 484, at Jam Bagh, Hyderabad admeasuring 302.29 Sq. Yards.

K. S. VENKATARAMAN,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-3-1975.

Seal :

(1) Shri Mohd. Uman Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Massar &amp; Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th March 1975

**Ref. No. 47M/Acq.**—Whereas, I Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21/39 situated at Distt. Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 14-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

One storeyed house situated in Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-3-75

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Radha Gobind Chatterjee,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Chandra Gupta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th March 1975

Ref. No. 40 R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 192 situated at Alenganj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 12-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house measuring 300 Sqr. Yds. situated at Moh. Alenganj Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 15-3-75

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE II, 4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3rd FLOOR,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 15th March 1975

Ref. No. IAS/Acq. II/814/74-75/9037.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2020 to 2024 situated at Haveli Khan, Kinari Bazar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 23-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Ashrafi Devi, w/o Shri Kirori Mal Luhariwala, 2. Smt. Imrati Devi Moda w/o Sh. Parshotam Dass Moda, 3. Sh. Ramesh Kumar Moda s/o Sh. Parshotam Dass Moda, 4. Sh. Kali Charan Kessan s/o 1. Sh. Madan Lal Kessan, 5. Sh. Raja Ram Bhiwani s/o Sh. Baij Nath Bhiwani r/o 31, Cotton Street, Calcutta. All trustees of Seth Kirori Mal Charity Trust, Raigarh.

(Transferors)

- (2) M/S. Bhartiya Brahman Charitable Trust, 2187, Jamna Bazar, Delhi through its trustees.  
1. Sh. Shyam Behari s/o Sh. Mange Lal, r/o 1267, Kucha Mahajani, Chandani Chowk, Delhi.  
2. Shri Hazari Lal, s/o Shri Kishori Lal, 2187, Jamna Bazar, Delhi.

(Transferees)

- (3) 1. Shri Pyare Lal s/o Sh. Prasadi Lal  
2. Shri Tika Ram s/o Sh. Chet Ram  
3. Shri Ram Lal s/o Sh. Tika Ram  
4. Shri Bishember Nath s/o Sh. Chedi Lal  
5. Shri Gopi Ram s/o Sh. Madho Ram  
6. Shri Bala Prasad s/o Sh. Ram Rattan  
7. Shri Parma Nand s/o Sh. Bhaura Lal  
8. Shri Ram Chand s/o Sh. Jeewan Ram  
9. Shri Ghasi Ram s/o Sh. Napak Ram  
10. Shri Ram Charan s/o Sh. Ganga Ram  
11. Shri Mathura Prasad s/o Sh. Hazari Lal  
12. Shri Hanuman Prasad s/o Sh. Ramesh Chand  
13. Shri Sanza s/o Sh. Chuni Lal  
14. Shri Ram Chander s/o Sh. Cheda Lal  
15. Shri Chajju Ram s/o Sh. Kallu Ram  
16. Shri Chander Sheikcr s/o Sh. Narain Sahah  
17. Shri Chander Sheiker s/o Sh. Narain Sahah  
18. Shri Budh Ram s/o Sh. Chuppi Lal  
19. Shri Gulab Rai s/o Sh. Ganga Ram  
20. Shri Madan Lal s/o Sh. Ganga Ram  
21. Shri Ram Prasad s/o Sh. Kewal Ram  
22. Shri Teja Singh s/o Sh. Kewal Ram  
23. Shri Dalal Chand s/o Sh. Lala Ram  
24. Shri Mukandi Lal s/o Sh. Khumani Rom  
25. Smt. Bhudda d/o Sh. Baldeva.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A plot of land measuring 1250 sq. yds, located at No. 2020 to 2024, at Haveli Khan, Kinari Bazar, Delhi together with 2 storied building constructed thereon together with water & electric connections fitted in this building and bounded as under :—

East—Gali & part of other's property.  
West—House of Lala Bhagwan Sahah.  
South.—House of Sh. Ramrich Pal.  
North—Gali & Well.

**C. V. GUPTE**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 15th March, 1975.

Seal ;

## FORM ITNS—

(1) Shri Ratan Chand Wahi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Satya Narain Dhoot, (Maheshwari).  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOWObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 17th March 1975

Ref. No. 55 S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C—K 8/24 situated at Ganmath (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 14-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A house measuring 596 Sqr. fts. situated at Moh. Ganmath Distt. Varanasi.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**BISHAMBHAR NATH**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 17-3-75.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Sardar Satnam Singh Arora.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th March 1975

Ref. No. 54-S/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 508/5/51 situated at Bose Ganj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 29-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sita Kant (Sitakaul) (Sardar Satnam Singh Arora).  
(Transferor)

21—66GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

**THE SCHEDULE**

A house measuring 1800 Sqr. fts. situated at Bose Ganj Distt. Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 18-3-75

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Roymurat.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Rajeshwari Devi.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 17th March 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 41-R/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 13 & 14 situated at Vill. Karmda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Varanasi on 13-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plots No. 13 & 14 measuring 6035 Sq. ft. situated at Vill. Karmda Distt. Varanasi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 17-3-75.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Jaspal Malik,

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th March 1975

Ref. No. 17-J/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. situated at Jawahar Nagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Ram Lal Suri.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.**

**THE SCHEDULE**

A double storeyed house measuring 263½ Sqr. Yards situated at Moh. Jawahar Nagar Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 17-3-75.

Seal :

## FORM ITNS

(1) S/Sri Mahendra Kumar Choudhury & Kapil Choudhury, 21, Belvedere Road, Calcutta.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Nagdala Tea Co. Ltd.,  
4, Fairlie Place, Calcutta.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) The Vendor  
(Person in occupation of the property)

(4) Ishwari Prasad Poddar (minor) Son of Sri Mahavir Prasad Poddar, represented by his mother Shrimati Snehalata Devi Poddar.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, (3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 13th March 1975

Ref. No. Ac-91/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, R. V. Lalmawia being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21, situated Belvedere Road, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 14-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

A piece of land measuring 9-kottahs & 2-chittaks being demarcated portion of 21, Belvedere Road, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

R. V. LALMAWIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, (3rd Floor),  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(2) M/s. Moraghat Tea Co. Ltd.,  
4, Fairlie Place, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-II, (3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED  
KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 13th March 1975

Ref. No. Ac-90/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R. V. Lalmawia,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21, situated Belvedere Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, Calcutta on 14-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Sri Mahendra Kumar Chowdhury & Kapil Chowdhury, 21; Belvedere Road, Calcutta.  
(Transferor)

(3) The Vendor

(Person in occupation of the property)

(4) 1. Manoj Kumar Poddar & 2. Deokinandan Poddar, both minor sons of Sri Mahabir Prasad Poddar, represented by their mother Srimati Sanchalata Devi Poddar.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One double storeyed building with land measuring 28-kottahs, 15-chittaks & 7-sq. ft., being premises No. 21, Belvedere Road, Calcutta.

R. V. LALMAWIA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II, (3rd Floor),  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 13-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Kamleshwari Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Savitri Devi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th March 1975

Ref. No. 56-S/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-29/39 Present 33/37 situated at Khalispura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Varanasi on 9-8-74 apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A three storied house No. D. 33/37 measuring 35×30 its, situated at Moh. Khalispura, Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 17-3-75.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 20th March 1975

Ref. No. Acq. 23-I-327(154)/1-1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 391 & 392, S.P. No. 7, Hissa No. 7-B, T.P.S. No. 3, situated at Changispur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mahendra Harilal Trivedi, C-6, Jyoti Colony, Near Mission Hospital, Baroda (Transferor)

(2) 1. Sumanben Aniruddh Shelat,  
2. Yogesh Aniruddh Shelat,  
3. Jyotindra Aniruddh Shelat,  
Maharashtra Society, Ellisbridge, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

Building standing on land admeasuring 300 sq. yds. bearing Final Plot No. 391 & 392, Sub-Plot No. 7 Hissa No. 7-B of T.P.S. No. 3 and situated at Changispur, Ahmedabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 20-3-1975.

Seal :

## FORM JTNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 19th March 1975

Ref. No. PR.202/Acq.23-II/351/6-2/74-75.—Whereas, I P. N. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘said Act’) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D. Tika No. 1/10—S No. 42/1 Paiki Open land—3660 Sq. ft. situated at Fatehganj Camp main road, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 8-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Vyankatrao Krishnarao Uplap
  - (2) Vilhalrao Krishnarao Uplap
  - (3) Sayajirao Krishnarao Uplap
  - (4) Madhuker Krishnarao Uplap  
'Kamal-Kunj', Fatehganj, Baroda-2.
- (Transferor)

(2) Navrang Apartment Co-operative Housing Society Ltd., Fatehganj, Baroda—through President—Shri Mohmed Hanif Abdulmajid Patel, BARODA.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open land bearing D. Tika No. 1-10 S.No. 42/1 admeasuring 3660 Sq. ft. situated on main road of Fatehganj Camp, Baroda, as fully described in Sale deed registered under No. 3455 on 8-8-1974 by registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 19-3-1975

Seal :

## FORM ITNS

(2) S/Shri Rajankumar Manibhai Patel  
Arvindbhai Nathabhai Patel Baroda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th March 1975

Ref. No. PR.204/Acq.23-338/6.2/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Cellar and Ground-floor 50-A-Kunj Society Alkapuri Area, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 2-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vrajangna Devi Vithalnathji Goswamy—  
59-A, Kunj Society, Alkapuri, Baroda.  
(Transferor)

22—66GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An immovable property comprising of land and part of the building viz., Cellar and Ground-floor of the building situated on 59-A Kunj Society, Alkapuri area, Baroda, along-with interest and rights fully described in Sale Deed registered under No. 3363 dated 2-8-1974 by registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
Ahmedabad.

Date : 11-3-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Vrajangnadevi Vithalnathji Goswamy,  
59-A, Kunj Society, Alkapuri, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th March 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property comprising of land and part of the building viz., 1st floor and Garbage with two rooms adjoining garage, situated on Western side on 59-A Kunj Society, Alkapuri area, Baroda, alongwith interest and rights as fully described in Sale Deed registered under No. 3365 dated 2-8-1974 by registering Officer, Baroda.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Viojangnadevi Vithalmathji Goswamy.  
59-A, Kunj Society, Alkapuri, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) S/Shri Kanubhai Mahijibhai Patel  
Raojibhai Bhailalbhai Patel Baroda.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th March 1975

Ref. No. PR.206/Acq.23-338/6-2/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. IIInd floor and IIIrd Floor situated at 59-A Kunj Society Alkapuri Area, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 2-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property comprising of land and part of the building viz., IIInd and IIIrd floors situated on 59-A, Kunj Society, Alkapuri area, Baroda, alongwith interest and rights as fully described in Sale Deed registered under No. 3364 dated 2-8-1974 by Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Date : 11-3-1975

Seal :

## FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th March 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 58-S/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 625 situated at Habibpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Varanasi on 16-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

## THE SCHEDULE

A plot of land measuring 60 ft X 70 sq. fts. situated at Mah. Habibpura Distt., Varanasi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Bindhayachal Prasad Gupta.  
(Transferor)

Date : 20-3-1975

(2) Smt. Sumatra Devi Mehra and others.  
(Transferee)

Seal :

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

## FORM ITNS—

(2) Smt. Triveni Devi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th March 1975

Ref. No. 6-T/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 25 situated at Distt Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 8-8-74.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land No. 25 measuring 5000 Sqr. fts. situated at Distt. Varanasi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Chakarvarthy.

(Transferor)

Date : 17-3-1975

Seal :

**FORM ITNS—**

(1) Shri H. T. Idnani.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Abdul Rashid.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 17th March 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

Ref. No. 39A/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. WD-7/15 144/17 situated at Gwylene Road, (Tek) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 31-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A three storied house bearing 1594 Sqr. fts. situated at Gwylene Tek (Road) Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Panna Lal Gupta &amp; Others.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Bismillah.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 17th March 1975

Ref. No. 35-B/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 48/84 and 48/85 situated at Kutub Shaheed (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Varanasi on 19-8-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A double storeyed house No. 48/84 and 48/85 situated at Kutub Shaheed Distt. Varanasi.

**BISHAMBHAR NATH,**

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ram Lal Suri.  
 (2) Shri Ashok Kumar.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE,  
 LUCKNOW

Lucknow, the 17th March 1975

Ref. No. 40A/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Nil situated at Jawahar Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Moradabad on 3rd August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A double storeyed house measuring 263½ Sq. yds., situated at Jawahar Nagar, Moradabad.

BISHAMBHAR NATH  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range,  
 Lucknow

Date : 17 March 1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 19th March 1975

Ref. M. No. Acq/133D.Dun/74-75/3107.—Whereas, I, Y. KHOKHAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 225 situated at Rajpur Road, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 20-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
23—66 GI/75

- (1) Mrs. Jamila Ross, widow of Mr. James Christopher Ross, 173, Rajpur Road, Dehradun.
- (2) The Tibetan Women's Centre, a registered society under the Indian Societies Registration Act, 210, Rajpur Road, Dehradun.
- (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that property consisting of Main kothi, out-houses, trees, open land measuring about 9 bighas bearing Municipal No. 285, Rajpur Road, Dehradun and known as "KILLARNEY", transferred for apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 19-3-1975

Seal :

## FORM INTS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 19th March 1975

Ref. No. 123/Acq/Agra/74-75/3108.—Whereas, I, Y. KHOKHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 5/41 situated at Tila Gaj Singh, Hing Ki Mandi, Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 7-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Krishna Kumar Sachdeva,  
S/o Lala Milkhi Ram Sachdeva,  
R/o 74, Surya Nagar, Agra.
- (2) Shri Devan Das,  
S/o Shri Dharam Das,  
R/o 32/97, Chhoti Hakimo Gali,  
Kala Mahal, Agra.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing No. 5/41, situated at Tila Gaj Singh, Hing Ki Mandi, Agra, transferred for apparent consideration of Rs. 42,000/-.

Y. KHOKHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 19-3-1975  
Seal :

## FORM ITNS

(2) Sri Mahabir Prasad Dalmia,  
S/o Late Sri Brij Lal Dalmia,  
R/o 26/52, Birhann Road,  
Kanpur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 19th March 1975

Ref. F. No. Acq/227/KNP/74-75/3109.—Whereas, I, Y. KHOKHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 23 situated at Anandpuri, 133/60, Juhu, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 16-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Swadeshi Cotton Mills Co. Ltd.  
Kanpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. 23 area 866.66 sq. yds. situated at Anandpuri, 133/60, Juhu, Kanpur, transferred for apparent consideration of Rs. 51,999.60

Y. KHOKHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 19-3-1975  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Swadeshi Cotton Mills Co. Ltd., Juhu,  
Kanpur.  
(Transferor)
- (2) Shri Kishan Lal Kedia,  
S/o Late Sri R. L. Kedia,  
R/o B-1, Swadeshi Cotton Mill Bungalow, Juhu,  
Kanpur.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 19th March 1975

Ref. F. No. Acq./228/KNP/74-75/3110.—Whereas, I, Y. KHOKHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Plot No. 29 situated at Anandpuri, 133/60, Juhu, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 16-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee; and

**THE SCHEDULE**

Immovable property Plot No. 29, area 866.66 sq.yds. situated at Anandpuri, 133/60, Juhu, Kanpur, transferred for apparent consideration of Rs. 51,999.60.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Y. KHOKHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-3-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Kamal Kishore Seth,  
S/o Sri Durga Dass Seth,  
124/131, Govind Nagar,  
Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

(2) Shrimati Mehar Chand Kaur,  
W/o Pooran Chand;  
Smt. Janak Dulari,  
W/o Sarwan Lal,  
Smt. Shakuntala Rani,  
W/o Sri Satya Prakash,  
All residents of 118/198, Kaushalpuri,  
Kanpur.

(Transferee)

(3) Transferor.  
(Person in occupation of the property)

Kanpur, the 18th March 1975

Ref. F. No. Acq./164/KNP/74-75/3111.—Whereas, I, Y. KHOKHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 120/572 situated at Narain Purwa, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 1-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Immovable property bearing No. 120/572, situated at Narain Purwa, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

Y. KHOKHAR

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 18-3-1975

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 21st March 1975

Ref. F. No. Acq/134/Gbd./74-75/3115.—Whereas, I, Khokhar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 115, situated at Moh. Balupura, Ramteram Road, Ghaziabad Distt. Meerut (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Ghaziabad on 2-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Chandra,  
S/o Sri Remaldas and Sri Ghanshyam Das,  
s/o Sri Wasnaram,  
residents of Moh. Prempuri, Ghaziabad; and  
Sri Pujari Lal,  
S/o Sri Punnu Ram,  
R/o Moh. Nasratpura, Ghaziabad,  
Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Varun Kumar and  
Sri Rakesh Kumar,  
S/o Lala Raghubansh Kumar and  
Smt. Pratibha Rani,  
W/o Sri Arun Kumar,  
R/o 138 to 140, Rightganj, Ghaziabad,  
Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One storied bhata bearing Nagar Palika No. 115, situated at Mohalla Balupura, Ramteram Road, Ghaziabad, Distt. Meerut, M/s. Gelaram Tara Chand, Ramteram Road, Ghaziabad, having area measuring about 510 sq. yds., transferred for apparent consideration of Rs. 85000/-.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 21-3-1975  
Seal :

FORM ITNS

(2) The Ideal Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW.

Lucknow, the 12th March 1975

Ref. No. 5-T/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 35/1B, situated at Rampur Garden, Bareilly, (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bareilly on 24-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A house No. 35/1B having four flats situated at Rampur Garden, Bareilly.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ravindra Pratap Singh.

(Transferor)

Date : 12-3-1975

Seal :

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

## FORM ITNS

(1) Siryoday Co-op. Housing Society Ltd. Lucknow.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Saraswati Jia Ram.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW.Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 12th March 1975

Ref. No. 54-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9-Rana Pratap Marg, situated at 9, Rana Pratap Marg, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 13-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

A plot of land measuring 7200 Sq. Ft. situated at 9-Rana Pratap Marg, Lucknow.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-3-1975  
Seal :

### **FORM ITNS-**

(2) Dr. Aajodhya Prasad Verma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE.  
LUCKNOW.

Lucknow, the 13th March 1975

Ref. No. 37-A/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 Block AI-35, situated at Civil Line, Rampur Bagh, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974 Bareilly on 16-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

A plot measuring 604 Sqr. yards situated at Civil Line, Rampur Bagh, Bareilly.

**BISHAMBHAR NATH,**  
**Competent Authority**  
**Inspecting Assistant Commissioner**  
**of Income-tax,**  
**Acquisition Range,**  
**Lucknow.**

Date : 13-3-1975

(1) Smt. Hem Lata Gupta & others.

(Transferor)

**Seal :**

## FORM ITNS

(2) Smt. Laxmi Srivastava.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW.

Lucknow, the 13th March 1975

Ref. No. 10-L/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Akbarpura, Bahrach

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baraich on 22-8-1974 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A house measuring 762.81 Sqr. Meters situated at Moh. Akberpura, Bahrach.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property of the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 13-3-1975

(1) Smt. Rupawati.

(Transferor)

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.**

Hyderabad, the 7th March 1975

Ref. R.A.C. 129/74-75.—Whereas, I. K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-746 to 748 & 7-1-753/1, situated at Market street, Secundrabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Secundrabad on 12-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Mirza Asadullah Beig S/o late Mirza Ibrahim Beig, 1-6-797, Musheerabad, Hyderabad.

2. Smt. Bilkees Banu W/o Mohd. Ghaliq.  
—do—

3. Smt. Anees Banu W/o Syed Esa 16-4-42, Chanchalaguda, Hyderabad.

(Transferee)

(2) 1. Jaksani Lakshmana Rao, S/o Ramachandraiah,

2. Jaksani Purushottam S/o Ramachandraiah,

3. Jaksani Sreenivasulu S/o Ramachandraiah,

4. Jaksani Krishnamurthy S/o Ramachandraiah,

5. Jaksani Jaksani Venkateswara Rao S/o Ramachandraiah,

3 to 5 being minors represented by guardian father Ramachandraiah.

All are residing at Maredpalli, Secundrabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of the land together with the building, constructions and erections standing thereon and bearing Municipal No. 7-1-746 to 748 and 7-1-753/1 (Old No. 3930 and 3931) situated at Market Street, Secundrabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 7-3-1975  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Prabhakar Dattatraya Bhide,  
941/9, Shivajinagar, Sudarshan Sahakari Griha  
Rachana Sanstha Maryadit, Poona-16.
3. Shri Prabhakar Ganesh Kanitkar,  
1544, Sadashiv Peth, Poona-30.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-411004.

Poona, the 11th March 1975

Ref. No. C.A.5/Havcli-I/August'74/182/74-75.—Whereas, I. H. S. Aulakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. No. 352, Narayan peth situated at Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-I, Poona on 14-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sadashiv Vishnu Bhome,  
615, Narayan Peth, Poona-30.

(Transferor)

(2) 1. Shri Anant Sakhararam Ranade,  
50, Narayan Peth, Poona-30.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated at Poona within Municipal Corporation Limits bearing eastern portion of C.T.S. No. 352, Narayan Peth, having area 136.2/9 Sq. Mtrs. Freehold and bounded as under:—

Towards East—Shedge Vithal Mandir

Towards West—Remaining portion of C.T.S. No. 352, got by nephew Shri Prabhakar Vishwanath Bhome and others.

Towards South—Laxmi Road,

Towards North—Property of Vijay Chitra Mandir.

H. S. AULAKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Poona.

Date : 11-3-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Syed Amanullah Hussaini, S/o Syed Naimathullah Hussain, R/o No. 14-1-365, Agapura, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Shafiuissa W/o Sri M. A. Ghaffar, H. No. 14-1-365 Agapura, Hyderabad.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 24th March 1975

Ref. No. RAC. No. 136/74-75.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 14-1-365 situated at Agapura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 2-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : House C.I.B. No. 452/Spl. A-M.C.H. No. 14-1-365, at Agapura, Hyderabad. Area : 423.54 Sq. Yds.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 24th March 1975

Ref No. RAC. No. 135/747-5—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-11-254/1 situated at Begumpet, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 5-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri Addagatla Janardhan Rao, 2. A. Ravinder, 3. A. Anand, 4. Sri A. Devanad, all residing at H. No. 37 Krishnanager Colony, Prendherghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) 1. Smt. S. K. Shontamani, H. No. 122 (New 5-3-240) Jeera, Secunderabad. 2. The Firm of M/s. V. V. Raman per Managing Partner Sri V. V. Raman, H. No. 117, Hyderbasti, Secunderabad. 3. Sri V. V. Raman, 4. Smt. V. Savithri, W/o V. Sundaram, 5. Smt. V. Saraswathi, W/o Sri J. Lakshmi, Narsimhan, all are under C/o M/s. V. V. Raman & Co., H. No. 117, Hyderbasti, Secunderabad.

(Transferee)

(3) 1. M/s. Associated Cement Companies Ltd. Secunderabad. 2. M/s. Mecneilla & Barry Limited, Secunderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property : All that Double storied building with Three Garages, constructed on plot of land No. 35, admcasuring 837-Sq. Yds. bearing Municipal No. 1-11-254/1 (Shanti Nivas) Kirlosker Colony, (Motilal Nagar), Begampet, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 24-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Kamabhai Kanabhai Bharwad, Village :  
Gyaspur, Tal. Ahmedabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kesarkunj Co-op. Housing Society Organisers,  
1. Shri Jyantilal Motilal Thakar, Shivshankar  
Society, Naranpura, Ahmedabad.

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 24th March 1975

2. Shri Bhanvarlal Jamnalal Shah, Kalika Mata's Wadi, out-side Delhi Darwaja,  
Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring in all to 1115 sq. yards transferred by way of two documents Nos. 9041 and 9186 as details given below :—

Document No. 9041 :

Survey No. 2-2, Hissa No. 1 situated at Wadaj, Ahmedabad (Area : 557.5 sq. yards).

Document No. 9186 :

Survey No. 2-2, Hissa No. 1 situated at Wadaj, Ahmedabad (Area : 557.5 sq. yds).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

J. KATHURIA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Bhagabhai Karsanbhai Bharwad, Village :  
Gyaspur, Tal. Ahmedabad.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Kesarkunj Co-op. Housing Society Organisers,  
1. Shri Jyantilal Motilal Thakar, Shivshankar  
Society, Naranpura, Ahmedabad.  
2. Shri Bhanvarlal Jamnalal Shah, Kalika  
Mata's Wadi, Out-side Delhi Darwaja,  
Ahmedabad.  
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 24th March 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring in all to 1115.5 sq. yards transferred by way of two documents Nos. 9042 and 9182 as per details given below :—

Document No. 9042 :

Survey No. 2-2, Hissa No. 1, situated at Wadaj, Ahmedabad (Area : 558 Sq. Yards).

Document No. 9182 :

Survey No. 2-2, Hissa No. 1, situated at Wadaj, Ahmedabad (Area : 557.5 sq. yards).

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-3-1975.  
Seal :

**FORM ITNS**

(2) M/s. Kandhari Corporation, H. No. 5-3-831,  
Goshamahal, Road, Hyderabad.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.**

Hyderabad, the 25th March 1975

Ref No. RAC. No. 139/74-75.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-2-410/1/4 situated at Gaganmahal, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 30-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Janaklal W/o Sri Kasturilal, residing at 5-Gidney Park, Poona,

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property : Plot No. E-3 House No. 1-2-410/1/4 at Gaganmahal Co-operative Development Society, Hyderabad.

North—By 30 Ft. Road.

South—By H. No. 1-2-41/A and plot.

East—By the House of Mrs. Mythili Krishnaswamy.

West—By the property of Dr. Leela.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 25-3-1975,

Seal ;

## FORM ITNS—

(2) Sri Duggisetty Venkatamalyadri, minor guardian by mother Smt. Lakshmikanthamma, W/o Malakondiah, Kavali, town, Nellore.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 24th March 1975

Ref. No. RAC. No. 134/74-75.—Whereas, I. K. S. Venkataraman,  
being the competent authority  
under section 269B of the Income-tax Act, 1961  
(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17/272 situated at Trunk Road, Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 5-8-1974  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sri Budumgunta Subrahmanyam, S/o Anjaneyulu, Trunk Road, Nellore.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Ward No. 17 Door No. 272 at Trunk Road  
Opp : to V. R. College Nellore.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 24-3-1975,  
Seal :

## FORM ITNS—

(2) Smt. Gajjela Sailamma, W/o Sri C. Ramreddy, residing at Baharamguda, Tq. East Hyderabad Distt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 24th March 1975

Ref. No. RAC. No. 137/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17-1-197 situated at Saidabad Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Hyderabad on 16-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property : Municipal No. 17-1-197, at Sayeedabad (Indira Seva Sadan) Hyderabad.

Area : 1920 Sq. Yds.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

(1) Sri Mohd. Ahmadullah, S/o late Habeebulah, residing at Noor Khan Bazar, near Deen Yarjung Bunglow, Hyderabad.

(Transferor)

Date : 24-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 25th March 1975

Ref. No. RAC. 141/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority, under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-4-17 situated at Murlighar Bagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 23-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Syed Shah Raheem Quadri, 2. Smt. Vazira Begum, 3. Smt. Husaini Begum, 4. Smt. Shaheda Begum, 5. Parvanishmunnisa Begum, all residing at Farban Wadi, Murlidhar Bagh, Hyderabad.  
(Transferor)

- (2) Smt. Shakuntala Bai, W/o Ram Autar, residing at Gandhi Bazar, H. No. 21-7-868, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of old House No. 1914 and New No. 5-4-17 at Ferban Wadi, Murlidhar Bagh, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 25-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS

- (2) 1. Sri Ganesh Pershad, 2. Sri Jadish Pershad,  
3. Sri Mahabeer Pershad, all residing at Devdi  
Mama Jameela, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 25th March 1975

Ref. No. RAC. No. 142/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-4-18 situated at Murlidhar Bagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on 23-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Syed Shah Raheem Quadri, 2. Smt. Vazeera Begum, 3. Smt. Hussaini Begum, 4. Smt. Shaeda Begum, and 5. Smt. Parvarishnunissa Begum, all residing at Farmabbadi, near Murlidhar Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : House No. 5-4-18 near Farmanbadi, Murlidhar Bagh, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 25-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Indocean Engineers, Private Ltd., its Managing Director, Mr. N. J. Bhagia, R/o Road, No. 14 Banjara Hills, Hyderabad.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 25th March 1975

(2) M/s, Hindustan Monark Private Ltd., Represented by its Director S. C. Jain, A-2, Industrial Estate, Sanathnagar, Hyderabad-18.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC. No. 140/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 187 situated at Qutubullapur Village Medchal Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Hyderabad on 22-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Property : land Survey No. 187, at Qutubullapur Village, Medchal Tq. Hyderabad Distt. Area : 7 acres 18 guntas.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 25-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th April 1975

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. ASR/AP-1/ABR/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. Land, situated at Tibi Sahib Road, Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Muktsar in August, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1843 of August, 1974 of the Registering Authority, Muktsar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 169D of the said Act, the following persons, namely :—

(1) Shri Rajinder Kumar s/o Shri Budh Ram s/o Shri Jai Dayal, Muktsar.  
(Transferor)

(2) Smt. Sunita Ahuja w/o Shri Shashi Kant Ahuja partner of M/s. Mulakh Raj Madan Mohan, Muktsar.  
(Transferee)

Date : 10-4-75.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Smt. Promilla Prabhakar w/o Shri Sudesh Kumar, E.R. 211 Pacca Bagh, Julludur City.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 10th April 1975

Ref. No. ASR/AP-2/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 Kothi, situated at Majitha Road Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in August on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gurmeet Kaur w/o Gurdial Singh, 30, Circular Road, Amritsar.  
(Transferor)

- (3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
  - (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)
- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Kothi in Gobind Singh Nagar, Colony, Tungbala Subbaran Majitha Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 5576 of August, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-4-75.

Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 10th April 1975

Ref. No. ASR/AP-3/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. 1/2 Kothi, situated at Majitha Road Amritsar

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in August on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gurmeet Kaur w/o Gurdial Singh, 30, Circular Road, Amritsar.  
(Transferor)

(2) Smt. Promilla Prabhakar w/o Shri Sudesh Kumar, E.R. 211 Pacca Bagh, Julludur City.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/2 Kothi in Gobind Singh Nagar, Colony, Tungbala Subbarben Majitha Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 5705 of August, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-4-75.

Seal :

## FORM ITNS

(2) Shri Banwari Lal s/o Shori Lal, Kt. Ahluwalia,  
Amritsar.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 10th April 1975

Ref. No. ASR/AP-4/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 43, situated at R. B. Parkash Chand Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narinder Chand Mehra s/o Shri Labh Chand Mehra, Mall Road, Amritsar through Shri Lalit Chand Mehra Attorney.  
(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 43, R. B. Parkash Chand Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1864 of August, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-4-75.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 10th April 1975

Ref. No. ASR/ZRA/AP-5/75-76.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. Land, situated at V. Dharam Singh Wala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) for facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to following persons namely :—

- (1) Shri Sewa Singh s/o Shri Achar Singh s/o Shri Gulab Singh r/o Dharam Singh Wala,  
(Transferor)
- (2) Shri Malkit Singh, Daljit Singh s/o Avtar Singh s/o Natha Singh r/o Lande Ka Tehsil Moga,  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2895 of August, 1974 of the Registering Authority Zira.

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-4-75.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 10th April 1975

Ref. No. ASR/MLT/AP-6/75-76.—Whereas, I V. R. Sagar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at Panniwala Phatta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Malout in August on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

(1) Shri Balwant Singh s/o Gulzar Singh s/o Hira Singh r/o V. Daulat Pura Teh. & District Sriganja Nagar.  
(Transferor)

(2) Shri Jaswinder Singh, Sukhjit Singh, Gurjot Singh ss/o Karam Singh s/o Natha Singh, Ranpinder Singh, Papinder Singh ss/o Gurmininder Singh s/o Karam Singh r/o V. Panniwala Phatta Teh. Muktsar.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1575 of August, 1974 of the Registering Authority, Malout.

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-4-75.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 10th April 1975

Ref. No. ASR/MLT/AP-7/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Panniwala Phatta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Malout in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dara Singh s/o Hira Singh s/o Bholla Singh, Vill. Daulat Pura Teh. & District Sri-ganga Nagar.  
(Transferor)
- (2) Shri Jaswinder Singh, Sukhjot Singh, Gurmit Singh ss/o Karam Singh s/o Natha Singh, Ranpinder Singh, Pupinder Singh ss/o Gurminder Singh s/o Karam Singh r/o V. Panniwala Phatta Teh. Muktsar.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1573 of August, 1974 of the Registering Authority, Malout.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-4-75.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 10th April 1975

Ref. No. ASR/MLT/AP-8/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Panniwala Phatta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jarnail Singh s/o Dula Singh s/o Behla Singh Village Daulat Pura Teh. & District Sriganga Nagar.

(Transferor)

(2) Shri Jaswinder Singh, Sukhjit Singh, Gurmit Singh ss/o Karam Singh s/o Nathu Singh, Ranpinder Singh, Papinder Singh ss/o Gurmininder Singh s/o Karam Singh r/o Panniwala Phatta Teh. Muktsar.

(3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1574 of August, 1974 of the Registering Authority, Malout.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 10-4-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION  
RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 10th April 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-9/75-76.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Khalwara Road Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Manohar Lal s/o Shri Sant Lal c/o M/s. Calcutta Mating House Loha Mandi Road, Phagwara.  
(Transferor)

(2) S/Shri Dev Singh, Harbans Singh ss/o Sadhu Singh s/o Dassondha Singh r/o V. Manik Teh Phagwara.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)  
(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1095 of August, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-4-75.

Seal:

FORM ITNS

(2) Shrimati Bimla Devi Poddar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 19th April 1975

Ref. No. AC/213/R-IV/Cal/75-76.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the

Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8, situated at Canning St. Calcutta (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sarajit Mitra & Ranjit Mitra.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/8th share of premises No. 8, Canning Street, Calcutta being an area of 10 K. 6 Ch. 3 sft. including building.

S. BHATTACHARYYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 19-4-75.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Santilata Mitra,

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shrimati Bimla Devi Poddar.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-IV, CALCUTTA.**

Calcutta-16, the 19th April 1975

Ref. No. AC-214/R-IV/Cv/75-76.—Whereas, I, S. Bhattacharyya being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8, situated at Canning St. Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

27-66GI/75

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/8th share of premises No. 8, Canning Street, Calcutta with a total area 10 K. 6 Ch. 3 ft. including building.

S. BHATTACHARYYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-IV,  
Calcutta.

Date : 19-4-75.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-411004.

Poona-411004, the 21st April 1975

Ref. No. C.A. 5/August'74/Haveli-II (Poona)/192/75-76.—  
Whereas, I, S. P. Krishnamurthy,  
being the competent authority under section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. City Survey No. 613/B, situated at Nanapeth, Poona  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Haveli-II (Poona) on 5-8-74  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the  
following persons namely:—

- (1) 1. Sardar Sorabji Ratanji Patel Trust Fund,  
Managing Trustee : Sardar Dastur Hormazad  
dayar Noshervan Kaikobad Dastur, 613,  
Nana peth, Poona-2.

2. Shri Jayantilal Bapulal Shah, At T' Flat,  
No. 180, Adinath Society, Satara Road,  
Poona-9.

(Transferor)

- (2) Shree Kamlesh Co-operative Housing Society  
Ltd., Chairman : Shri Subhashchandra, Dina-  
nath Salhotra, 613-B, Nana peth, Poona-2.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, whichever  
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-  
vable property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Freehold open land at City Survey No. 613-B, Nana  
peth, Poona-2.

Area : 6908.2 Sq. ft.

S. P. KRISHNAMURTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date : 21-4-75.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION  
RANGE-II, (3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED  
KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 19th April 1975

Ref. No. Ac-1/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S.  
Inamdar

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23A/753, situated at Diamond Harbour Rd., Calcutta-53 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Sub-Registrar, Alipore Sadar, 24-Prgs on 23-8-1974  
for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Gangadin Shaw, S/O. Late Shew Prosad Shaw, 31, S. R. Road, Calcutta-26.

(Transferor)

(2) 1. Sri Maharaj Krishan Chhabra, S/O, Sri Behari Lal Chhabra, & 2. Mrs. Shanti Devi, W/O, Sri Maharaj Krishan Chhabra, both of 154, Bakul Bagan Rd., P.S. Bhowanipore, Calcutta-25.

(Transferee)

(3) (The transferor hereto).

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4.03 cottahs being demarcated western portion of Plot No. 753, Block 'P', New Alipore, Municipal Premises No. 23A/753, Diamond Harbour Road, P.S. New Alipore, Calcutta-53.

S. S. INAMDAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, (3rd floor),  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 19-4-1975.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 23rd April 1975

No. CR. 62/2884/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027 being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-A, 2B, situated at Crescent Road, High Grounds, Bangalore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gandhinagar, Bangalore (document No. 2323/74-75) on 26th August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Sri H. Venkataswamappa, No. 160, Cubbonpet Main Road, Bangalore-560002.  
(Transferor)
- (2) M/s. Hotel Bangalore Inter-National Private Limited, No. 2-A, 2B, Crescent Road, High Grounds, Bangalore, represented by its Managing Director : Shri Amar Lulla.  
(Transferee)
- (3) (A) Hotel Brindavan, 2A/2B, Crescent Road, High Grounds, Bangalore. (Firm), (B) Hotel Bangalore International Private Ltd., 2A/2B, Crescent Road, Bangalore-1.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) M/s. Karnataka State Financial Corporation, Bangalore.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All the piece and parcel of land with the buildings, tenements, hereditaments and all appurtenances thereon consisting of non-residential premises comprising of five storeys (including ground floor), with sixty three rooms, one Conference hall, one restaurant, one bar, one reception, being parts of the building premises on the annexed plan bearing Nos. 2-A, 2-B, situated in Crescent Road, High Grounds, Bangalore city, bounded and measuring as follows :—

Bounded on the—

North by—Crescent Road.  
South by—Private Property.  
East by—Private Property (Vacant plot)  
West by—Private Property (Corner Plot)

Measuring North to South—

108'—6" on the Eastern side; and  
149'—6" on the Western side.

Measuring East to West—

107'—0" on the Northern side; and  
186'—6" on the Southern side.  
(Document No. 2323/74-75 dated 26-8-1974).

**R. KRISHNAMOORTHY.**

Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date 23-4-1975

Seal :

## FORM ITNS

(2) Kumari Latha Sethupathy, No. 20/1-A, Satyanarayana Avenue, Madras-28.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-2,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras, the 25th February 1975

Ref. No. F. 1343/74-75.—Whereas, I, A Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1-C, R.S. No. 1553/1, situated at Murray's Gate Road, Teynampet, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mylapore, Madras on September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. Thirunavukkarasu, No. 1, First Link St., C. I. T. Colony, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Site measuring 2 Grounds & 2371 Sft. in Plot No. 1-C R.S. No. 1553/1 Part, Murray's Gate Road, Teynampet, Madras-18.

A. RAGHAVENDRA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
MADRAS-6.

Date : 25-2-1975.

Seal :

